Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 29 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 308 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**सुविचार**

आपदा हमें आगे बढ़ने के लिए नये रास्ते बताती है। आपदा को सकारात्मक रूप से लिया जाये, तो यह आपको हमेशा पहले से बेहतर बना देगी।

वेब सीरीज अक्का में राधिका आप्टे से...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 66,174.20 |
| निफ्टी | : | 19,889.70 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 5,895 |
| चांदी | : | 81.05 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

## आप सांसद संजय सिंह को नहीं मिली जमानत

**NEW DELHI :** दिल्ली शराब नीति केस में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। आप नेता को मंगलवार भी जमानत नहीं मिल सकी। उन्होंने कोर्ट में 24 नवंबर को जमानत याचिका लगाई थी। कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी किया है। अब 6 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी। कोर्ट ने ईडी को उसी दिन जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। आप सांसद बीते 56 दिन से हिरासत में हैं। ईडी ने उन्हें को 4 अक्टूबर को अरेस्ट किया था। संजय सिंह 4 दिसंबर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। 24 नवंबर को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था, जहां स्पेशल जज एमके नागपाल ने उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी 4 दिसंबर तक बढ़ा दी। इससे पहले संजय को 10 नवंबर को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। जहां उनकी कस्टडी 24 नवंबर तक बढ़ाई गई थी।

## बीजेपी और बीआरएस पर बरसे राहुल गांधी

**NEW DELHI :** तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर 30 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए धुंआधार चुनाव प्रचार जारी है। मंगलवार को प्रचार का अंतिम दिन था। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बीजेपी के साथ-साथ बीआरएस पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि वे (बीआरएस) महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और बीजेपी का समर्थन करने के लिए काम करते हैं। अगर हम दिल्ली में पीएम मोदी को हराना चाहते हैं तो हम सबसे पहले तेलंगाना में केसीआर को हराना होगा। राहुल गांधी ने हैदराबाद में एक चुनावी रैली में कहा कि मेरा लक्ष्य देश में नफरत को खत्म करना है। इसके लिए नरेंद्र मोदी को दिल्ली में हराना होगा। उन्होंने रैली में जोर देकर कहा कि यदि मोदी को दिल्ली में हराना है तो पहले तेलंगाना में केसीआर को हराना होगा। रैली से पहले राहुल गांधी ने जुबली हिल्स में ऑटो चालकों और स्वच्छता कर्मचारियों के साथ बातचीत की इसके बाद ऑटोरिक्शा में सवारी की। इस बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नजर आ रहे हैं जो ऑटो की सवारी करते दिख रहे हैं। इस वीडियो को न्यूज एजेंसी एएनआई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किया है।

# खत्म हुई अंधेरी रात, सुरंग से बाहर निकले सभी 41 मजदूर

## 7.50 बजे पहला मजदूर बाहर आया, 399 घंटे टनल में फंसे रहे

**AGENCY UTTERKASHI :** उत्तराखंड की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल में 12 नवंबर से फंसे सभी 41 मजदूरों का बाहर निकल लिया गया है। पहला मजदूर शाम 7.50 बजे बाहर निकाला गया था। 45 मिनट बाद रात 8.35 बजे सभी को बाहर निकाल लिया गया। सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। मजदूर 399 घंटे तक टनल में फंसे रहे। रेस्क्यू टीम के सदस्य हरपाल सिंह ने बताया कि शाम 7 बजकर 5 मिनट पर पहला ब्रेक थ्रू मिला था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाहर निकाले गए श्रमिकों से बात की। रेट स्नेपर्स वाली कंपनी नवयुग के मैन्युअल ड्रिलर नसीम ने कहा- सभी मजदूर स्वस्थ्य हैं। मैंने उनके साथ सेल्फी ली। उन्होंने बताया कि जब आखिरी पत्थर हटाया गया तो सभी मजदूरों ने जयकारे लगाए।

उत्तराखंड की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल से बाहर निकलते मजदूरों का फुल-माला पहनाकर हुआ स्वागत।

- 17 दिन टनल में फंसे रहे 41 मजदूर
- रेस्क्यू के बाद मजदूरों को 30-35 किलोमीटर दूर चिन्यालीसौड़ ले जाया गया
- टनल से चिन्यालीसोड तक की सड़क को ग्रीन कॉरिडोर किया गया था घोषित

उत्तरकाशी में हमारे श्रमिक भाइयों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है। टनल में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। यह अत्यंत संतोष की बात है कि लंबे इंतजार के बाद अब हमारे ये साथी अपने प्रियजनों से मिलेंगे। इन सभी के परिजनों ने भी इस चुनौतीपूर्ण समय में जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए वो कम है। मैं इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं। उनकी बहादुरी और संकल्प-शक्ति ने हमारे श्रमिक भाइयों को नया जीवन दिया है। इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है। - **नरेंद्र मोदी, पीएम।**

### ऐसे निकाले गए मजदूर

नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैय्यद अता हसैनन ने बताया था- खुदाई का काम पूरा होने के बाद टनल में पाइप तक रैंप बनाया गया। रैंप से मजदूरों को पाइप तक पहुंचाया गया। पाइप में पहुंचने पर मजदूरों को स्ट्रेचर पर लिटाया और रस्सी के सहारे खींचकर उन्हें बाहर निकाला गया। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैय्यद अता हसैनन ने बताया था- खुदाई का काम पूरा होने के बाद टनल में पाइप तक रैंप बनाया गया। रैंप से मजदूरों को पाइप तक पहुंचाया गया। पाइप में पहुंचने पर मजदूरों को स्ट्रेचर पर लिटाया और रस्सी के सहारे खींचकर उन्हें बाहर निकाला गया।

## 17 दिनों की मुसीबत पर भारी पड़ा हौसला, सूबे में मजदूरों के घर लौटी रौनक

**PHOTON NEWS RANCHI :** निमार्णाधीन सुरंग में सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन मंगलवार को सफल रहा। 400 घंटे की जंग के बाद झारखंड के सभी 15 मजदूर सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं। उत्तरकाशी में तैनात झारखंड श्रम नियोजन विभाग के संयुक्त श्रमायुक्त सह जमशेदपुर के उपश्रमायुक्त राकेश प्रसाद ने बताया उत्तराखंड सुरंग से सभी मजदूर सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। मजदूरों के सुरंग से सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बाद परिजनों ने दिवाली मनायी और खुशी का इजहार किया। रांची के तीन, खूंटी के तीन, गिरिडीह जिले के बिरनी के दो, पश्चिमी सिंहभूम जिले से एक और पूर्वी सिंहभूम से छह मजदूर सुरंग में फंसे हुए थे। रांची जिले के ओरमांझी प्रखंड के खीराबेड़ा गांव के मजदूर अनिल बेदिया, राजेंद्र बेदिया एवं सुकराम बेदिया सुरंग में फंसे थे। गिरिडीह जिले के बिरनी के सुबोध वर्मा व विश्वजीत वर्मा, खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के गुमडू गांव निवासी विजय होरो, डुमारी गांव निवासी चमरा उरांव एवं मदुगामा गांव निवासी गनपाईत होरो, पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर प्रखंड के चेलाबेड़ा गांव का महादेव नायक एवं पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया प्रखंड के मानिकपुर गांव के रवींद्र नायक, रंजीत लोहार, गुणाधर नायक, बांकीशोल गांव का समीर नायक, कुंडालुका गांव का भुक्तु मुर्मू और डुमरिया गांव का टिंकु सरदार शामिल हैं।

### किस राज्य के कितने मजदूर फंसे थे

- झारखंड- 15
- उत्तर प्रदेश- 8
- ओडिशा-5
- बिहार-5
- पश्चिम बंगाल-3
- उत्तराखंड-2
- असम-2
- हिमाचल प्रदेश -1

## एसपी नौशाद आलम ने आरोपों से किया इन्कार आज फिर होगी पूछताछ

**CRIME REPORTER RANCHI :** साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची जोनल ऑफिस पहुंचे थे। जिसके बाद उनसे ईडी के अधिकारियों के द्वारा करीब दस तक पूछताछ की गई। इस दौरान ईडी के द्वारा नौशाद आलम से ईडी के गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने के बारे में पूछताछ की, लेकिन नौशाद आलम ने इस मामले में अपनी संलिप्तता से इनकार कर दिया। एसपी ने बताया गया कि साहिबगंज पुलिस ने विजय हांसदा को कोर्ट के निर्देश के बाद बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाया गया था। जब नौशाद आलम ने साहिबगंज एसपी का पदभार ग्रहण किया, उसके बाद विजय हांसदा ने सुप्रीम कोर्ट में एक केस के सिलसिले बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने को लेकर आवेदन दिया था। रविवार के कारण रेल वारंट नहीं मिल पाया, सुरक्षा को देखते हुए दुमका डीआईजी के आदेश पर विजय को बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने की इजाजत दी गई।

### 10 घंटे हुई पूछताछ

साहिबगंज एसपी नौशाद आलम मंगलवार की सुबह 10 बजे ही ईडी दफ्तर पहुंच गए। जिसके बाद उनसे ईडी के अधिकारियों के द्वारा करीब दस तक पूछताछ की गई। एसपी को बुधवार को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया है। नौशाद आलम के एजेंसी में आते ही, उनकी संपत्ति से जुड़ी जानकारी मांगी गई। अब नौशाद आलम को हलफनामा के जरिए उन्हें यह जानकारी एजेंसी को उपलब्ध करानी है। नौशाद आलम पर आरोप है कि साहिबगंज में बतौर एसपी पोस्टिंग किए जाने के बाद उन्होंने विजय हांसदा को प्रभावित किया, इसके बाद वह होस्टाइल हो गए। ईडी ने नौशाद आलम को लेकर विस्तृत जानकारियां पहले से जुटा रही थी। नौशाद आलम की पोस्टिंग कहां कहां रही और उनके द्वारा किस तरह की संपत्ति की खरीद की गई इसकी जानकारी भी पूर्व में ईडी जुटा चुकी है।

## प्रेमियों से बेटियों का रेप करवाया, कोर्ट ने मां को सुनाई 40 साल की सजा

**KERALA :** केरल की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दो नाबालिग बहनों से दुष्कर्म मामले में उनकी मां को 40 साल की सजा सुनाई है। महिला के दो प्रेमियों ने चार साल पहले उसकी दो बेटियों से कई बार दुष्कर्म किया था। बच्चियों के प्राइवेट पार्ट पर चोटें भी आई थी। जब नाबालिग बहनों ने जब अपनी मां से इसकी शिकायत की तो वह खामोश रही। उल्टा महिला खुद अपनी बेटियों को आरोपियों के पास ले जाती थी। वे महिला के सामने बच्चियों से रेप करते थे। घटना मार्च 2018 से सितंबर 2019 के बीच की है। तब दोनों बच्चियां 7 और 11 साल की थीं। महिला का पति मानसिक रूप से बीमार था। जिसके कारण वह पति को छोड़कर अपने प्रेमियों के साथ रहती थी। महिला के एक प्रेमी का नाम शिशुपालन था। महिला कई बार अपनी दोनों बेटियों को उसके घर ले गई थी। शिशुपालन ने उनके साथ कई बार दुष्कर्म किया। वह बच्चियों के साथ मारपीट भी करता था। उसने किसी को सच्चाई बताने पर दोनों बहनों को जान से मारने की धमकी दी थी। महिला दोनों बेटियों को अपने एक और प्रेमी के पास लेकर जाती थी। वह भी महिला के सामने दोनों बच्चियों के साथ दुष्कर्म करता था। एक दिन दोनों बहनें शिशुपालन के घर से भाग गईं। दोनों अपनी दादी के पास गई और उन्हें पूरी सच्चाई बताई। बच्चियों की दादी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद बच्चियों को चिल्ड्रंस होम में शिफ्ट किया गया। दोनों फिलहाल वहीं रहती हैं।

# जिस सरकार में राशन कार्ड लेकर लोग मर गए, वो हमसे सवाल करती है : हेमंत

## विपक्ष पर सीएम ने सीधा निशाना साधा, केंद्र को भी जमकर कोसा

**PHOTON NEWS LOHARDAGA :** लोहरदगा के चिरी में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम से सीएम हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने न केवल केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया बल्कि राज्य में विपक्ष में बैठी भाजपा को भी जमकर कोसा। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का तीसरा चरण है। पहले दो चरणों में लगभग 1 करोड़ लोगों की शिकायतें सरकार तक पहुंची। लोगों की समस्या की इतनी बड़ी संख्या सवाल के खड़े करती है। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याएं सरकार तक इसलिए पहुंच रही थी क्योंकि पूर्व की सरकारों ने काम ही नहीं किया। उन्होंने कहा कि हर इंसान की एक न्यूनतम जरूरत होती है रोटी कपड़ा और मकान। पहले की सरकारों ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर दिए। नतीजा यह हुआ की 2019 के पहले इस राज्य में लोग राशन कार्ड हाथ में लिए घूमते रहे और कई इलाकों में भटक कर मरते भी रहे। आज हमने 11 लाख लोगों को राशन कार्ड तो दिया ही उसके अतिरिक्त 20 लाख अलग से हर राशन कार्ड बनाकर बांटा। उन्होंने कहा कि जब एक-एक लोग तक विकास की योजनाएं पहुंच रही हैं तब विपक्ष हमसे सवाल पूछ रही है।

सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में लाभुक को अभिवादन स्वीकार करते सीएम।

### टीन का चश्मा पहनी है विपक्ष

सीएम ने कहा कि देश नहीं विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा हमारी सरकार पर सवाल खड़े करती है। तमाम योजनाओं को लागू करने, लोगों को इसका लाभ देने के बाद भी सवाल खड़े करती है। आखिर हमारे विपक्ष को हो क्या गया है। हमसे कहते हैं कि ढोंगराच रहे हैं। दरअसल यह सारे बेईमान हैं। इन्होंने शीशा का चश्मा नहीं टीन का चश्मा पहना है। इसलिए इन्हें कुछ दिखाई नहीं देता। जब मौका मिलता है तब आलोचना में लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कई मूलवासी नेता भी हैं जो भाजपा के चंगुल में फंसकर उल्टा सीधा कर रहे हैं। जब कुछ नहीं कर सकते तो धार्मिक जहर डालते हैं। भाजपा चाहती है कि देश में सांप्रदायिक दंगे हो। उन्होंने कहा कि यह लोग हर हाल में सांप्रदायिक दंगे फैलाने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि 20 सालों में राज्य में जो गंदगी फैली है उसको निकालने में वर्षों लग जाएंगे। सीएम ने कहा कि जब गांव, किसान, मजदूर मजबूत होगा तो राज्य खुद मजबूत हो जाएगा। कोई हरा पेड़ गाड़ने से नहीं बचता वह मर जाएगा। इसलिए जड़ को मजबूत करना होगा। इसी वजह से सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर योजना चलाई जा रहे हैं।

### टनल में व्यापारी या नेता का बेटा फंसता तो फिर दिखता काम

केंद्र सरकार पर सवाल करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा चाहे केंद्र में हो या राज्य में वह सोचती केवल अपने मित्रों के लिए है। उत्तराखंड में हुए टनल हादसे पर उन्होंने कहा कि तमाम तकनीक के बाद भी 20 दिनों से अधिक मजदूर टनल के अंदर फंसे रहे। सबसे ज्यादा मजदूर झारखंड से हैं। वहां पूजा पाठ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि काम करने की जरूरत है। सरकार इसमें फेल है। अगर वहां मजदूरों की जगह किसी बड़े बिजनेसमैन का बेटा होता या किसी बड़े राजनेता का बेटा होता तो शायद स्थिति ऐसी नहीं होती। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी उसी जगह पर एनटीपीसी के प्रोजेक्ट में झारखंड के मजदूर मारे गए। उन्होंने कहा कि जब वह सरकार खुद काम नहीं कर रही थी तो उनके अधिकारी-पदाधिकारी कैसे काम करते।

**नौसेना के समुद्री बेड़े में अगले माह शामिल किया जायेगा यह युद्धपोत**

# स्टील्थ डेस्ट्रॉयर्स आईएनएस 'इंफाल' को मिला क्रेस्ट

**AGENCY NEW DELHI :** भारतीय नौसेना के लिए प्रोजेक्ट 15 बी के तहत तैयार किये गए गाइडेड मिसाइल स्टील्थ डेस्ट्रॉयर्स आईएनएस इंफाल को नया क्रेस्ट मिल गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन ने मंगलवार को नई दिल्ली में क्रेस्ट का अनावरण किया। स्वदेशी जहाज निर्माण की पहचान यह युद्धपोत अगले माह दिसंबर में भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। भारतीय नौसेना के नवीनतम निर्देशित मिसाइल स्टील्थ विध्वंसक इंफाल की लॉन्चिंग 20 अप्रैल, 2019 को हुई थी। इसी समारोह के दौरान जहाज का नाम इंफाल रखा गया था। प्रोजेक्ट 15 बी के तहत मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निमार्णाधीन चार गाइडेड मिसाइल स्टील्थ डेस्ट्रॉयर्स में से यह तीसरा युद्धपोत है। इसे एमडीएल ने पिछले माह 20 अक्टूबर को भारतीय नौसेना को सौंप दिया था। नौसेना के बेड़े में शामिल होने से पहले परीक्षण के रूप में इस युद्धपोत से 22 नवंबर को विस्तारित रेंज की ब्रह्मोस मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया गया। परीक्षण के दौरान भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता, स्वदेशी हथियारों और प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता परखने पर फोकस किया गया। इस असाधारण उपलब्धि के पश्चात अब इस युद्धपोत का क्रेस्ट अनावरण भी शानदार तरीके से नई दिल्ली में किया गया। इस कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार, रक्षा मंत्रालय और मणिपुर राज्य के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समुद्री परंपराओं और नौसैनिक रिवाजों के अनुसार भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों के नाम प्रमुख शहरों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, बंदरगाहों और द्वीपों के नाम पर रखे गए हैं।

क्रेस्ट का अनावरण करते रक्षा मंत्री राजनाथ और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह।

### डब्ल्यूडीबी ने तैयार किया है डिजाइन

भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के किसी शहर के नाम पर रखा जाने वाला पहला उन्नत युद्धपोत भी है, जिसके लिए राष्ट्रपति ने 16 अप्रैल, 2019 को मंजूरी दी थी। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) ने आईएनएस इंफाल का डिजाइन तैयार की है और एमडीएल ने निर्मित किया है। जहाज में लगभग 75 प्रतिशत की उच्च स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसमें एमआर एसएएम, ब्रह्मोस एसएसएम, स्वदेशी टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर, पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और 76 मिमी. एसआरजीएम शामिल हैं। इंफाल पहला ऐसा स्वदेशी विध्वंसक है, जिसके निर्माण और समुद्री परीक्षणों को पूरा करने में सबसे कम समय दर्ज किया गया। यह युद्धपोत अगले माह दिसंबर में भारतीय नौसेना में अधिकृत रूप से शामिल होगा।

## मणिपुर हिंसा : 175 शवों के अंतिम संस्कार का 'सुप्रीम' आदेश

**NEW DELHI :** सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के बाद से अस्पतालों में पड़े 175 शवों के अंतिम संस्कार करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिन शवों पर परिवार ने दावा किया है, उनका अंतिम संस्कार 4 दिसंबर तक होगा। बाकी का एक हफ्ते बाद सरकार करेगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम संस्कार के इंतजार में मणिपुर के मुर्दाघरों में पड़े 175 शवों के बारे में चिंता जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि सूबे के हालात को देखते हुए मुर्दाघरों पर शवों का यूं पड़े रहना ठीक नहीं है। इसके जरिये माहौल को किसी भी तरह खराब रखने की कोशिश हो रही है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जिन 81 शवों की पहचान हो गई है और जिन पर उनके घरवालों ने दावा भी किया है, उन शवों का परिजन सरकार की ओर से चिह्नित किये गए 9 जगहों पर अंतिम संस्कार कर सकते हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि 4 दिसंबर तक ये कवायद पूरी हो जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जिन 88 शवों की पहचान होने के बाद भी उन पर परिजनों ने दावा नहीं किया है, उनके लिए सरकार 4 दिसंबर तक घरवालों को फिर से सूचित करे।

# कुश्ती संघ के चुनाव पर लगी रोक SC ने हटाई

## 12 अगस्त को हाईकोर्ट ने लगाया था स्टे

**AGENCY NEW DELHI :** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय महासंघ के चुनाव पर हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट के स्टे का फैसला पलट दिया है। हाईकोर्ट ने 12 अगस्त को हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन (एचडब्ल्यूए) की याचिका पर स्टे लगाया था। उसके बाद समय पर चुनाव न होने के कारण यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने डब्ल्यूएफआई को सस्पेंड कर दिया था। तब भारतीय कुश्ती महासंघ सस्पेंड है। 12 अगस्त को भारतीय ओलिंपिक कमेटी की देखरेख में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव होने वाले थे। चुनाव से ठीक पहले हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन (एचडब्ल्यूए) की याचिका पर हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट ने चुनावों पर स्टे लगा दिया। एसोसिएशन ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि एचडब्ल्यूए की बजाय एक अन्य एसोसिएशन को इस चुनाव में भाग लेने की इजाजत दी गई है, जबकि वे डब्ल्यूएफआई और हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन से एफिलिएटेड हैं। एचडब्ल्यूए के अध्यक्ष कांग्रेसी सांसद दीपेंद्र हुड्डा हैं।

BRIEF NEWS

## रामगढ़ में कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

**RAMGARH :** मांडू थाना क्षेत्र के एनएच- 33 अंतर्गत रिलायंस पेट्रोल पंप के पास मंगलवार सुबह कार ने दो बाइक सवार को टक्कर मारी दी। घटना में दोनों बाइक सवार की मौत हो गई। मौके पर पुलिस पहुंच गई है कार और बाइक को जब्त कर ली है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि दोनों युवक जोड़ा कम 20 माइल के रहने वाले थे।

## दुमका में रेल पटरी पर मिला युवक का शव

**DUMKA :** जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के हंसडीहा-दुमका रेलखंड पर नोनीहाट रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर दुमका की ओर चंपातरी रेलवे पुल के समीप रेलवे पटरी पर मंगलवार दोपहर एक युवक का शव मिला। उसका बायां हाथ कटकर अलग हो गया। उसकी पहचान थाना क्षेत्र के नयाबाजार (नोनीहाट) संतोष कुमार साह के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई कर रही है।

## बोड़ेया का रास व कृषि विकास प्रदर्शनी मेला का भव्य आयोजन

**RANCHI :** सदियों पुरानी बोड़या का रास एवं कृषि विकास प्रदर्शनी मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू द्वारा दीप प्रज्वलित और फीता काटकर किया गया। उक्त मौके पर क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों एवं अलग-अलग क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पारितोषिक के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कई आर्केस्ट्रा ग्रुप के कलाकारों द्वारा मनोरंजन के साथ झारखंडी भाषा संस्कृति से संबंधित प्रस्तुति किया गया। मौके पर स्टार कलाकार रमन गुप्ता, लोकहित अधिकार पार्टी जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता, मुकुल नायक, देवपूजन ठाकुर, संजय लोहरा, पिंटू साहू, अरुण साहू, मंटू कुमार साहू सहित आयोजन मंडली के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए।

## विकास के लिए अच्छे नेता को चुनें : केएन त्रिपाठी

**PALAMU :** आगामी लोकसभा चुनाव में डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने भी चतरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का मन बनाया है। उन्होंने मंगलवार को चियांकी स्थित अपने आवास पर करीब दो हजार कार्यकताओं के साथ बैठक की और चुनाव को लेकर उनके अंदर जोश भरा। साथ ही विचार-विमर्श किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री त्रिपाठी ने कहा कि चतरा लोकसभा सीट से उन्होंने चुनाव लड़ने का मन बनाया है। बावजूद डालटनगंज विस सीट पर भी उनकी निगाह पूर्व ही तरह बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि एक दिसंबर से उन्होंने विकास परामर्श यात्रा शुरू करने का निर्णय लिया है।

## अपराध की योजना बना रहे तीन युवक गिरफ्तार हथियार बरामद

**KATRAS :** कतरास के ईस्ट बसुरिया ओपी की पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे 3 युवकों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी के एक मामले का 24 घंटे में उद्भेदन करते हुए 2 आरोपियों को भी पकड़ने में कामयाब हुई है। उनके पास से चोरी गए सामान बरामद किए गए हैं। यह जानकारी बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मू ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में दी। बताया कि सोमवार की रात ईस्ट बसुरिया पुलिस को गुप्त सुचना मिली कि सेक्टर तीन के समीप तीन युवक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है। ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापामारी कर तीनों को दबोच लिया। केंदुआडीह निवासी शुक्रा चौहान, आकाश नोनिया व ईस्ट बसुरिया के सुनील चौहान को एक लोडेड कट्टा के साथ पकड़ा। उनके पास से बिना नंबर की एक पल्सर बाइक जब्त कर ली गई है। इसके साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र के बड़की बौआ सात नंबर निवासी वीरेन्द्र यादव के घर में हुई चोरी मामले का 24 घंटे के अंदर उद्भेदन करते हुए दो युवकों राजा भुइयां व विकास बाउरी को गिरफ्तार कर लिया।

# अपराधियों की गोली से घायल दरोगा को एसपी ने किया सस्पेंड

## ड्यूटी में अनुपस्थित रहने का आरोप, थाना प्रभारी को दी थी जख्म नहीं भरने की जानकारी

**PHOTON NEWS RANCHI :** मुठभेड़ में अपराधियों की गोली से घायल हुए दरोगा सोनू कुमार साव को रामगढ़ एसपी पियूष पांडेय ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। दरोगा सोनू साव को ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने के आरोप में सस्पेंड किया गया है। इस कार्रवाई को लेकर चर्चा है कि दरोगा सोनू ने भुरकुंडा थाना प्रभारी को बताया था कि गोली लगने की वजह से उनके पैर का जख्म सही से ठीक नहीं हुआ है। जिस वजह से वो ड्यूटी पर नहीं आ पाएंगे। इसके बाद भी थाना प्रभारी ने दरोगा सोनू साव के खिलाफ ओडी ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने वाला रिपोर्ट एसपी कर दिया। जिसके बाद एसपी ने दरोगा सोनू साव को सस्पेंड कर दिया।

अस्पताल में दारोगा सोनू कुमार साव। ● फोटोन न्यूज

### अपराधियों के मुठभेड़ के दौरान लगी थी गोली

जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहु गैंग के अपराधियों ने 17 जुलाई रात 9:00 बजे एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) व रामगढ़ पुलिस की टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। वारदात पतरातू थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरमांझी द्वार खेलारी रोड में डाड़ीडीह सरना उच्च विद्यालय के समीप हुई थी। इसमें एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार को पेट में व रजरप्पा थाना के दारोगा सोनू कुमार साव को दाहिनी जांघ में गोली लगी थी। एक अन्य जवान गिर कर घायल हो गया था। घटना के बाद मौके पर पहुंचे तीन जवानों को बाइक सवार ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वे घायल हो गये। घटनास्थल से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर डीएसपी को मेडिका अस्पताल रांची लाया गया। बाद में दारोगा को भी यहीं भर्ती कराया गया था।

### मुख्यालय से मिला था कार्रवाई का आदेश

दो-तीन माह से रामगढ़ जिले के पतरातू थाना इलाके में विभिन्न आपराधिक गिरोह की सक्रियता बढ़ गयी थी। लेकिन रामगढ़ पुलिस अपराधियों के गैंग के खिलाफ कार्रवाई सही ढंग से नहीं कर पा रही थी। मामले में सीआईडी व पुलिस मुख्यालय के आला अधिकारियों ने जिले के एसपी को अपराधी गैंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा था। लेकिन कुछ गैंग के लोगों के खिलाफ सिर्फ छापेमारी कर कार्य की इतिश्री कर ली गयी थी।

## राशि दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी को ले जाती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** गिरिडीह साइबर थाना की पुलिस ने मातृत्व लाभ की राशि दिलाने के नाम पर ठगी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेजा है। गिरफ्तार आरोपितों में छोटू मंडल और अजय मंडल शामिल हैं। एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिले गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है।

दोनों आरोपित बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महदईया गांव के रहने वाले हैं। इनलोगों के पास से पुलिस ने दो मोबाइल और चार सिम बरामद किया है। बताया जाता है कि मिली सूचना के बाद साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर यह कार्रवाई की गई। दोनों अपराधी कई अलग-अलग प्रकार के एप मोबाइल फोन में इंस्टॉल करवा कर ठगी की घटना को अंजाम देते थे। इन एप में एल्पेमिक्स, एनीडेस्क और टीमव्यू शामिल हैं।

## हजारीबाग में लगी भीषण आग, छह साल की बच्ची की मौत, चार झुलसे

**PHOTON NEWS HAZARIBAGH :** जिले के मालवीय मार्ग स्थित गायत्री टेंट हाउस में आग लगने से एक बच्ची की मौत हो गई जबकि चार लोग झुलस गए, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में लाखों का सामान राख हो गया। आग लगने की वजह का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि हजारीबाग के मालवीय मार्ग स्थित गायत्री टेंट हाउस में सोमवार रात भीषण आग लग गई। आग पहले टेंट हाउस के ग्राउंड फ्लोर पर लगी। इसके बाद धीरे-धीरे ऊपरी तल पर भी पहुंच गई। तीसरे तल पर करीब दस लोग घरों में फंस गये। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू कर पांच लोगों को बाहर निकला, जिन्हें तुरंत प्राथमिक इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। इस दौरान बच्ची की मौत हो गई और चार लोगों को स्थिति गंभीर बनी हुई है।

हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चौथे ने बताया कि आग बाजार क्षेत्र में एक निजी आवास में लगी और यह तेजी से आसपास की इमारतों में फैल गयी। हालांकि, पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। एसपी ने बताया कि आग की चपेट में आने से अन्नु नाम की छह साल की बच्ची की मौत हो गयी और चार लोग गंभीर रूप से झुलस गये।

आग बुझाने के लिए लगी ग्रामीणों की भीड़। ● फोटोन न्यूज

## आजादी के बाद बतरे नदी पर बनेगा पुल विधायक कमलेश ने रखी आधारशिला

**PHOTON NEWS PALAMU :** जिले के हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र का कोई भी गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं होगा। यह बात क्षेत्रीय विधायक सह एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रखंड के सुदूरवर्ती कुल्हिया पंचायत के लादी बादी बरवाडीह बतरे नदी पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत बनने वाली पुल निर्माण का शिलान्यास के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से अब तक इस नदी पर पुल का निर्माण नहीं हो सका था। सदियों से उपेक्षित गांवों में विकास की किरण पहुंचाना मेरा उद्देश्य है। पुल के निर्माण से लादी बादी, कोठिला, कुल्हिया, जगदीशपुर, शिकारपुर, नौडीहा कला, फुलवरिया सहित दर्जनों गांव के लोगों का बरसात के दिनों में मुख्य मार्ग से संपर्क नहीं कटेगा।

उल्लेखनीय है कि एनसीपी के प्रदेश प्रवक्ता सूर्या सिंह ने उक्त गांव में कुछ माह पहले ग्रामीणों के समक्ष जल्द पुल निर्माण करने का वादा किया था, जिसका आज शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राकांपा प्रखंड अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह व संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश मेहता ने किया।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह, जिला अध्यक्ष संदीप पासवान, नीतू सिंह, जिला सचिव अजय सिंह, मुखिया सरोज प्रसाद कुशवाहा, राजेश्वर सिंह, शिक्षक सुरेश सिंह, रौनक सिंह, लालबाबू सिंह, जनेश्वर भुइयां, रामप्रवेश भुइयां, 20 सूत्री अध्यक्ष रविंद्र सिंह, कापेश्वर सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, उदय सिंह, बब्लू सिंह, मंटू मेहता, ललेंद्र यादव, सुनील मेहता, सुनील सिंह सहित सैकडी की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक कमलेश व अन्य। ● फोटोन न्यूज

## मुख्यमंत्री के कोडरमा आगमन को लेकर उपायुक्त ने पदाधिकारियों के साथ की बैठक

**PHOTON NEWS KODERMA :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कोडरमा आगमन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने मंगलवार को जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इसकी तैयारी के लिए सभी लोगों को विभिन्न कार्यों का दायित्व दिया। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में किसी भी प्रकार का चूक न हो।

उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने विभाग से संबंधित योजना जैसे मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन, सर्वजन पेंशन, हरा राशन कार्ड, बिरसा हरित ग्राम जैसे अन्य योजनाएं से आच्छादित कराएं।

इस मौके पर मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त ऋतुराज, डीआरडीए निदेशक गोरांग महतो, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार, जिला खनन पदाधिकारी दारोगा राय, जिला कृषि पदाधिकारी ब्रह्मदेव साह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाइक सहित जिले के अनेक वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

## अदाणी फॉउंडेशन को मिला ग्रीनटेक CSR इंडिया अवार्ड

**HAZARIBAGH :** अदाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड (नेचुरल रिसोर्सेज) को वर्ष 2023 के ग्रीनटेक कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान झारखंड समेत देश के विभिन्न राज्यों के पिछड़े और आदिवासी बहुल इलाकों में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। ग्रीनटेक फॉउंडेशन की ओर से अदाणी के प्रतिनिधियों को यह सम्मान जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में हुए एक समारोह में प्रदान किया गया। अदाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड की आरे से राज्य के हजारीबाग के अलावा दूसरे राज्यों में भी सामाजिक सरोकारों की विभिन्न परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं।

**एनपीपी ने प्रमोद ठाकुर को दिलाई पार्टी की सदस्यता**

## नेशनल पीपुल्स पार्टी की जनाधार में तेजी चुनाव की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता : अमर

**PHOTON NEWS RANCHI :** नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी ने प्रमोद ठाकुर को माला पहनकर पार्टी की सदस्यता दी। मौके पर अनथन लकड़ा, जोसेफ लकड़ा, सुमन बड़ा, आरती देवी, सैयद मीर यूनुस, सुरेन कालिंदी एवं प्रदेश महासचिव अमर महतो मौजूद रहे। युवाओं को राजनीति में आना अनिवार्य में विषय बन गया है। आंचल-जिलों में हजारों कार्य बाधित है। लाख रुपए कमाने वाले भी हजार रुपए की रिश्वत की मांग करते हैं। जमीन विवाद में ऑनलाइन त्रुटि सुधार करने के नाम पर भी अंचल के लोग उगाही करते हैं। जल्द ही आठ लोकसभा चुनाव की तैयारी की घोषणा की जाएगी।

पंचायत अध्यक्ष की नियुक्ति की जिम्मेवारी प्रखंड अध्यक्ष को दिया गया है। सूची आने के उपरांत ही प्रदेश एवं जिला कमेटी निर्णय लेगी। झारखंड प्रदेश में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सिर्फ नाम मात्र के हैं।

सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रमोद ठाकुर व अन्य। ● फोटोन न्यूज

## टनल में फंसे गिरिडीह के मजदूरों के परिजनों ने ली पल-पल की खबर

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** उत्तराखंड के उत्तरकाशी सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। इस सूचना पर गिरिडीह जिले के बिरनी प्रखण्ड के रहने वाले विश्वजीत वर्मा और सुबोध वर्मा के परिजनों के चेहरे खिल उठे हैं। उनके परिजन मोबाइल और टीवी के जरिये पल-पल की जानकारी ले रहे हैं।

सुरंग में फंसे विश्वजीत के छोटे भाई इन्द्रजीत वर्मा ने सिलक्वारा-बरकोट से मंगलवार को कहा कि पिछले कई दिनों से वे लोग बड़े भाई विश्वजीत और मौसेरे भाई सुबोध वर्मा के सुरंग से बाहर आने के इंतजार में मौके पर डटे हैं। उन्होंने कहा कि सकुशल बाहर आने के बाद वे दोनों भाईयों को लेकर अपने गांव सीमराठाब बिरनी जाएंगे। यह उनके जीवन का अविस्मरणीय अवसर होगा, जिसका वे बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

## सनातन की रक्षा के लिए सभी हिंदू एक हों : देवकीनंदन

**PHOTON NEWS PALAMU :** सनातन की रक्षा के लिए सभी हिंदू एक हों। जाति के बंधन को तोड़ दें। सनातन की रक्षा आज नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी धिक्कारेगी। यह बातें श्रीमद् भागवत पुराण के अंतरराष्ट्रीय कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कही। वे मंगलवार को डालटनगंज के हाउसिंग कॉलोनी गोशाला प्रांगण में परशुराम युवा वाहिनी के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सातवें व अंतिम दिन श्रद्धालुओं को कथा सुना रहे थे।

देवकीनंदन ठाकुर ने पंडाल में नवीं व दसवीं वर्ग के अंग्रेजी मीडियम स्कूल के बच्चों से गणित के सरल सवाल पूछे। नहीं बताए जाने पर देवकीनंदन ने अंग्रेजी मीडियम स्कूल की लताड़ लगाई। साथ ही कहा कि परीक्षा में आने वाले प्रश्न को केवल रटाने वाले स्कूल के लिए यह धिक्कार है। ऐसे अंग्रेजी मीडियम स्कूल में अपने संतानों को पढ़ाने वाले माता-पिता भी धिक्कार के पात्र हैं।

श्रीमद् भागवत कथा की चर्चा करते हुए देवकीनंदन ने कहा कि पराई स्त्री के साथ घूमने वाले पुरुष नर्क को प्राप्त होते हैं। इसलिए चरित्रहीन नहीं, चरित्रवान बनें। साथ ही कहा कि सभी श्रोता कथा में कही बातें अपने जीवन में उतारेंगे। साथ ही सनातन के विकास के लिए ऐसे मुहिम को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम का संचालन आशीष भारद्वाज ने किया।

**देवकीनंदन ने निकाली सनातन यात्रा :** श्रीमद् भागवत कथा समाप्ति के पश्चात देवकीनंदन ठाकुर ने सनातन यात्रा निकाली। सनातन यात्रा एक खुले कार में देवकीनंदन सवार हुए व यज्ञ परिसर का भ्रमण किया। सनातन यात्रा में उनके साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। साथ ही सनातन को बचाने के लिए ओजपूर्ण नारे लगाए। इसके पूर्व देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि काशी लिया। रामजन्म भूमि लिया। मथुरा में कृष्ण मंदिर निर्माण व जामा मस्जिद की सीढ़िया में दबे कृष्ण की विग्रह को निकालकर मंदिर में स्थापित करने के लिए उनका साथ दें।

**गिरिडीह में जिला के पंचायत समिति सदस्यों के प्रशिक्षण वर्ग का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया उद्घाटन, बोले-**

## जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा में देश सेवा सर्वोपरि

- प्रदेश भाजपा का राज्य के 17 स्थानों पर पंचायत समिति सदस्यों का प्रशिक्षण वर्ग 27 नवंबर से

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को गिरिडीह में जिला के पंचायत समिति सदस्यों के प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मरांडी ने पार्टी के इतिहास विकास, संकल्प, प्रतिबद्धता जैसे आयामों पर विस्तार से चर्चा की।

मरांडी ने कहा कि भारत को इसके प्राचीन संस्कृति, गौरवशाली अतीत को पुनः प्रतिस्थापित कर देश को पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन करने के साथ जनसंघ और फिर भाजपा की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा में पार्टी की राजनीति के केंद्र में राष्ट्र सेवा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पंच निष्ठाओं में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, गांधीवादी समाजवाद, सर्व धर्म समभाव और मूल्य आधारित राजनीति समाहित है। उन्होंने कहा कि एकात्म मानव दर्शन के साथ हमारा संकल्प अंत्योदय है। विश्व बंधुत्व के भाव से भारत विश्व के कल्याण के लिए समर्पित है।

मरांडी ने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है। हमने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। स्वतंत्र भारत में राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए पहला बलिदान पार्टी के प्रेरणा पुरुष और जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का हुआ। दो विधान, दो निशान, दो प्रधान के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए डॉ मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर में अपनी गिरफ्तारी दी जहां जेल में एक षड्यंत्र के तहत उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि भले ही उस वक्त हमारा जनाधार बड़ा नहीं था लेकिन हमारा संकल्प भारत की जन भावनाओं के अनुरूप था। राष्ट्र सेवा के प्रति हमारी वैचारिक प्रतिबद्धता मजबूत थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में जनसंघ ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी पहचान तक मिटा दी। तुष्टिकरण की राजनीति ने देश का बड़ा नुकसान किया है। देश का विभाजन भी कांग्रेस की तुष्टिकरण का ही परिणाम था। भाजपा ने अपने मौलिक चिंतन में तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सर्वपंथ समभाव को अपनाया है। आज भी भाजपा की चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्य की योजनाओं के क्रियान्वयन में धर्म पंथ के आधार पर कोई भेद भाव नहीं किए जा रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

## आजसू पार्टी कांके प्रखंड समिति की बैठक संपन्न, लिए गए कई निर्णय

**PHOTON NEWS RANCHI :** आजसू पार्टी कांके प्रखंड समिति की बैठक नगड़ी में कांके प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव के अध्यक्षता में किया गया। बैठक में कांके प्रखंड के 32 पचांयतो के 92 गांव के प्रत्येक गांव में एक महिला एक पुरुष पिलर मेंबर बनाने के लिए प्रत्येक पंचायत मे प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में मौजूद आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव राजेंद्र मेहता ने कहा कि प्रत्येक गांव पिलर मेंबर बनाने के बाद आजसु पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में रांची लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी पेश करगी। जिला अध्यक्ष संजय महतो ने कहा पूरी कांके प्रखंड के 92 गांव में संगठन को मजबूत करना है। रांची जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी ने कहा कि सभी गांव में 1 दिसंबर तक पिलर मेंबर बना कर पूरा करने का निर्देश प्रखंड कमिटी को दी गई है। आजसु पार्टी 2024 चुनाव में पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी। राज्य में गठबंधन झामुमो, कांग्रेस, राजद की सरकार से यहां की जनता त्रस्त हो चुकी है, जिसके कारण आज अन्य दलों के लोग लगातार आजसु पार्टी के दामन थाम रहे है। बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष मोजिबुल रहमान, महिला जिला अध्यक्ष विणा देवी, केन्द्रीय सदस्य रूपलाल महतो, एतवा उरांव, विरेन्द्र तिवारी, सुरेन्द्र महतो, सचिव अभिषेक राज हेरेंज, अमित महतो, सूरज मिश्रा, शत्रुधन महतो, राजू नायक, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

# सेना की जमीन घोटाला मामले में आरोपी दिलीप घोष को हाईकोर्ट से मिली जमानत

## फर्जी तरीके से सेना की जमीन हथियाने की साजिश, करीबी के नाम पर करायी थी रजिस्ट्री

SPECIAL REPORTER RANCHI :

- सात जून को ईडी ने अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को किया था गिरफ्तार
- 9 नवंबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने फैसला रखा था सुरक्षित

रांची जमीन घोटाला मामले में मुख्य आरोपी दिलीप घोष को हाईकोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। इससे पहले दिलीप घोष की जमानत याचिका पर बीते 9 नवंबर को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि बीते सात जून को ईडी ने जमीन घोटाला मामले में कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को गिरफ्तार किया था। दोनों को ईडी की टीम ने कोलकाता से गिरफ्तार किया था। सेना के कब्जे वाली जमीन के दस्तावेज में फजीर्वाड़ा कर बेचने वाले फर्जी रैयत प्रदीप बागची ने जिस जगतबंधु टी इस्टेट को उक्त जमीन की रजिस्ट्री की थी, उस कंपनी में अमित अग्रवाल भी दिलीप घोष के सहयोगी हैं। कंपनी के दिलीप घोष को ईडी ने पहले समन किया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे थे। अमित अग्रवाल के करीबी दिलीप घोष की कंपनी जगतबंधु टी-इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड को ही फर्जी कागजातों के जरिए सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन बेची गई थी। ईडी ने जांच में पाया था कि कंपनी ने 20 करोड़ के सरकारी मूल्य की जमीन महज सात करोड़ में खरीदने का जिक्र रजिस्ट्री में किया। वहीं इस जमीन के बदले फर्जी मालिक प्रदीप बागची को महज 25 लाख मिले। रजिस्ट्री में अलग-अलग बैंक खातों से बाकी 6.75 करोड़ रुपये देने का दावा ईडी की जांच में गलत निकला। ईडी ने जब पूरे मामले की पड़ताल की तब मामले में अमित अग्रवाल की संलिप्तता के साक्ष्य मिले।

बताते चलें कि नगर निगम के टैक्स कलेक्टर दिलीप शर्मा ने प्रदीप बागची के खिलाफ 4 जून 2022 को फर्जी कागजात के आधार पर होल्डिंग नंबर लेने का मामला बरियातू थाने में दर्ज कराया था। इस केस में ईडी ने ईसीआईआर किया था।

## हाईकोर्ट ने विधि पोर्टल पर सरकार से मांगी UP-TO-DATE स्टेटस रिपोर्ट

RANCHI : राज्य सरकार की ओर से अदालत में शपथ पत्र ससमय पर दाखिल नहीं होने से संबंधित मामले में कोर्ट के स्वतं संज्ञान की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने कोर्ट को बताया कि अभी जो वर्तमान में विधि पोर्टल है वह पूर्णता कारगर साबित नहीं हो रहा है। इसके लिए मुख्य सचिव ने राज्य सरकार के सभी विभागों के नोडल ऑफिसर के साथ बैठक भी की है। विभागों ने माना है कि विधि पोर्टल को दुरुस्त करने की आवश्यकता है। इससे पहले सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि शिक्षा विभाग में आईएलएमएस सॉफ्टवेयर कार्यान्वित है ,अतः विधि पोर्टल को आईएलएमएस के साथ एकीकृत करने की कोशिश की जा रही है। पोर्टल और आईएलएमएस को एकीकृत करने के बाद इसे सरकार के सभी विभागों में लागू करने का प्रयास किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई जनवरी में होगी। हाईकोर्ट ने इसके साथ ही राज्य सरकार से मामले में विधि पोर्टल की अपडेट स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। दरअसल, पूर्व की सुनवाई में कोर्ट के आदेश के आलोक में मामले में मुख्य सचिव और आईटी सचिव कोर्ट में वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए थे। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि वे विधि पोर्टल से खुद संतुष्ट नहीं है। मुख्य सचिव ने कहा था कि, इसे दुरुस्त करने के लिए वह शीघ्र अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि न्याय मित्र अधिवक्ता राजीव रंजन मिश्र के सुझावों पर भी विचार किया जाएगा।

## महेश और अमित अग्रवाल की याचिका पर बहस पूरी

RANCHI : चतरा जिले के टंडवा स्थित मगध और आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले की एनआईए जांच कर रही है। इस मामले में आरोपी आधुनिक पावर कंपनी की तत्कालीन एमडी महेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल के मामले में हाइकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। अब 11 दिसंबर को अजय कुमार सिंह की पिटिशन पर सुनवाई होगी। इन तीनों ने अपने खिलाफ किए गए चार्जफ्रेम एवं खारिज किए गए डिस्चार्ज पिटिशन को हाइकोर्ट में चुनौती दी है। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से हाइकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अधिवक्ता ऋषभ कुमार ने पैरवी की। दरअसल, रांची की एनआइए कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में महेश अग्रवाल और अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल और अजय कुमार सिंह की डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज कर दिया था। साथ ही कोर्ट ने उन पर चार्जफ्रेम कर दिया है, जिसे उन्होंने हाइकोर्ट में चुनौती दी है।

### तालाब की जमीन पर अस्पताल बनाने को मामला

## दायर रिट याचिका को कोर्ट अब पीआईएल के रूप में सुनेगी

RANCHI : देवघर के मधुपुर अनुमंडल में गैर मजुरूवा जमीन पर बने तालाब पर अस्पताल बनाए जाने के टेंडर को चुनौती देने वाली अरुण शाही की रिट याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस रिट याचिका को जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में मानते हुए सुनवाई करने का निर्देश दिया है। कोर्ट में प्रार्थी को हाई कोर्ट के पीआईएल रूल के तहत शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई शुक्रवार, 1 दिसंबर निर्धारित की है। दरअसल प्रार्थी का कहना है कि देवघर के गोविंदपुर मौजा में मधुपुर अनुमंडल स्थित बांध /तालाब पर अस्पताल बन रहा है। इसका शिलान्यास 18 सितंबर 2023 को हुआ था। तालाब को भरकर उसकी जमीन पर अस्पताल बनाना गलत है।

## HC : सेल डीड कैंसिल किए जाने के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

### सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी सहित कई ने याचिकाएं की हैं दाखिल

RANCHI : ऑनलाइन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक अनामिका गौतम (सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी) की ओर से देवघर स्थित जमीन सहित राज्य के अन्य जिलों के डीसी द्वारा कई लोगों के सेल डीड कैंसिल किए जाने को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख

लिया। दायर याचिका में सांसद की पत्नी अनामिका गौतम का आरोप है कि देवघर डीसी ने श्यामगंज मौजा, देवघर की उनकी जमीन का सेल डीड कैंसिल कर दिया है। उनका कहना था कि जमीन के रजिस्टर्ड सेल डीड को कैंसिल करने का अधिकार डीसी, देवघर के पास नहीं है। यह अधिकार सिविल कोर्ट के पास है। अनामिका गौतम की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव एवं पार्थ जालान ने पैरवी की। बता दें कि हाईकोर्ट में दायर अनामिका गौतम सहित विभिन्न याचिकाओं में राज्य के कई जिलों में डीसी द्वारा रजिस्टर्ड सेल डीड को रद करने को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है।

## BRIEF NEWS

### रिम्स में इलाजरत टीएसपीसी के एरिया कमांडर की मौत

RANCHI : पलामू सेंट्रल जेल के कैदी प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के एरिया कमांडर किसलय सिंह की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई। किसलय सिंह पलामू के मनातू का रहने वाला था। किसलय सिंह पिछले कई दिनों से बीमार था। वह पैरालाइज्ड हो गया था। उसे बीपी की भी समस्या थी। बताया जाता है कि तबीयत खराब होने के बाद उसे एमएमसीएच में भर्ती करवाया गया था। बाद में एमएमसीएच क डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया था। अब रिम्स में इलाज के क्रम में किसलय सिंह की मौत हो गयी है। पलामू सेंट्रल जेल के अधिकारियों ने मंगलवार सुबह मौत की पुष्टि की है। रिम्स में ही उसका पोस्टमार्टम किया जायेगा, जिसके बाद उसका शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

### अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी में भारी मात्रा में शराब बरामद

RANCHI : उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। उत्पात विभाग से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने सोमवार देर रात कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सुकुरहुटू के पास एसटीएफ के सहयोग से छापेमारी की। इस दौरान एक टाटा 407 पिकअप वाहन (जेएच 01- बीआर 5148) की तलाशी के क्रम में अवैध विदेशी शराब ओल्ड मोंक और ब्लैक टाइगर व्हिस्की का 3000 बोतल कुल 2250 लीटर जब्त किया गया। घटनास्थल से अभियुक्त वाहन से कूद कर भाग निकले, जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी टीम में अवर निरीक्षक ललित सोरेन, पंकज कुमार रूपेश कुमार उत्पाद सिपाही और सशस्त्र बल शामिल थे।

### तीरंदाजी में असम को हराकर झारखंड ने जीता कांस्य पदक

RANCHI : अयोध्या (यूपी) में 43वां रिकर्व, 30वां इंडियन राउंड और 19वीं कंपाउंड एनटीपीसी नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप के तहत अलग-अलग खेल इवेंट्स का आयोजन 24 नवंबर से जारी है। 30 नवंबर तक खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में रिकर्व/ इंडियन राउंड एवं कंपाउंड की प्रतियोगिताएं साथ चल रही हैं। मंगलवार को झारखंड की रिकर्व पुरुष टीम ने असम को हराकर कांस्य पदक जीता। इस टीम के सदस्य के तौर पर मृणाल चौहान, सुवोदीप हाजरा, गोल्डी मिश्रा एवं गुरुचरण बेसरा थे। इंडियन राउंड की महिला टीम ने भी उत्तर प्रदेश टीम को हराकर कांस्य पदक जीता। इस टीम में आरती कुमारी, हीरामणि सिंकु, अंकु कुमारी, चांदमणि कुंकल शामिल थीं। पदक विजेता खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षक प्रकाश राम, मोहन साहू, अनिल कुमार, महेंद्र सिंकु को झारखंड के खेल संघों और खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

### दो वार्डों में 73 शिकायतों का ऑन स्पॉट निपटारा

RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रांची नगर निगम की ओर से निगम के दो वार्ड में मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया। वार्ड नंबर पांच और वार्ड नंबर छह में शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविरों में कुल 73 शिकायतों का ऑन स्पॉट निपटारा किया गया। अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने मंगलवार को बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि अपने नजदीकी वार्ड में आयोजित शिविर में आएं और योजनाओं का लाभ लें।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

## चीन में फैली रहस्यमय बीमारी को लेकर अस्पतालों में तैयारियां तेज

### हायर सेंटर में रिम्स और सदर अस्पताल को रखा जाएगा

PHOTON NEWS RANCHI :

### शरीर नीला दिखाई दे तो तुरंत कराएं इलाज

- यूपी साहू ने बताया कि छोटे बच्चे को यदि सांस लेने में परेशानी हो, शरीर नीला दिखाई दे रहा हो या उसे तेज बुखार आ रहा हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें क्योंकि निमोनिया ज्यादा दिनों तक रहना खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि विभाग स्तर पर अभी तक किसी तरह का दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया है। अस्पताल में भी अभी इस तरह के केस नहीं पहुंचे हैं लेकिन डॉक्टरों की टीम निमोनिया के केस को लेकर गंभीर है।

चीन में फैल रही रहस्यमय बीमारी को देखते हुए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सभी राज्यों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इस बीमारी के भी कोरोना की तरह फैलने की आशंका है। इन सभी संभावनाओं को देखते हुए रांची में स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुट गया है। रांची जिले के ब्लॉक स्तर के अस्पतालों को भी दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि यदि मरीज सामान्य स्थिति में रहे तो उसे सीएचसी और पीएचसी में ही सुविधा दी जा सके। रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने मंगलवार को बताया कि हायर सेंटर के रूप में रिम्स और सदर अस्पताल को रखा जाएगा। यदि मरीजों की संख्या बढ़ेगी तो अन्य जगहों पर भी इंतजाम किए जाएंगे। सिविल सर्जन ने बताया कि कोरोना के दौरान लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट और लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट का भी उपयोग किया जाएगा। पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेंडर भी रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक भारत में ऐसा कोई केस नहीं मिला है। हालांकि, निमोनिया को लेकर लोगों को सचेत रहने की आवश्यकता है। रिम्स के वरिष्ठ चिकित्सक और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ यूपी साहू ने बताया कि निमोनिया में छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि निमोनिया सबसे ज्यादा एक से पांच साल तक के बच्चों के लिए खतरनाक होता है। क्योंकि, वैसे बच्चे अपनी परेशानी को खुलकर बता नहीं पाते। ऐसे में अभिभावकों को यह ध्यान रखना होगा कि यदि छोटे बच्चे में सर्दी-खांसी के साथ बुखार आता है और उसने मां का दूध पीना छोड़ दिया तो उसे तुरंत नजदीकी डॉक्टर के पास ले जाएं।

## बाबूलाल पहले विस्थापित थे अब बेरोजगार हो गए, नहीं जीत पाएंगे राजधनवार : झामुमो

### सुंदरपहाड़ी इलाके में फैले मलेरिया को लेकर मरांडी के बयान पर पलटवार

PHOTON NEWS RANCHI :

प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से बातचीत करते सुप्रियो भट्टाचार्य।

- दिशुम गुरु शिबू सोरेन को शिबू कहने वाले बाबूलाल अहंकार में चूर, शिबू का कर्णांश भी नहीं बन सकते
- मलेरिया कोरोना के समान एक आपदा, सरकार और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और अलर्ट
- एक-एक चीज की खुद मॉनिटरिंग कर रह रहे हैं सीएम हेमंत सोरेन

दो-चार दिनों से बाबूलाल मरांडी द्वारा शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन और सुंदरपहाड़ी इलाके में संक्रमण के रूप में फैले मलेरिया को लेकर दिए गए बयान पर झामुमो ने पलटवार किया है। झामुमो केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सरकार के काम और समस्या समाधान को लेकर बाबूलाल मरांडी के प्रमाण की जरूरत नहीं है। 2019 में जनता यह प्रमाण पत्र दे चुकी है और 2024 में फिर से जनता देगी। हां, मगर जिस प्रकार से वे घमंड में चूर होकर दिशुम गुरु शिबू सोरेन को शिबू कह कर संबोधित कर रहे हैं तो उन्हें यह बता दिलाना चाहते हैं कि शिबू सोरेन नहीं होते तो झारखंड भी नहीं होता और बाबूलाल मरांडी भी नहीं होते। बाबूलाल मरांडी शिबू सोरेन के कर्णांश भी नहीं बन सकते हैं। झामुमो बाबूलाल को गारंटी देता है कि वह 2024 में राजधनवार भी नहीं जीत पाएंगे। यह बाते भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कही।

बाबूलाल बताएं कि वह और उनके नेता मोदी जी मणिपुर क्यों गए

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल मरांडी सुंदरपहाड़ी में फैले मलेरिया और कुछ बच्चों के हुए मौत पर सीएम के नहीं जाने की बात कही। उन्हें पता होना चाहिए कि जहां पर संकट, त्रासदी आती है या फिर बड़ी घटना होती है वहां पर पीएम और सीएम के जाने से अभियान और काम बाधित होता है। क्योंकि पूरा

### पुलिस से लेकर चौकीदारों को किया गया अलर्ट

## ग्रामीण क्षेत्रों में अफीम तस्करों की बढ़ी चहलकदमी

PHOTON NEWS RANCHI :

### जेल से छूटे अफीम तस्करों पर नजर

- डीआईजी बिरथरे ने बताया कि जमानत पर जेल से छूटे तस्करों से अब पुलिस थाना हाजिरी लगवाएगी। पुलिस की ओर से इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। उधर सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने डीआईजी अनूप बिरथरे के अलावा रांची, गुमला, सिमडेगा, खूंटी और लोहरदगा एसपी के साथ हुई बैठक में निर्देश दिया है कि 15 दिनों के भीतर अफीम तस्करों और उसकी खेती करने वाले की अगल-अलग सूची तैयार करें। निर्देश यह भी दिया गया है कि जेल से छूटे तस्करों की गतिविधि पर नजर रखें। यह पता लगाएं कि जेल से जमानत पर छूटे तस्कर कहां रह रहे हैं और क्या कर रहे हैं। कहीं वह फिर से अफीम की तस्करी में शामिल तो नहीं हैं।

### चिह्नित कर होगी कार्रवाई

राज्य के खूंटी जिले में अफीम की सबसे अधिक खेती होती है। रांची के बुंडू, तमाड़, दशम, नामकुम और पिठोरिया इलाके में भी अफीम की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। फसल तैयार होने के बाद झारखंड समेत दूसरे राज्यों में अफीम की तस्करी की जाती है। डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में अफीम तस्करों की चहलकदमी को लेकर पुलिस से लेकर ग्रामीण इलाकों में तैनात चौकीदारों तक को अलर्ट किया गया है। सभी को यह पता लगाने का निर्देश दिया गया कि अफीम के बीज का वितरण कौन कर रहा है। पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे लोगों को चिह्नित कर उन पर कार्रवाई करें।

PHOTON NEWS RANCHI :

राज्य में ठंड का मौसम आते ही बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की जाती है। ऐसे में अफीम तस्करों ने अपनी चहलकदमी बढ़ा दी है। अफीम तस्कर बड़े पैमाने पर ग्रामीणों की सहायता से अफीम की खेती की तैयारी में जुटे हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अफीम तस्करों की योजना को विफल करने में जुट गया है। जाड़े का मौसम शुरू होते ही अफीम तस्कर अफीम की खेती के लिए सक्रिय हो चुके हैं। सूचना है कि खूंटी और रांची के वैसे इलाके जहां हर साल बड़े पैमाने पर अफीम की खेती होती है उन इलाकों में अफीम तस्करों के द्वारा बीहड़ों और जंगलों में जमीन चिन्हित की जा रही है। जाड़े का मौसम अफीम की खेती के लिए बेहद माकूल समय होता है। ऐसे में तस्करों की चहलकदमी रांची और खूंटी में बढ़ गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी अलर्ट हो गई है। इस संबंध में रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर महीने में अफीम की खेती होती है। दिसंबर माह में फसल तैयार हो जाती है। फसल तैयार होने के बाद ही उसमें चीरा लगा कर अफीम और फिर डोडा निकाला जाता है। अफीम तस्करों की साजिश पर ब्रेक लगाने के लिए पुलिस की टीम ने तस्करों पर कार्रवाई करने का स्पेशल प्लान बनाया है।

## जुआ खेलने वाले नौ पुलिसकर्मी सस्पेंड

RANCHI : रांची पुलिस लाइन में बीते शनिवार की देर रात को जुआ खेलते 14 पुलिसकर्मी समेत 20 लोग पकड़े गए थे। इस मामले में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कार्रवाई करते हुए रांची जिला बल के नौ पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। बाकी के अन्य पांच पुलिसकर्मी जैप के हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई जैप के कमांडेंट करेंगे। इस मामले में एसएसपी ने बताया कि रांची जिला बल के नौ पुलिसकर्मी को सस्पेंड किया गया है। जुआ खेलते पकड़े गए पुलिसकर्मी समेत अन्य लोगों को गोंदा थाना से पीआर बांड पर छोड़ दिया गया था। बता दें कि इनके पास से करीब साढ़े तीन लाख रुपए भी बरामद हुए थे। जबकि पिछले तीन माह का अगर रिकॉर्ड देखें तो विभिन्न थाना क्षेत्रों में जुए के अड्डे पर छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने जुए के अड्डे से लाखों रुपए बरामद किए। 51 से ज्यादा जुआरियों को गिरफ्तार किया। इन जुआरियों को पुलिस ने जेल भी भेजा था। वहीं गोंदा थाना की टीम ने जिन पुलिसकर्मियों को जुआ खेलते पकड़ा तो उन पर सिर्फ जुआ अधिनियम की धारा 11 लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की।

## रांची पहुंचे जदयू अध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी, स्वागत

रांची एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी का स्वागत करते कार्यकर्ता।

PHOTON NEWS RANCHI :

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और झारखंड जदयू के प्रभारी सह बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री डॉ अशोक चौधरी मंगलवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे। जहां रांची एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओ ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद ललन सिंह ने कहा कि झारखंड का यह दौरा संगठन को मजबूत करने के लिए है। वहीं, बिहार में मंत्री सह झारखंड प्रदेश प्रभारी अशोक चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा 2024 के चुनाव में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए है। हमारे लिए चिंता की बात यह है कि एक समय पर झारखंड में पार्टी के 11 विधायक हुआ करते थे लेकिन अभी एक भी नहीं है। इस पर मंथन किया जाएगा। साथ ही साथ आने वाले समय में संगठन को भी मजबूती प्रदान की जाएगी।

BRIEF NEWS

## बाइक दुर्घटना में एक सुरक्षा गार्ड की मौत

ROURKELA : शहर में नाबालिग बाइक सवार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दुर्घटना तब हुई जब निजी सुरक्षा गार्ड टेटेंगा नायक सड़क पार करते वक्त बाइक की टक्कर हो गई। वह बालूघाट देहुरी बस्ती में रहते थे। टेटेंगा काम से सड़क पर साइकिल चला कर घर जा रहे थे। तभी केटीएच अस्पताल के पास एक पल्सर बाइक ने उसे टक्कर मार दी। पुलिस जांच में पता चला कि उक्त बाइक एक नाबालिग चला रहा था, दूसरा नाबालिग उस पर बैठा था। जबकि मृतक का शव राउरकेला सरकारी अस्पताल रखी गई है। रघुनाथपल्ली पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

## राउरकेला-पुरी पर बंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

ROURKELA : राउरकेला-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस पर रविवार को ढेंकनाल-अंगुल रेलवे खंड पर मेरामंडली के पास पथराव हुआ। पथराव के कारण एक खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। हांलाकि इससे किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

## हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले में हाथियों का आतंक जारी है। जिले के विभिन्न वन क्षेत्रों में हाथियों के उत्पात से लोग दहशत में हैं। जिले के बड़गांव प्रखंड अंतर्गत गरगढ़ बहाल गांव में मंगलवार सुबह हाथी के हमले में एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान गरगदबहाल के हीरालाल बेहरा के रूप में की गई है। हाथी के झुंड खेत में घुस कर अनाज के को नुकसान पहुंचा रहा है सुन कर हीरालाल खेत खलिहान में गया। वहां हाथी ने उसे कुचलकर मार डाला। इस इलाके में कुछ दिनों से करीब 30 हाथियों का समूह आके उपद्रव कर रहा है। वन विभाग मौके पर पहुंच के शव को कब्जे में लेकर हाथियों को भगाने का प्रयास कर रहा है।

## क्लीन एंड ग्रीन की ओर से सफाई के साथ मनाया जन्मदिन

ROURKELA : क्लीन एंड ग्रीन सप्ताहांत कार्य के तहत, सेक्टर 16 में तुमकेला गांव के लगभग 40 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर प्रांगण का जीर्णोद्धार कार्य आज शुरू किया गया। अध्यक्ष डॉ देवेंद्र सेठी और संपादक प्रदीप दास के प्रबंधन में संगठन के सदस्यों ने सुबह 7 बजे पहुंचे और पूरे मंदिर प्रांगण की सफाई की। मंदिर को नया रूप दिया। संस्था के सदस्यों की सर्वसम्मति से पुराने मंदिर को गोद लेकर उसका सौंदर्यीकरण करने का निर्णय लिया गया। अंत में सभी सदस्यों की उपस्थिति में अध्यक्ष एवं संपादक का जन्मदिन वहां मनाया गया।

## भाकपा की बैठक में चुनाव की तैयारी को लेकर हुआ मंथन

JAMSHEDPUR : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की सिंहभूम जिला परिषद की बैठक मंगलवार को साकची स्थित कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता कामरेड भुवनेश्वर तिवारी ने की। बैठक में राज्य पर्यवेक्षक राजेंद्र यादव ने केन्द्र तथा राज्य के वर्तमान राजनीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी को मजबूत करना होगा तभी पूंजीवादी व्यवस्था से लड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिले में एक हजार लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा। दिसंबर 2023 तक जिले के सभी लोकल काउंसिल सदस्यों तथा शाखाओं की बैठकों को पूरा कर जिला केंद्र को सूचित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी के लिए साथियों को तैयारी करने की निर्णय लिया गया।

### कोदवा पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

# केंद्र ने बंद की प्रधानमंत्री आवास की राशि तो हेमंत ने की अबुआ आवास योजना की शुरुआत : विधायक

PHOTON NEWS CHAIBASA : इन दिनों झारखंड सरकार की ओर से विभिन्न पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को सदर के टोंटो घघरी, हाटगम्हारिया के सिंदरीगौरी एवं टोंटो प्रखंड के कोदवा पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा उपस्थित हुए। जिनके हाथों से विधिवत दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक दीपक बिरुवा के हाथों विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

वितरण किया गया। वही विधायक ने कार्यक्रम में लगे विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

मौके पर विधायक ने कहा कि हमारा प्रयास है कि अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं को पहुंचाया जाए ताकि ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाय। झारखंड की हेमंत सरकार ने सरकारी योजनाओं तक जरूरतमंद लोगों की पहुंच आसान करने और अबुआ आवास योजना, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पेंशन योजना, जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न तरह के आवेदनों का मौके पर निपटारा करने के लिए 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' अभियान की शुरूआत की. यह अभियान एक माह तक चलेगी. उन्होंने कहा कि सहज एवं सरल रूप से योजनाओं की जानकारी आमजनों को मिले, इसलिए इस कार्यक्रम का आयोजन पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। जहां आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही उनकी शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है।

विधायक ने आम नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा कि पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों में पहुंच कर शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन देने की अपील की। ताकि तय समय पर उसका निष्पादन कर उन्हें सरकार की योजनाओं से आच्छादित किया जा सकें। विधायक ने कहा कि केंद्र सरकार ने पीएम आवास के लिए राशि देना बंद कर दिया है। हेमंत सोरेन की सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरूआत की है, ताकि कोई गरीब व्यक्ति आवास से वंचित न रहे।

कार्यक्रम के दौरान विधायक जी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को संवेदनशील होकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसकी प्रचार प्रसार को तेज करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित कराएं और योग्य लोगों को लाभ दिलाए। मौके पर घघरी में उप विकास आयुक्त संदीप बक्शी, बीडीओ अमिताभ भगत, सदर अंचलाधिकारी बुडाय सारू, सुनीता पूर्ति, उप प्रमुख प्रेम पूर्ति, कोंदवा में बीडीओ ललित भगत, जिप सदस्य राज नारायण तुबिद, मुखिया ललित होनहागा एवं सिंदरीगौरी में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी लिली लकड़ा, जिप सदस्य प्रमिला पिंगुवा, प्रखंड 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति अध्यक्ष बलवंत गोप, बीडीओ मलय कुमार, सीओ नवीन चंद्र झा, मुखिया जयश्री कुंकल, लक्ष्मी सामड, जय प्रकाश लागुरी, अनिता कोड़ा, रानी मेलगंडी, गोपाल हेंब्रम, चंद्र मोहन सिंकु, लादुरा लागुरी समेत अन्य मौजूद थे।

### आदिवासी क्लब की ओर से आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

# चाईबासा एफसी ने केपीएस झींकपानी को 1-0 से हराकर खिताब किया अपने नाम

PHOTON NEWS CHAIBASA : तिरिया सोहराय के अवसर पर आदिवासी क्लब बड़ा लुन्ती कुमारडुंगी की ओर से आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप में खरसावां विधायक दशरथ गागराई शामिल हुए। जबकि विशिष्ट अतिथि में मझगांव विधायक निरल पुरती शामिल थे। प्रतियोगिता के फाइनल में चाईबासा एफसी ने केपीएस झींकपानी को 1-0 से हरा कर खिताब अपने नाम किया। जबकि तीसरे स्थान में एडीएम साई गितिलपी रहे। वहीं महिला वर्ग में सुरमी एफसी ताड़ापाई ने बड़ाजामदा एफसी को 2-1 से हराया। जबकि 40 प्लस में बालियापोसी एफसी की टीम ने पेनाल्टी सुटआउट में मंझारी एफसी को हरा कर चैंपियन होने का गौरव प्राप्त किया। वहीं तीसरे

प्रतियोगिता की विजयी टीमें। ● फोटोन न्यूज

स्थान पर जग्गू एफसी इठर व चौथे स्थान पर मड़कमहातु एफसी की टीम रहे।

सभी विजेता टीमों को अतिथियों ने शील्ड, मेडल, नगद राशि पुरस्कार स्वरुप देकर सम्मानित किये। इस मौके पर विधायक दशरथ ने कहा कि खेल हो या रोजगार हर क्षेत्र में झारखंड सरकार युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने का मौका प्रदान कर रही है। ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है। छोटे-छोटे गांव में बड़े-बड़े फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र के छुपे हुए प्रतिभा को निकालना और निखारने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खेल के क्षेत्र में ही आधा दर्जन से अधिक योजना लेकर आई है। विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि झारखंड सरकार आपको पंचायत से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है । युवाओं को जिला और राज्य स्तर में बोर्डिंग स्कूल के माध्यम से खेल और पढ़ाई दोनों की सुविधा प्रदान कर रही है। जिससे आप अपने हुनर के साथ रोजगार को बढ़ा सकते हैं। आज के फाइनल मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने काफी बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है इसमें कई ऐसे खिलाड़ी दिखाई दिए जो राज्य और राष्ट्र स्तर पर नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं । बस उसे बेहतर कोच और आगे बढ़ाने के लिए रास्ता की जरूरत है। इस मौके पर शशि भूषण पिंगुवा, प्रमुख प्रियंका हेम्ब्रम, उप प्रमुख बुधराम हेम्ब्रम, दिनेश महतो, सुशील गोप, राजेश पिंगुवा, गोकुल पोलाई, श्याम पिंगुवा, गुलेश बेहरा, विभूति भूषण गोप, डुबराज पिंगुवा, लाल सिंह हेस्सा, मुजाहिद अहमद समेत अन्य मौजूद थे।

# संविधान गौरव पखवाड़ा में नेता प्रतिपक्ष ने हेमंत सरकार पर जमकर साधा निशाना

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान दिवस से लेकर संविधान निमार्ता 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस को समर्पित संविधान गौरव पखवाड़ा पूरे झारखंड के विभिन्न प्रमंडलों में आयोजित की जा रही है। ग्यारह दिवस इस कार्यक्रम के तहत मंगलवार को भाजपा अनुसूचित मोर्चा के तत्वावधान में कोल्हान स्तरीय संविधान गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम जमशेदपुर महानगर अंतर्गत जुगसलाई विधानसभा में सम्पन्न हुआ। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिमल बैठा की अध्यक्षता में परसुडीह मंडल के सोपोडेरा स्थित गांधी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमर कुमार बाउरी मुख्य रूप से शामिल हुए। इस दौरान भाजपा झारखंड प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी एवं भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव, मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजीत कालिंदी, जिला परिषद उपाध्यक्ष

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी का सम्मान करते भाजपाई। ● फोटोन न्यूज

पंकज सिन्हा भी मौजूद थे।

**आंखों में धूल झोंक रही हेमंत सरकार :अमर बाउरी**

जनसभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि पहले की सरकारों ने दलितों को सिर्फ वोट बैंक मानकर उनका इस्तेमाल किया परंतु भाजपा सरकार में दलितों के उत्थान के लिए जमीनी स्तर पर कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों के आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान के लिए सैकड़ों योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही सोच है जो आज बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया गया है। बाबा साहेब की जीवनी पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। वहीं, राज्य की हेमंत सरकार पर भी जमकर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार आदिवासी दलित एवं झारखंड की जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह से विफल रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को भी जनता की आंखों में धूल झोंकने वाला है। अमर बाउरी ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उत्थान व विकास के लिए जारी केंद्र की योजनाओं का हवाला देते हुए जोर दिया कि मोर्चा के कार्यकर्ता इसे सफल बनाएं।

# पुलिस अधिकारी की कार की टक्कर से दंपति घायल, अस्पताल में भर्ती

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला जेल रोड पर मंगलवार को एक रिजर्व पुलिस अधिकारी की कार दुर्घटना में एक दंपति और उनकी छोटी बेटी घायल हो गए। उन्हें राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे को लेकर घटनास्थल पर तनाव व्याप्त हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुस्साए लोगों ने टक्कर मरने वाले पुलिस अधिकारी की पिटाई कर दी। लोगों के हमला से पुलिस अधिकारी के सिर पर चोट लगी है, खबर मिलते ही रघुनाथपाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को शांत कराया तथा घायल पुलिसकर्मियों को बचाया।पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एक दंपत्ति और उनकी छोटी बेटी स्कूटर से जेल रोड होते हुए आईटीआई के पास शांति नगर इलाके में जा रहे थे। जेल के पिछले गेट के पास, एक रिजर्व पुलिस अधिकारी द्वारा संचालित कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। दंपती और उनकी बेटी स्कूटर समेत सड़क पर गिर गए। इस संबंध में रघुनाथपल्ली थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

# नगर कीर्तन में 80 हजार संगत ने पालकी साहिब के किए दर्शन, रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 554वें प्रकाश पर्व पर सोमवार को निकाले गए भव्य नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में सिख संगत समेत अन्य समुदाय के श्रद्धालु शामिल हुए। इसे सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह ने ऐतिहासिक बताया है। मंगलवार को बयान जारी करते हुए सरदार भगवान सिंह ने कहा कि इस बार सीजीपीसी ने नगर कीर्तन के आयोजन को लेकर कुछ नए प्रयोग किये थे, जो संगत के समर्थन और सहयोग से सफल भी रहे। ऐतिहासिक कहे जाने वाले बयान पर तर्क देते हुए सरदार भगवान सिंह ने कहा कि उन्होंने संगत से अपील की थी कि इस बार केवल दर्शक बन कर नहीं बल्कि पालकी साहिब के पीछे शोभायात्रा में शामिल हों, जिसे संगत ने स्वीकार करते हुए अधिकतर संख्या में पालकी साहिब के पीछे चलते हुए गुरु घर की खुशियां प्राप्त की। उन्होंने इस वर्ष होर्डिंग लगाने से परहेज करने वाली संगत और सेवा करने वाली अन्य संस्थाओं का भी धन्यवाद दिया।

सीजीपीसी के अध्यक्ष सरदार शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नगर कीर्तन इस लिहाज से भी ऐतिहासिक है क्योंकि उन्हें यकीन है कि पुरे कोल्हान से लगभग अस्सी हजार संगत ने नगर कीर्तन में शिरकत कर गुरु ग्रन्थ साहिब के आगे माथा टेका। महासचिव अमरजीत सिंह और गुरचरण सिंह बिल्ला ने कहा कि सीजीपीसी की ओर से जिस सदस्य को जो भी जिम्मेदारी दी गयी थी, उन्होंने उसे बखूबी निभाया। साथ ही साथ सिख नौजवान सभा के लड़कों ने काफी व्यवस्थित ढंग से पूरे नगर कीर्तन का ट्रैफिक कंट्रोल किया जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। सीजीपीसी ने स्त्री सत्संग सभा सहित सभी गुरद्वारा की प्रबंधक कमेटियों और अकाली दल का विशेष धन्यवाद किया जिनकी बदौलत वे नगर कीर्तन को सफलतापूर्वक आयोजित कर पाए। दूसरी ओर साकची गुरुद्वारा के प्रधान निशान सिंह और महासचिव परमजीत सिंह काले ने भी प्रकाश पर्व को ऐतिहासिक बताया। दोनों पदाधिकारियों ने बताया कि इस दफा साकची गुरुद्वारा साहिब में करीब सोलह हजार संगत ने माथा टेक गुरु का अटूट लंगर ग्रहण किया।

### एक्सएलआरआइ में हुआ इंटरनेशनल सीइओ कॉन्क्लेव, दिग्गजों ने कहा-

# क्लाइमेट चेंज से निबटने के लिए कार्बन उत्सर्जन को करना होगा कम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआइ में पीजीडीएम (जीएम) बैच के कम्यूनिकेशन क्लब ओरेशिया की ओर से इंटरनेशनल सीइओ कॉन्क्लेव अवेंसिस का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के साथ ही कई विदेशी कंपनियों के सीइओ ने हिस्सा लिया। कॉन्क्लेव की शुरूआत एक्सएलआरआइ के फाइनांस व एडमिनिस्ट्रेशन डीन फादर डोनाल्ड ने स्वागत भाषण से किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या वैश्विक स्तर पर है। इस समस्या से निबटने में कॉरपोरेट सेक्टर एक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। किस प्रकार इस समस्या से निबटा जा सके, इसके साथ ही आज के दौर में डेटा व इनोवेशन के इस्तेमाल से कैसे सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं, इस पर मंथन करने के लिए एक्सएलआरआइ की ओर से उक्त इंटरनेशनल सीइओ कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया. इस दौरान कॉन्क्लेव की थीम बियांड बाउंड्रीजः सस्टेन, इनोवेट एंड ट्रांसफॉर्म की भी लांचिंग की गयी. पहला पैनल यूएसएमसीए क्षेत्र पर केंद्रित किया गया था। जिसमें जलवायु नीति और कॉपोरेट लीडर्स के महत्वपूर्ण रोल का विश्लेषण किया। मौके पर विद्यार्थियों ने कई सवाल भी पूछे, जिसका सभी ने जवाब दिया।

कार्बन मूल्य निर्धारण के तहत, उत्सर्जकों से कार्बन डाइऑक्साइड के टन उत्सर्जन के लिए शुल्क वसूला जाता है। इसका मकसद, उन लोगों पर इन लागतों की जिम्मेदारी डालना है जो उत्सर्जन का उत्पादन करते हैं. इससे कंपनियों और देशों को अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन मिलता है।

## किसी भी कंपनी के लिए डेटा सबसे कारगर साधनः अभिषेक सिंह

दूसरे पैनल में एपीएसी में विनियामक परिदृश्य का विकासः सीईओ अनुपालन और शासन विषय पर एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। जिसमें सिंगापुर में फ्रेश आइडियाज के सीइओ चार्ल्स मैनुअल, ऑस्ट्रेलिया के ग्रेटर मेलबर्न सेंटेलोन के सीइओ अजीत स्टीफन, ग्रेटर सिडनी में लेक्स टेक्नोलॉजीज के सीईओ अनत सहाय और इंडोनेशिया के सॉविटप्रो के सीईओ अभिषेक सिंह शामिल हुए। इस दौरान सभी ने विभिन्न प्रकार की जटिलताओं का विश्लेषण किया। एपीएसी कारोबारी माहौल में अनुपालन की चुनौतियों से निपटने से संबंधित चचाएं की गयी। चार्ल्स मैनुअल ने स्थिरता-संचालित नियमों और निर्णायक के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर जोर दिया साथ ही उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने में डेटा की भूमिका को काफी महत्वपूर्ण बताया। जबकि अजीत स्टीफन ने बदलते नियामक परिदृष्य में बढ़ती जटिलता पर प्रकाश डालते हुए उसके अनुपालन और चुनौतियों पर बल दिया। अभिषेक सिंह ने आज के दौर में डेटा को किसी भी कंपनी के लिए सबसे कारगर साधन बताया। इस दौरान व्यावसायिक अनिवार्यता के रूप में स्थिरता का महत्व, प्लास्टिक को कम करना और गोदामों को नवीकरणीय स्त्रोतों से बिजली देने के संबंधित सभी ने निर्णय लिए।

## जलवायु परिवर्तन से निपटने का एक ही उपाय कार्बन उत्सर्जन को कम करना : सुमीत

पहले पैनल में मॉडरेटर की भूमिका मौके पर एक्सएलआरआई के प्रोफेसर फादर कुरुविला जोसेफ पांडिकट्टू एसजे ने निभायी। इस पैनल में कैनेडियन एविएशन पार्टनर्स के सीईओ सह प्रेसिडेंट माइकल रोडिनियुक, बाइसेल्वा के संस्थापक सह सीइओ माइकल कोह और वर्क्स फ्रॉम न्यूयॉर्क के सह संस्थापक सह सीइओ सुमीत सलवान मौजूद थे। सभी ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने से जुड़ी अपनी बातों को प्रस्तुत करते हुए वैश्विक स्तर पर कार्बन मूल्य निर्धारण को बढ़ावा देने की बात कही। कहा कि यह जलवायु परिवर्तन से निपटने का एक तरीका है। यह एक जलवायु नीति दृष्टिकोण है, जिसका उपयोग दुनिया भर के कई देशों और उपराष्ट्रीय न्यायालयों में किया जाता है। कार्बन मूल्य निर्धारण का मकसद, उत्सर्जन की लागत को उत्सर्जकों पर डालना है।

## स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोले चिराग

# पार्टी से निकलवाने की साजिश रची गई, लेकिन मैं टूटा नहीं

**पटना:** दिवंगत नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की बनाई हुई लोक जनशक्ति पार्टी ने आज अपने 23 साल का सफर पूरा कर लिया है। चाचा-भतीजा के बीच हुए बंटवारे के बावजूद पार्टी अब अपने स्थापना के 24वें साल में प्रवेश कर रही है। जमुई सांसद और लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस मौके पर उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को चिराग पासवान से नफरत है। क्योंकि, चिराग 14 करोड़ बिहारियों की बात करता है, युवाओं की बात करता है। उनके शिक्षा और रोजगार के लिए बात करता है। चिराग को खत्म करने के लिए साजिश रची गई। परिवार से अलग कराया गया। पार्टी से निकलवाने की साजिश रची गई। फिर दिल्ली में घर से बाहर निकलवाया गया। पर इन सब के बाद सब भूल गए कि चिराग शेर का बेटा है। मैं डरता किसी से नहीं हूं और ना ही मैं टूटा हूं।

मेरे पिता अंतिम सांस तक काम कर रहे थे। हॉस्पिटल जाने की जगह वो लॉकडाउन में लोगों को राशन उपलब्ध कराने के लिए घर से काम कर रहे थे। उनकी सोच की देन है कि आज 81 करोड़ लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है। सबसे पहले रामविलास

पासवान ने ही महिला आरक्षण की मांग की थी। जिसे नरेंद्र मोदी की सरकार ने पास किया। जबकि, जो लोग लंबे वक्त तक सरकार में शामिल थे, वो बिल को लटकाए रखे। उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर नहीं दिया।

चिराग ने आगे कहा कि नीतीश कुमार 19 साल से मुख्यमंत्री हैं। पर 20 साल से कोई चुनाव नहीं लड़े हैं। वो 5 ऐसे काम बता दें, जो बिहार के लोगों के विकास लिए किया हो। जबकि, आज भी लोग बिहार से बाहर जाकर काम कर कर रहे हैं। कोटा में पढ़ रहे हैं और पढ़ने जा रहे हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, क्या भागलपुर एजुकेशन हब नहीं बन सकता है? अपने आप को इंजीनियर बताते हैं मुख्यमंत्री। वो बताएं कि उन्होंने कितने साल में डिग्री हासिल की थी।दोष बिहार के भूगोल में नहीं, बल्कि आपकी नियत में है। बिहार के युवा शक्ति हैं। 65 प्रतिशत युवा की आयु 35 साल से कम है और इन्हें बांटा जा रहा है। नीतीश कुमार को बिहार के विकास के लिए चुना गया था। पर वो छुट्टियों में लोगों को उलझाए हुए हैं। प्रमोशन में रिजर्वेशन को भी उन्होंने रोक रखा है।शराबबंदी कानून बिहारियों की हत्या कर रही है। गरीब लोग मर रहे हैं। विधानसभा में क्या बोले थे कि जो पिएगा वो मरेगा। सवाल ये है कि क्या कभी आप मिलने गए उनके परिवार के लोगों से। पटना में हर दिन एक हत्या हो रही है। बिहार को शराब और बालू माफिया ही चला रहे हैं। सरकार उन्हें संरक्षण दे रही है।अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन सकता है तो सीतामढ़ी में मां सीता का मंदिर क्यों नहीं बन सकता है? जिस दिन बिहार फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट का विजन पहुंच गया तो उस दिन बिहार में हमारी सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता है। इसके लिए सभी को चिराग पासवान बनना होगा। वहीं, केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोजपा प्रमुख पशुपति कुमार पारस हाजीपुर में नेताओं और कार्यकताओं के साथ जुट रहे हैं। लोजपा के स्थापना दिवस के बहाने दोनों ही अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। क्योंकि, चंद महीनों में ही लोकसभा का चुनाव होना है।

## संक्षिप्त डायरी

### शहर में जगह-जगह कूड़े का अंबार

**समस्तीपुर।** में समान काम के लिए समान वेतन, पेंशन नीति लागू करने, ठेकेदारी प्रथा को खत्म करने समेत 7 सूत्री मांगों को लेकर बिहार राज्य स्थानीय नगर निकाय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले निगम कर्मियों की हड़ताल आज दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान नगर निगम के कर्मियों ने शहर में झाड़ू लेकर जुलूस निकाला। जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करती हुई, नगर निगम कार्यालय पहुंची। जहां लोगों ने निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष राजकुमार राम ने कहा कि पिछले चार दिनों से कर्मचारी अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बावजूद प्रशासन द्वारा बार-बार वार्ता को लेकर दिए गए समय के बावजूद वार्ता नहीं किया जा रहा है। अगले दो दिनों तक लोगों ने सांकेतिक रूप से धरना कार्यक्रम का आयोजन किया था । पिछले दो दिनों से लोग कार्य बहिष्कार पर हैं । बावजूद प्रशासन सोई हुई है। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों की सभी मांगों को पूरा नहीं कर लिया जाता तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

### महिला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

**पूर्णिया :** में बच्चे रखने की विवाद के कारण एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला की मौत पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। सोमवार देर रात्रि के नगर घटना क्षेत्र के काझा काली स्थान के पास की हैं। जहां पति पत्नी में बच्चे रखने की विवाद में महिला ने फांसी लगा ली।फांसी लगाने के बाद महिला को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच लाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक महिला की पहचान काझा कलिस्थान निवासी दिगम्बर कुमार की पत्नी ज्योति कुमारी के रूप में की गई हैं। घटना के संबंध में पति दिगम्बर कुमार ने कहा कि सोमवार को शाम में बच्चा रखने को लेकर दोनों में हल्ला विवाद हुआ था। गुस्सा में ज्योति ने फांसी लगाकर ली। फांसी फंदे से उतारकर इलाज के पूर्णिया जीएमसीएच लाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं पूर्णिया जीएमसीएच के डॉक्टर ने भी जांच के दौरान मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस घटना से पहुंच कर लाश को अपने कब्जे में ले लिया। नगर थाना पुलिस ने बताया कि एक महिला की आत्महत्या की सूचना मिली है। किसी प्रकार का कोई आवेदन नहीं दिया गया है आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### पेट्रोल पंप कर्मी से लूट कांड का खुलासा

**मोतिहारी:** के घोड़ासहन थाना क्षेत्र में तीन दिन पहले हुए पंप कर्मी से लूट कांड का पुलिस ने महज 48 घंटे के अदर उद्भेदन करते हुए लूट के रुपए और बाइक के साथ 03 अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान जितना थाना के सन्नी कुमार, घोड़ासहन थाना क्षेत्र के विरंजन कुमार और मोहित कुमार के रूप। एसपी कांतेश मिश्रा ने बताया कि 25 नवंबर की रात बाइक सावर अज्ञात अपराधियों ने घोड़ासहन थाना क्षेत्र में कॉलेज मोड़ के पास पेट्रोल पम्प कर्मी से 2 लाख 26 हजार रुपए एवं बाइक लूट लिया था। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार के नेतृत्व में टीम बना कर छापेमारी शुरू की गई। इस दौरान घटना के महज 48 घंटे के अंदर लूट में शामिल तीन अपराधियों को लूट की बाइक एवं 92 हजार रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में अपराधियों ने बताया कि लूट में पांच लोग शामिल थे, जिसमें दो की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। बाकी लूट का पैसा इसी के पास है। अन्य लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी हैं। महज 48 घंटे में लूट की घटना को सफल उद्भेदन करने वाले टीम में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारी के कर्मी को पुरस्कृत किया जाएगा। छापेमारी टीम में एसडीपीओ अशोक कुमार, घोड़ासहन थानाध्यक्ष संतोष शर्मा, अभय कुमार, सतेंद्र कुमार आदि शामिल थे।

### झुलसे बंदर को रिक्शे से अस्पताल लेकर पहुंचा युवक

**भोजपुर :** में बिजली के खंभे से उतरने के दौरान एक बंदर को करंट लग गया। करंट लगने की वजह से बंदर झुलस गया और जमीन पर गिरकर छटपटाने लगा। रास्ते से गुजरने वाले किसी शख्स ने बंदर की मदद नहीं की। वहीं लोगों की भीड़ में खड़ा एक युवक चंदन ने तुरंत रिक्शा निकाला और घायल बंदर को अस्पताल के लिए लेकर निकला। पूरा मामला शहर के नवादा थाना क्षेत्र के हाता मोहल्ले का है। हालांकि आरा सदर अस्पताल में बंदर का इलाज नहीं किया गया। उसे पशुपालन विभाग में भेज दिया गया, लेकिन चंदन ने पहले निजी क्लीनिक में बंदर का प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद चंदन उसे पशुपालन विभाग के अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां उसका इलाज जारी है।

### पूछताछ की तो कर दी फायरिंग

**मुजफ्फरपुर :** पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसने शुरू कर दिया है। हत्या, लूट और छिनतई जैसे संगीन मामलों में फरार चल रहे 14 शातिरों के खिलाफ इनाम की घोषणा की गई है। इनाम की घोषणा एसएसपी राकेश कुमार के द्वारा की गई है। शहरी क्षेत्र से प्राप्त सक्रिय टॉप टेन बदमाशों की सूची तैयार कर इनाम प्रस्ताव के लिए वरीय अधिकारियों को चेक दिया गया है। बता दें कि शहरी क्षेत्र में बनाई गई सूची में चुन्नू ठाकुर, अरविंद राय, ओंकार, आजाद ठाकुर समेत अन्य बदमाश शामिल हैं। इस सभी पर 25 हजार से ज्यादा का इनाम घोषित किया जाएगा। इसके लिए आई जी के अस्तर से पुलिस मुख्यालय प्रस्ताव भेजने की कवायद की जा रहे है।ASP टाउन अवधेश दीक्षित के द्वारा शहरी क्षेत्र में सक्रिय और फरार बदमाशो की सूची वरीय पुलिस अधिकारियों को भेज दिया गया है। इसके बाद अब वरीय अधिकारियों के द्वारा इनाम की घोषणा की जाएगी। बता दे कि एसएसपी के अस्तर से इनाम की घोषणा की जाती है। एसएसपी के द्वारा 25 हजार रुपया की इनाम की घोषणा की जाती है। इसके बाद आईजी के स्तर से 50 हजार रुपए की इनाम की घोषणा की जाती है। 50 हजार या उससे ज्यादा रकम की इनाम की घोषणा पुलिस मुख्यालय के द्वारा की जाती है। एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पूर्वी इलाके के 14 बामदशो के खिलाफ 25- 25 हजार रुपया की इनाम की घोषणा की गई है। अगर बदमाश गिरफ्तार नही होते है, तो इनाम की रकम बढ़ाई जा सकती है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया भी की जाएगी।

### श्रम विभाग और चाइल्ड लाइन ने की कार्रवाई

**मुजफ्फरपुर :** रेलवे में भीड़ का फायदा उठाकर तस्करों ने मानव तस्करी का खेल शुरू कर दिया है। इस बात का खुलासा श्रमविभाग, चाइल्डलाइन और रेल पुलिस की संयुक्त छापेमारी में हुआ है। इस क्रम में मुजफ्फरपुर से यशवंतपुर जाने वाली स्पेशल रेलगाड़ी के जनरल बोगी से तीन नाबालिग बच्चों को मुक्त कराया गया। छापेमारी के क्रम में एक मानव तस्कर को भी रेल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर मानव तस्करी की सूचना मिलने पर श्रम प्रवर्तन विभाग और रेल पुलिस की छापेमारी में पश्चिम चंपारण से बंगलोर ले जाए जा रहे तीन नाबालिग बच्चों को मुजफ्फरपुर यशवंतपुर स्पेशल ट्रेन से बरामद किया गया। जहां ट्रेन से बरामद तीनों नाबालिग को चाइल्डलाइन को सौप दिया गया। वही इस मामले में गिरफ्तार मानव तस्कर के विरुद्ध राजकीय रेल थाना मुजफ्फरपुर में एक प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है। इस कारवाई के संबंध में जानकारी देते हुए रेल थाना मुजफ्फरपुर के थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया की गिरफ्तार मानव तस्कर से पूछताछ कर उसके नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। गिरफ्तार मानव तस्कर अपने गांव से ही तीन बच्चों को मजदूरी कराने के लिए चेन्नई ले जा रहा था।

### ओपीडी खुला तो मरीजों की भीड़ लग गयी

**भागलपुर :** मायागंज व सदर अस्पताल की ओपीडी में सोमवार को संडे की छुट्टी के बाद ओपीडी खुला तो मरीजों की भीड़ लग गयी। रजिस्ट्रेशन काउंटर, डॉक्टरों चेंबर व दवा काउंटर पर मरीजों की कतार लगी रही। कई बार धक्कामुक्की की स्थिति भी बन गयी। सदर अस्पताल में तो दवा काउंटर पर आगे बढ़ने की होड़ में महिलाओं के बीच कहासुनी भी हो हुई। उन्हें समझा-बुझाकर उन्हें शांत कराया गया। सदर अस्पताल में दवा काउंटर पर जाने के लिए वेटिंग हॉल भी बनाया गया है पर मायागंज में इसकी सुविधा नहीं है। वहां 2247 मरीजों का रजिस्ट्रेशन हुआ, इस वजह से ज्यादा परेशानी हुई। सदर अस्पताल में 1010 मरीजों का इलाज हुआ। जबकि यहां पहले चार से पांच सौ मरीजों का ही रोज इलाज होता था। जबसे यहां एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सिटी स्कैन व ईसीजी जांच की सुविधा बहाल हुई है, मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन डॉक्टरों की कमी के चलते मरीजों का स्तरीय इलाज नहीं हो पाता है। सिविल सर्जन डॉ. अंजना कुमारी का कहना है कि डॉक्टर की कमी के बारे में सरकार को अवगत कराया है। अभी जितने संसाधन हैं, उससे बेहतर सेवा देने का प्रयास कर रहे हैं।

### रास्ते के विवाद में मारी गोली

**भागलपुर:** जिले के सजौर के चंद्रमा गांव के पास रास्ते को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। युवक ट्रैक्टर पर धान की फसल लेकर लौट रहा था। युवक को गांव के ही एक व्यक्ति ने गोली मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मायागंज अस्पताल ले जाया गया है। युवक की पहचान दरियापुर नगार गांव के विजय यादव (35) के रूप में हुई है। बहियार से धान की फसल लेकर लौट रहा था। तभी चंद्रमा गांव के पास अभय सिंह के परिवार वालों ने सड़क को आम रास्ता नहीं होने का हवाला देकर उसके ट्रैक्टर को रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। इसी बीच बात बढ़ने पर गोलीबारी की घटना हुई। गोली युवक के सिर के आसपास लगी है घटना में विजय नामक युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची सजौर पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की। वहीं, घायल युवक के भाई हीरा लाल यादव ने बताया कि चंद्रमा गांव में अभय सिंह का परिवार दबंग है। वह मेरे भाई से रंगदारी की मांग कर रहा था। इधर, यूनिट इंचार्ज डॉ. सीएम सिन्हा ने बताया कि मरीज के सिर में गोली लगने की बात कहकर भर्ती कराया गया है। हमारी टीम ने इलाज किया है। हालांकि गोली उसके सिर को छूकर निकली है। मरीज की हालत खतरे से बाहर है। सर्जरी विभाग में मरीज को भर्ती कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

## करंट लगने से तोड़ा दम

# सिमरिया घाट पर मजदूर की गई जान

**बेगूसरायः** के सिमरिया घाट पर सीढ़ी निर्माण में कार्य कर रहे एक मजदूर की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। इस मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहां पर काम कर रहे मजदूरों में हड़कंप मचा हुआ है। घटना चकिया थाना क्षेत्र के सिमरिया गंगा घाट की है। मृतक मजदूर की पहचान दरभंगा जिले बहादुरपुर थाना क्षेत्र के एकंमि घाट अझौल गांव के रहने वाले प्रेमलाल पासवान का पुत्र धर्मेंद्र कुमार पासवान के रूप में की गई है।

**कई महीनों से गंगा घाट पर बनाई जा रही सीढ़ी**

पिछले कई महीने से बिहार सरकार के द्वारा सिमरिया गंगा घाट पर सीढ़ी बनाने का निर्माण कार्य चल रहा है। धर्मवीर पासवान भी उसी सीढ़ी निर्माण काम में लगे थे और अचानक वह करंट के चपेट में आ

गए जिससे धर्मेंद्र पासवान बेहोश होकर गिर गए।

वहां पर कम कर रहे मजदूर आनन फानन में उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल है जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दौरान मजदूर राम विनय पासवान ने बताया है कि कार्तिक पूर्णिमा को लेकर दिन में काम बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि दिन में काम नहीं होने के कारण फिर से मजदूर सभी लोग रात में सीढ़ी बनाने का काम शुरू कर दिया।

**वाइब्रेटर मशीन चल रही थी**

सीडी बनाने के दौरान ही धर्मेंद्र पासवान वाइब्रेटर मशीन चल रही थी। इससे अचानक उस वाइब्रेटर मशीन से करंट आने लगा। उसे करंट के चपेट में धर्मेंद्र पासवान आ गया। अचानक सीढ़ी पर ही धर्मेंद्र पासवान बेहोश होकर गिर गया। वहां पर मौजूद मजदूर धर्मेंद्र पासवान को बेहोश होकर गिरते देखकर सभी मजदूर काम कर छोड़ उसके पास दौरा। और बेहोशी की हालत में धर्मेंद्र पासवान को उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल लाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं मजदूर राम विनय कुमार ने यह भी बताया है कि मृतक धर्मेंद्र पासवान बहुत गरीब है और सरकार से मांग करते हैं कि इसके परिवार को उचित तरीके से मुआवजा दे दिया जाए ताकि उसके परिवार को भरण पोषण हो सके। फिलहाल इस घटना की सूचना मजदूर के द्वारा चकिया थाना पुलिस को दी।

# 30 को विकसित भारत संकल्प यात्रा

**किशनगंज (बिहार):** भारत सरकार का कार्यक्रम विकसित भारत संकल्प यात्रा 15 नवंबर से 26 जनवरी तक निर्धारित है । इसमें केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जनहित में चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में आम जनमानस को जागरूक किया जाएगा साथ ही सुझाव प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावा आम जनमानस का अनुभव प्राप्त करना है।उक्त जानकारी डीपीआरओ रंजीत कुमार ने दी है।उन्होंने कहा कि इसमें रथ के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला स्तरीय टीम, प्रखण्ड स्तरीय टीम , पंचायत स्तरीय टीम का गठन

किया गया है। प्रत्येक प्रखण्ड में तीन नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम से संबंधित सम्पूर्ण गतिविधियां भारत सरकार द्वारा बनाये गये पोर्टल पर लगातार अपडेट किया जायेगा। इसमें पीएमजीवाई , प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, आवास योजना, उज्जवला योजना,प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, जन - धन योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणम, नैनो फर्टिलाइजेशन प्रोमोशन व अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। विशेष प्रचार रथ में एलईडी एवम अन्य प्रबंध किए गए हैं। पंचायत में यह रथ जाकर प्रचार करेगी। प्रचार वाहन का प्रत्येक दिन दो पंचायत भ्रमण का रोस्टर बना हुआ है।सर्वप्रथम किशनगंज प्रखंड से यात्रा की शुरूआत होगी।प्रथम पाली में किशनगंज के बेलवा पंचायत से 30 नवम्बर से रथ यात्रा की शुरूआत होगी तथा दोपहर बाद सिंघिया कुलामनी पंचायत में कार्यक्रम निर्धारित है।

# डीजल वाला फल खाकर 5 बच्चे बीमार, 4 गंभीर

**जमुई:** में सोमवार को जेट्रोफा का फल खाने से एक ही परिवार के पांच बच्चे बीमार हो गए। पांचों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां चार की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना टाउन थाना क्षेत्र के नवीनगर गांव की है।सभी बच्चे एक ही परिवार केबताया जाता है कि सभी बच्चे अपने ननिहाल आए थे और खेलने के दौरान सभी ने एक साथ जेट्रोफा फल खा लिया। बता दें कि इससे डीजल निकलता है। फल खाने के बाद पांचों की तबीयत बिगड़ गई। फिलहाल एक बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। बीमार बच्चे के परिजन सुनील दास, चंदन दास ने बताया कि सभी बच्चे एक साथ घर के पास नबीनगर में खेल रहे थे। सड़क किनारे लगे

पेड़ से जेट्रोफा तोड़ लिया और उसे फल समझ कर खा लिया। चार को उल्टी और चक्कर आने लगे जिसके बाद परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. नेहा सिंह ने बताया कि जहरीला फल होने के कारण बच्चों की हालत बिगड़ी है। फिलहाल चार की हालत गंभीर बनी हुई है जिसका इलाज किया जा रहा है। वेट एंड वॉच पर रखा गया है। स्थिति को देखते हुए सभी को पटना रेफर किया जा सकता है। टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी ने बताया कि डीजल के पेड़ के फल खाने के बाद कुछ बच्चे की बीमार होने की जानकारी मिली थी। पूरे मामले की जांच की जा रही है। घायल बच्चे की पहचान लखीसराय के सिंघोल गांव निवासी अशोक दास के बेटे निरंजन उर्फ रामकुमार, लक्ष्मण कुमार, रंजन कुमार, मिथुन दास की बेटी अमृता कुमारी के रूप में हुई है।

## बंटाधार की सरकार नहीं सहेगा बिहार-अश्विनी चौबे

# हिंदी त्योहारों की छुट्टी वाले कैलेंडर पर सियासत

**बक्सर:** बिहार के शिक्षा विभाग द्वारा जैसे ही 2024 का छुट्टी का कैलेंडर जारी किया गया, उसके बाद से ही सियासत भी तेज हो गई है। बक्सर के सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये बंटाधार वाली सरकार को बिहार नहीं सहेगा। मुस्लिम परस्त नीतीश-तेजस्वी की सरकार ने कई पवित्र हिंदू त्योहारों की छुट्टियां स्कूलों से खत्म कर दी है। सनातन पर यह

सुनियोजित हमला बर्दाश्त नहीं होगा। सोमवार को उन्होंने एक्स पर भी ट्वीट कर निशाना साधा है। वीडियो जारी करते हुए कहा है कि नीतीश बाबू , बिहार की जनता आपके तुष्टिकरण के खेल को बखूबी समझ रही है।

कहा कि तुष्टीकरण के सरदार बिहार के कुर्सी कुमार का एक बार फिर चाचा भतीजे की सरकार का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आ गया है। एक तरफ जहां मुस्लिम पर्व की छुट्टियां बढ़ाई जा रही है तो वहीं हिंदू पर्व की छुट्टियां कम की जा रही है।

आगे कहा कि वोट बैंक के लिए ऐसे हिंदू और सनातन धर्म के साथ खिलवाड़ करने वालों पर लानत है।बता दें कि बिहार के शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को छुट्टियां का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। इसमें ईद, बकरीद, मोहर्रम की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। वहीं दूसरी तरफ दशहरा ,दीपावली और छठ की छुट्टियां को घटा दिया गया है। वहीं कई हिंदू पर्व की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इसे लेकर विपक्ष को सरकार को घेरने का मौका मिला गया है।

# अलगाववाद के खिलाफ

अलगाववादियों का दुस्साहस अमेरिका में भी बढ़ता जा रहा है, तो इससे न सिर्फ चिंता होती है, यथोचित कार्रवाई की जरूरत भी शिद्दत से महसूस होती है। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू को न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में हिक्सविले गुरुद्वारे में खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने घेर लिया। संधू गुरुपर्व के मौके पर गुरुद्वारे में मत्था टेकने गए थे। एक राजदूत को इस प्रकार से घेरा जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। अलगाववादियों ने शर्मनाक व्यवहार करते हुए उन्हें आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भी जिम्मेदार ठहरा दिया। कनाडा सरकार ने निज्जर की हत्या के लिए भारत की ओर उंगली उठाई थी, पर अभी तक उसने सुबूत नहीं पेश किया है, मगर अलगाववादियों का छोटा समूह है, जो निज्जर को आतंकी नहीं मानता और उसकी हत्या के लिए भारत को गलत ढंग से दोषी ठहराता है। इनका विश्वास न कनाडा सरकार की जांच पर है और न भारत सरकार पर। नतीजतन, यह समूह जगह-जगह भारतीय दूतावास के काम में दखल देने लगा है। अमेरिका में भारतीय राजदूत को घेरने की कोशिश को गंभीरता से लेना चाहिए। बिना प्रमाण के भारत सरकार को जिम्मेदार ठहराने की यह साजिश हर सूरत में नाकाम होनी चाहिए। वास्तव में,भारत सरकार इन अलगाववादियों को ज्यादा तरजीह नहीं दे रही है, इसलिए भी इनकी खीज दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे समूह अपनी गलत हरकतों या बेबुनियाद नफरत की वजह से धीरे-धीरे स्वयं ही कमजोर होते चले जाएंगे। जिनको सिख धर्म का इतिहास और भूगोल ढंग से नहीं पता, वे ही ऐसी कोरी कल्पनाओं में जी सकते हैं। सिख और हिंदू किसी सुंदर माला की तरह परस्पर ऐसे गूंथे हुए हैं कि उन्हें अलग करने की कोई भी साजिश सिवाय मूर्खता के और कुछ नहीं हो सकती। साथ ही, खालिस्तान के पूरे आंदोलन के पीछे पाकिस्तानी साजिश कई दफा सरेआम बेनकाब हो चुकी है, फिर भी चंद अलगावादी धर्म के नाम पर नफरत की सेवा में डूबे हुए हैं। भारतीय पक्ष पूरे संयम के साथ व्यवहार कर रहा है। प्रशंसा की बात है, भारतीय राजदूत ने तो अपने साथ किसी भी तरह की धक्का-मुक्की का जिक्र तक नहीं किया और कहा कि ह्यसंगत में शामिल होने का सौभाग्य मिला, कीर्तन सुना और गुरु नानक देव के एकजुटता के शाश्वत संदेश पर बात की।ह्न बेशक, किसी को भी यह नहीं भूलना चाहिए, गुरु नानक देव जी का जीवन देश-दुनिया-समाज को परस्पर जोड़ने और सद्आचरण का संदेश देने में ही बीता था। सिख गुरुओं का नाम लेने वाले जो कुछ लोग भटक गए हैं, उन्हें रास्ते पर लाने के लिए अनेक मोर्चों पर शालीनता के साथ संघर्ष करने की जरूरत है। हम देख चुके हैं, ऐसी अफसोसनाक घटनाएं अमेरिका से ज्यादा ऑस्ट्रेलिया में, ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा ब्रिटेन में और ब्रिटेन से ज्यादा कनाडा में हो रही हैं। कनाडा में तो अब ऐसे अलगाववादी तत्वों के विरुद्ध भी बड़े प्रदर्शन होने लगे हैं। ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में बीते रविवार को लक्ष्मी नारायण मंदिर में उच्चायोग के शिविर का विरोध करने आए खालिस्तान समर्थक तत्वों को ईंट का जवाब पत्थर से दिया गया है।

# करीबी लड़ाई

शनिवार को राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव में लगभग तीन-चौथाई पंजीकृत मतदाताओं ने वोट डाला। यह 2018 के चुनाव से थोड़ा-सा ज्यादा है और 2013 के लगभग बराबर है। सीकर में पथराव जैसी हिंसा की छिटपुट छोटी-मोटी घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान का दिन शांतिपूर्वक गुजरा। राज्य में चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में जबरदस्त जोशो-खरोश देखने को मिला। इस दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा ने बार-बार एक-दूसरे के खिलाफ आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें कीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के प्रचार युद्ध के अंतिम चरण की अगुवाई की और गुज्जरों में गुस्से व असंतोष को जमकर हवा दी। वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जगह लेने के लिए नाकाम बगावत करने वाले सचिन पायलट को हाशिए पर धकेले जाने से गुज्जर कथित तौर पर कांग्रेस से नाराज हैं। मोदी ने कहा कि पायलट के साथ पार्टी का व्यवहार गुज्जरों के अपमान के बराबर है। मोदी की ओर से इस तरह के हमले का अंदाजा लगाते हुए, गहलोत और पायलट ने प्रचार के आखिरी दिनों में करीबी एकजुटता दिखायी। कांग्रेस के खिलाफ गुज्जरों में नाराजगी रोकने की कोशिश में, उनके द्वारा पूरी मशक्कत से किया गया एकता का प्रदर्शन फलदायी होगा या नहीं, यह 3 दिसंबर को पता चलेगा जब वोटों की गिनती की जायेगी। गहलोत के तरकश के तीरों में उनका कल्याणकारी राज (जिसका मुख्य आकर्षण सभी के लिए 50 लाख के स्वास्थ्य बीमा का वादा है); राजस्थानी क्षेत्रीय पहचान पर उनका जोर; और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द का उनका आह्वान शामिल था। प्रचार के आखिरी दिन गहलोत ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल की तस्वीर बदलकर राजस्थान के नक्शे को अपने सीने से लगाये हुए तस्वीर लगायी। यह राज्य की भाषा व संस्कृति की अहमियत को रेखांकित करता है। उनके मुताबिक, मानव गतिविधि के सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकरूपता बढ़ाने वाली भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति का दबदबा बढ़ने से राजस्थान की भाषा-संस्कृति को खतरा है। गहलोत ने हर चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी को हराने की आदत वाले इस राज्य के चुनावी पैटर्न को तोड़ने की कोशिश की है। भाजपा ने इस राज्य के इस चुनावी पैटर्न के लाभ के साथ अपनी शुरूआत की, और अपनी बढ़त के लिए जाति और धर्म के पत्ते चले।

# कुटुंब प्रबोधन का प्रेरक श्रीराम परिवार

ANALYSIS

शिवेश प्रताप

**मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानी मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छुपी संभावना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं हैं। पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में राम ने अपने आचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे। मानव उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे जो शाश्वत हो, जो मनुष्य और समाज के लिए हमेशा उपयोगी और ऊंचा उठाने वाले हों। उदाहरण के लिए परिवार को ही लें, राम में परिवार के अनुशासन, सबके प्रति विश्वास, एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है। इन मूल्यों का निर्वाह रामचरित के हर प्रसंग में होता दिखाई देता है। क्षण भर में राजमुकुट धारण कर राजा राम बनने वाले वनवासी राम बनने हेतु बल्कल वस्त्र पहन लेते हैं और पिता के वचनों एवं माता कैकेयी के प्राप्त वरदान हेतु वन जाने हेतु निकल जाते हैं।**

रामचरितमानस एक ओर राम का जीवन चरित्र व मनुष्य जाति के अनुभवों का उत्कट निचोड़ है तो दूसरी ओर यह 'नाना पुराण निगमागम सम्मतं यद्' होकर सनातन धर्म के सभी मानक ग्रंथों के अर्क स्वरूप भी है, जिसे मानस के अंत में 'छहों शास्त्र सब ग्रन्थन को रस' कह कर दोबारा पुष्ट कर दिया गया है। मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानी मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छुपी संभावना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं हैं। पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में राम ने अपने आचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे। मानव उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे जो शाश्वत हो, जो मनुष्य और समाज के लिए हमेशा उपयोगी और ऊंचा उठाने वाले हों। उदाहरण के लिए परिवार को ही लें, राम में परिवार के अनुशासन, सबके प्रति विश्वास, एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है। इन मूल्यों का निर्वाह रामचरित के हर प्रसंग में होता दिखाई देता है। क्षण भर में राजमुकुट धारण कर राजा राम बनने वाले वनवासी राम बनने हेतु बल्कल वस्त्र पहन लेते हैं और पिता के वचनों एवं माता कैकेयी के प्राप्त वरदान हेतु वन जाने हेतु निकल जाते हैं। व्यक्तिगत जीवन में राम ने एक ओर मयार्दाओं की प्रतिष्ठा की तो दूसरी ओर उन्होंने जहां जरूरी समझा, वहां मान्यताओं में दखल भी दिया। शूर्पणखा का अंग-भंग, अहिल्या को पुनर्जीवन और प्रतिष्ठा, एक पत्नीव्रत, बाली उद्धार, शबरी उद्धार, विभीषण को लंका का राज दे देना आदि कई प्रसंग हैं, जिनमें वह परंपरा से हटकर काम करते हैं। यह सब करते हुए वह धर्म-मयार्दा की स्थापना ही कर रहे होते हैं क्योंकि मयार्दा की स्थापना ही धर्म की शाश्वतता को बनाये रखती है। यदि यज्ञाग्नि भी मयार्दा का उल्लंघन करे तो उसे जल के द्वारा नियंत्रित करने का विधान धर्म का ही है। यदि इन कामों को पारिवारिक और सांस्थानिक रचनाओं के भरोसे छोड़ा जाता तो संभवतः पंचायतें, न्यायालय, दंडाधिकारी और समितियों को उन नतीजों पर पहुंचने में वर्षों लग जाते और न्याय की प्रक्रिया संपन्न होते- होते वह अर्थहीन व अनुपयोगी हो जाते। टूटते संयुक्त परिवारों का सहाराः इन दिनों परिवार का ढांचा बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। कई जगह तो नौकरी के कारण पति-पत्नी और बच्चों के लिए भी अलग तरह से सोचना और व्यवस्था बनानी पड़ रही है। ऐसे में जब कि ज्ञान परम्परा का एक पीढ़ी से दूसरी में प्रवाह बाधित हो गया है तो राम का चरित्र, मूल्य, व्यवहार और आदर्शों की यशोगाथा को समेटे श्री रामचरितमानस/ रामायण जीवन का संविधान बन सकता है। आज के बड़े-बड़े फैमिली सलाहकार अपनी सलाह में परिवारों में यही अंतिम सत्य बताते हैं कि परिवार वह इकाई है जहां आप तर्कों और जय-पराजय से समाधान नहीं पा सकते अपितु त्याग के द्वारा कर्तव्य पालन करके ही सुख शांति प्राप्त करेंगे। यह मान्यता भारत में त्रेतायुग में ही प्रभु राम के जीवन से स्थापित हो चुकी थी। राम परिवार के आदर्श-स्नेह, सहयोग, सद्भाव और विश्वास को आधार बनाकर आपसी संबंधों, कर्तव्यों और दायित्वों को समझा और निबाहा जा सकता है। जब राम, लक्ष्मण और सीता वनवास संपन्न कर अयोध्याजी वापस आते हैं तो माता कौशल्या ने मिलते ही सबसे पहले लक्ष्मण से आकुल होकर पूछा कि मुझे दिखाओ तुम्हें शक्ति कहां लगी थी, पुत्र तुम्हें कितनी वेदना से गुजरना पड़ा ! लक्ष्मण जी ने इसका उत्तर दिया, 'वेदना राघवेन्द्रस्य केवलं व्रणिनो वयम' (वाल्मीकि रामायण) अर्थात हमें तो केवल घाव हुआ था, वेदना तो बड़े भाई राम को हुई थी। बस यही राम का सार है की सभी एक-दूसरे के भाव, प्रेम, हर्ष और विषाद में एकरस हो जाएं। राम जी के छोटे भाई भरत जी का चरित्र तो ऐसा है की कहीं-कहीं उनकी श्रद्धा, समर्पण और मयार्दा रूपी हिमालय के आगे रामजी लघु प्रतीत होते हैं। भाई की चरण पादुका से राज चलाना और स्वयं नंदीग्राम में भूमि पर सोना और पर्णकुटी में रहना। राम जी अपने भाई भरत को राजधर्म की सीख देते हुए कहते हैं की, 'मुखिआ मुखु सो चाहिए' यानि मुखिया मुख के समान होना चाहिए, जो स्वयं के पोषण या सुख में अकेला है , परन्तु विवेक पूर्वक सब अंगों का पालन-पोषण करता है। राम और भरत का चरित्र भरत-मिलाप प्रसंग में एक दूसरे के सामने ऐसे अडिग हैं की गोस्वामी तुलसीदास को लिखना पड़ता है 'धीर धुरंधर धीरजु त्यागा' यानि भरत जी के असीम त्याग और मयार्दा के समक्ष धैर्य की धुरी धारण करने वाले श्रीराम को भी अपना धीरज प्रेमाश्रुओं के सामने तोड़ देना पड़ता है। अयोध्या के एक राजकुमार श्री राम द्वारा सुदूर वन में हनुमान को आभार व्यक्त करने के क्रम में कहा जाता है, मय्येव जीर्णतां यातु यत्त्वयोपकृतं हरे। नरः प्रत्युपकारार्थी विपत्तिमनुकाङ्क्षति॥ (हे कपिकुलनन्दन।) आपने जो मेरे साथ उपकार किया है वह मेरे में ही जीर्ण हो जाय (मुझमें पच जाय), बाहर अभिव्यक्ति का कोई अवसर ही न आवे, क्योंकि प्रत्युपकार करने वाला व्यक्ति अपने उपकारी के लिये विपत्ति की कामना करता है, जिससे उसे अपने प्रत्युपकार के लिए उचित अवसर मिले (वा. रामायण)। भगवान राम के समय में सनातन संस्कृति के वैचारिक मानदंडों पर विचार करें और उस काल खंड में संसार की अन्य संस्कृतियों के विकास से तुलना करें तो सहज ही आपको यह अनुभव होगा कि राम और अयोध्या के समाज का उत्कृष्ट सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्य कितना ऊंचा था और संसार भर में क्यों प्रासंगिक हुआ। सुख-दुःख की अनुभूतिः आज पश्चिमी मनोविज्ञान इस स्थिति में पहुंचा जहां दबे स्वर में स्वीकारा जा रहा कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते। सुख-दुःख मनुष्य की अनुभूति के ही परिणाम हैं, उसकी मान्यता, कल्पना एवं अनुभूति विशेष के ही रूप में सुख-दुख का स्वरूप बनता है। जैसा मनुष्य का भावना स्तर होगा उसी के रूप में सुख-दुःख की अनुभूति होगी। एक ओर जहाँ पश्चिमी संसार सुख को परिभाषित करने में भौतिक संसाधनों के अंतहीन दौड़ में लगा है वहीं सनातन धर्म में सुख-दुःख का विमर्श एक साथ त्रेतायुग से होता आया है। हम मानते हैं कि सुख और दुःख दो भिन्न अवस्थाएं होते हुए भी एक-दूसरे के पूरक हैं। मृत्युशैय्या पर पड़े हुए दशरथ से मंत्री सुमंत्र कहते हैं;

***जनम मरन सब दुख सुख भोगा। हानि लाभु प्रिय मिलन बियोगा॥***

***काल करम बस होहि गोसाई। बरबस रात्रि दिवस की नाई।***

***सुख हरषहिं जड़ दुख बिलखाहीं। दोउ सम धीर धरहिं मन माहीं॥***

अर्थात जन्म-मरण, सुख-दुःख के भोग, हानि-लाभ, प्यारों का मिलना-बिछुड़ना, ये सब हे स्वामी, काल और कर्म के अधीन रात और दिन की तरह बरबस होते रहते हैं। मूर्ख लोग सुख में हर्षित होते और दुःख में रोते हैं, पर धीर पुरुष अपने मन में दोनों को समान समझते हैं। (मानस)

श्रीराम, कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकताःभगवान श्रीराम एवं उनके समाज का चिंतन केवल रावण को मारकर सीता माता की प्राप्ति तक सीमित कर देना उचित नहीं है, जैसा कि आज के डिजिटल विमर्श में चहुंओर दिखाई दे रहा है। आज जब की भारतीय समाज एकजुट होकर श्री अयोध्या जी में प्रभु राम का भव्य मंदिर बना रहा है तो ऐसे में हम सभी को समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यानी अपने परिवार के प्रबोधन पर विशेष बल देना चाहिए। ऐसे में राम के सामाजिक, पारिवारिक एवं कर्तव्य आधारित चिंतन का परिवार के साथ प्रतिदिन 10 मिनट बैठकर विमर्श अवश्य करना चाहिए। बच्चों को अगले दिन राम के ऊपर बोलने का चिंतन बिंदु दें जिससे उनके भीतर भी संस्कार की ज्योति जल सके। घर में एक रामचरितमानस रखें और सप्ताह में एक बार पूरा परिवार एक साथ बैठकर उसका पाठ अवश्य करें।

**लेखक, धर्म-संस्कृति के अध्येता और प्रभुराम के डिजिटल विश्वकोश रामचरित डॉट इन के फाउंडर हैं।**

# 'हलाल' पर मुस्लिम तुष्टिकरण को दी जा रही धार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन हिंदू समाज की आस्था की रक्षा करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्रदेश में हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद से ही प्रदेश की खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीमें व एटीएस ने छापे शुरू कर दिए हैं। इससे अवैध रूप से हलाल प्रमाणन का गोरखधंधा करने वाले गिरोहों व संगठनों में खलबली मच गई है। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आदि दलों ने इस हवा देते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण नीति को धार देने का प्रयास शुरू कर दिया है। मोटे अनुमान के अनुसार अवैध रूप से चल रहा हलाल प्रमाणन का गोरखधंधा लगभग 3000 करोड़ रुपये से अधिक का है और इस धन का दुरुपयोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियों व आतंकवादी संगठनों की मदद करने के लिए किया जा रहा है। हलाल प्रमाणन का धंधा केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत में चल रहा है और इस धंधे का भारत में आगमन 1974 में एक घृणित साजिश के तहत हुआ। हलाल प्रमाणन की प्रक्रिया एक देश दो विधानवाली तथा संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने हलाल प्रमाणन के इस अवैध धंधे को पूरी तरह से रोकने के लिए लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में शैलेंद्र कुमार शर्मा की शिकायत पर विभिन्न संगठनों पर एक एफआईआर दर्ज करवाई है, जिनमें हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, जमीयत उलेमा हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली व लखनऊ, हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया मुंबई और कुछ अन्य कंपनियां शामिल हैं। भारत से बड़ी मात्रा में खाद्य उत्पादों का निर्यात सिंगापुर, मलेशिया, सऊदी अरब, कतर आदि खाड़ी देशों और कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में होता है जहां बड़ी संख्या में इस्लामिक आबादी है। ऐसे में देश की अधिकांश कंपनियां अपने उत्पादों के लिए हलाल सार्टिफिकेशन करवाती हैं। दुर्भाग्यवश भारत में हलाल प्रमाणन के लिए कोई सरकारी कंपनी नहीं है, जिसके कारण यह ठग कंपनियां अनुचित व अवैध धंधा करने में कामयाब हो रही हैं। ये अकूत धन कमा रही हैं और उसे देश के विरुद्ध इस्तेमाल कर रही हैं । इन कंपनियों के सम्बन्ध अलग अलग आतंकवादी संगठनों से होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में प्रतिबंध लगने के बाद इस बेहद गम्भीर व खतरनाक विषय पर राष्ट्रव्यापी बहस आरम्भ हो गई है। हलाल का समर्थन करने वाले संविधान की बार-बार दुहाई दे रहे हैं। किंतु शायद इन लोगों को यह नहीं पता कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत सरकार का अपना भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) है। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने योगी सरकार के कदमों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकारी एजेंसियों को ही यह पता लगाना चाहिए कि खाद्य उत्पादों में किस तरह के रासायनिक संयोजक, कृत्रिम व हानिकारक तत्व मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी निकायों को यह प्रमाणित करने का अधिकार होना चाहिए कि लोगों के उपयोग के लिए कौन सा भोजन गुणवत्तापूर्ण है। अवैध हलाल प्रमाणन के खिलाफ हो रही कार्रवाई का विरोध करने वाले बहसों के दौरान इस अवैध कृत्य को संवैधानिक बता रहे हैं। दावा कर रहे हैं कि हम जीएसटी दे रहे हैं। हलाल प्रमाणित उत्पादों पर कार्रवाई करने से महंगाई बढ़ सकती है। बेरोजगारी बढ़ सकती है। बाजारों में खाद्य उत्पादों का संकट पैदा हो सकता है आदि -आदि । हलाल प्रमाणित उत्पादों के पक्ष में यह भी दलील दी जा रही है कि यह मुस्लिम समाज के लिए धर्म व आस्था का विषय है। अगर यह मान भी लिया जाए कि हलाल प्रमाणन मुस्लिम समाज के लिए धर्म व आस्था का विषय है तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि हिंदू समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग जो व्रत व उपवास के अवसर पर पूर्णरूप से शाकाहारी रहता है उसको हलाल प्रमाणन वाले खाद्य पदार्थ बेचकर उसकी आस्था पर क्यों चोट पहुंचाई जा रही है? इनके तर्कों का सनातन हिंदू सहित सिख, जैन, बौद्ध आदि विभिन्न मतावलंबियों की आस्था विश्वास और मान्यता से कोई सरोकार नहीं है। इनकी केवल मजहब विशेष पर ही आस्था दिख रही है। एकादशी, प्रदोष, पूर्णिमा आदि के उपवास करने वालों हलाल प्रमाणित सेंधा नमक मिलता है। दूध व दुग्ध उत्पादों के पैकेटों पर हलाल लिखा जाने लगा है। साबुन और शैम्पू तक का हलाल प्रमाणन हो रहा है । वास्तव में हलाल के दायरे में केवल मांसाहार आता है। हलाल मांस के लिए पशुवध की विशेष पीड़ादायक प्रक्रिया है किंतु प्रमाणन का धंधा करने वाले लोगों ने धीरे- धीरे सौंदर्य प्रसाधन सामग्री और दवाएं भी शामिल कर लीं जिनमें पशु रक्त, चर्बी, मांस, अल्कोहल आदि का उपयोग होता है। फिर लोगों को बेवकूफ बनाते हुए हलाल उत्पादों का दायरा शाकाहारी उत्पादों तक फैला दिया गया और दाल, चावल, आटा, मैदा, शहद, चायपत्ती, बिस्किट, मसाले, साबुन, टूथपेस्ट उत्पाद भी इसमें शामिल कर लिए गए। अब बस हवा, पानी को ही हलाल और हराम घोषित करना शेष रह गया है।उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तो हद ही हो गई है। यहां पर तुलसी अर्क, धनिया पाउडर, एलोवेरा जूस और आई ड्रॉप पैकिंग पर भी हलाल प्रिंट उत्पाद खूब बिक रहे हैं। शिकायतकर्ता शैलेंद्र शर्मा का कहना है कि तुलसी जी हिंदू धर्म में माता के रूप में पूज्य हैं। अर्क की पैकिंग पर हलाल लिखा है। इससे करोड़ों हिन्दुओं की आस्था पर चोट पहुंची हैं। आज विभिन्न चैनलों पर चल रही बहस के दौरान हलाल समर्थकों से सवाल पूछा जा रहा है कि आप लोग दूध, दाल, चावल सहित विभिन्न शाकाहारी वस्तुओं को हलाल कैसे करते हैं। उसकी विधा क्या है।

# चिंताजनक है राज्यपालों का रवैया

गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल और सरकारों के बीच टकराव थमता नहीं दिखता। नौबत सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऐसे राज्यपालों के आचरण पर सख्त टिप्पणियों और उन्हें नोटिस जारी करने तक पहुंच गयी है। पिछले दिनों पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित द्वारा विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने ह्यआप आग से खेल रहे हैंह्न जैसी कड़ी टिप्पणियां करते हुए उन्हें अपनी अंतरात्मा में झांकने की नसीहत भी दी थी। अदालत ने यह भी कहा था कि वह जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को भी नोटिस जारी किया है और उन्हें पंजाब के फैसले को पढ़ने की सलाह दी है। राज्यपालों पर विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों की मंजूरी रोक कर सरकारों के कामकाज में अड़ंगा लगाने के आरोप पंजाब और केरल तक ही सीमित नहीं। तेलंगाना, तमिलनाडु और झारखंड की सरकारें भी ऐसी शिकायतों के साथ सर्वोच्च न्यायालय में दस्तक दे चुकी हैं। केरल सरकार ने आरोप लगाया है कि तीन विधेयक तो दो वर्ष से भी ज्यादा समय से लंबित हैं, जबकि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार राज्यपाल को विधेयक को तुरंत मंजूरी देनी चाहिए या फिर उसे विधानसभा को लौटा देना चाहिए या विचार के लिए राष्ट्रपति को भेज देना चाहिए। ऐसा लगता है कि केंद्र से इतर राजनीतिक दलों की राज्य सरकारों को तंग करने के लिए विधेयकों पर मंजूरी रोकने का नया तरीका निकाला गया है। अतीत में तो राज्यपाल निर्वाचित सरकारों को गिराने से लेकर बर्खास्तगी तक जाते रहे हैं। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणियां की थीं, पर उनसे शायद ही किसी ने सबक सीखा हो। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र प्रकरण को देखा जा सकता है। राज्यपाल के जिन कदमों को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुरूप नहीं माना, उन्हीं के चलते तो उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को मजबूर हुए थे! स्पीकर ने अभी तक दल-बदलू विधायकों के मामले में कोई फैसला नहीं किया है। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा स्वीकृत अभिभाषण राज्यपाल द्वारा पूरा न पढ़े जाने से शुरू हुआ टकराव पोंगल पर राजभवन में होने वाले कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में राज्य और राज्यपाल का पदनाम बदलने से बढ़ता हुआ अब मुख्यमंत्री की सिफारिश के बिना भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री सैंथिल की बर्खास्तगी से चरम पर पहुंचता दिख रहा है। निर्वाचित राज्य सरकारों और केंद्र द्वारा नियुक्त राज्यपालों के बीच टकराव राज्यपालों के आचरण पर ही नहीं, उनकी नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करता है। उन ज्यादातर राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के रिश्ते अच्छे नहीं हैं, जहां केंद्र में सत्तारूढ़ दल से अलग दल की सरकार है। वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे, तब उनके और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संबंध बेहद खराब हो गये थे। झारखंड में भी मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच विभिन्न मुद्दों पर टकराव की खबरें आती हैं। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया पर राजस्थान में चुनाव प्रचार का आरोप लगा है। यह धारणा लगातार मजबूत होती गयी है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल अक्सर चुनाव में हारे या बुजुर्ग नेताओं या चहेते पूर्व नौकरशाहों को राज्यपाल नियुक्त करते हैं। शायद ही केंद्र में सत्तारूढ़ कोई दल राजभवनों को अपने लोगों के लिए ह्यपुनर्वास केंद्रह्न के रूप में इस्तेमाल करने का लोभ संवरण कर पाया हो। जब नियुक्ति का एकमात्र आधार नियोक्ता के प्रति निष्ठा ही है, तो फिर कोई किसी लक्ष्मण रेखा की परवाह नहीं करता। संविधान के अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग कर निर्वाचित सरकारों के साथ जैसा खिलवाड़ होता रहा है, उसकी मिसाल शायद ही किसी और लोकतांत्रिक देश में मिले।

# खत्म करें गोपनीयता

दुनिया भर के कनाडाई नागरिकों के लिए ई-वीजा बहाल करने का भारत का फैसला कनाडा के साथ आवाजाही के रिश्तों को बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये रिश्ते सितंबर महीने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद कूटनीतिक तकरार के दौरान तोड़ लिये गये थे। ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि भारत सरकार के एजेंटों ने एक खालिस्तानी नेता की हत्या की साजिश रची थी। भारत ने पिछले महीने कुछ खास श्रेणियों के वीजा बहाल कर दिये थे, लेकिन खालिस्तानी समूहों से भारतीय राजनयिकों को खतरे के चलते ई-वीजा और पर्यटक वीजा निलंबित रखे गये। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के मुताबिक, कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा की बहाली ह्यहालात ज्यादा सुरक्षित होनेह्न की वजह से की गयी। हालांकि, इस कदम का मतलब यह नहीं है कि सामान्य संबंध बहाल हो ही गये हैं। भारत द्वारा कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा रद्द किये जाने और ह्यसमतुल्यता के मकसदह्न से कनाडा से राजनयिकों की संख्या में कटौती किये जाने की मांग के बाद, कनाडा ने अपने 40 से ज्यादा राजनयिकों और उनके परिवारों को भारत से निकाल लिया था और वीजा जारी करने की अपनी क्षमता भी घटा ली थी। दोनों पक्षों द्वारा वीजा में कटौती का खमियाजा कारोबारी और निवेश संबंधों को भी भुगतना पड़ा। खासकर इसलिए कि कनाडा ने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत को पहले ही निलंबित कर दिया था। जयशंकर और कनाडाई विदेश मंत्री ने सितंबर में अमेरिका में एक दूसरे से मुलाकात की, लेकिन राजनीतिक संबंधों पर वस्तुतः विराम ही लगा रहा। इसके अलावा, एक नया विवाद वाशिंगटन ने खड़ा किया है।

# Social Media Corner

## सच के हक में...

अविस्मरणीय समर्थन के लिए हैदराबाद के लोगों का हार्दिक आभार! यह स्पष्ट है कि भाजपा तेलंगाना की पसंदीदा पसंद के रूप में उभर रही है, जो राज्य की प्रगति और समृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)**

राज्य के बच्चों के लिए हम गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लेकर आये हैं जिसका आवेदन आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में लिया जा रहा है। इसके अंतर्गत आपको उच्च शिक्षा हेतु सरकार ऋण देगी और आपकी गारंटर भी बनेगी। पढ़ाई पूरा हो जाने के भी 1 वर्ष के बाद से आपको सिर्फ थोड़ा-थोड़ा कर सरकार को पैसा लौटाना होगा। आप पढ़ते रहिए, आपकी सरकार आपके साथ है। अगर झारखण्ड का नौजवान शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो जाएगा तो विपक्ष का षड्यंत्र कभी कामयाब नहीं होगा इसलिए पूर्व की सरकारों ने कभी भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। यही परिस्थिति हम बदलने का काम कर रहे हैं।

**(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)**

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# बाइनेंस के फाउंडर को जेल की सजा से पहले अमेरिका में ही रहने का आदेश

**सैन फ्रांसिस्को।**

बाइनेंस के संस्थापक चांगपेंग झाओ (जिन्हें सीजेड के नाम से भी जाना जाता है), जिन्होंने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज से जुड़े आपराधिक आरोपों में खुद को दोषी माना, को एक संघीय न्यायाधीश ने अस्थायी रूप से अमेरिका में ही रहने का आदेश दिया है। झाओ को पिछले सप्ताह 175 मिलियन डॉलर के मुचलके पर रिहा किया गया था और 23 फरवरी को सजा पर सुनवाई होनी है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अभियोजकों ने कहा कि झाओ को सजा से पहले देश छोड़ने से रोका जाए, लेकिन उनके वकीलों ने तर्क दिया कि उसे यात्रा करने की अनुमति दी जाए। सरकार ने एक फाइलिंग में लिखा, ज्यादातर मामलों में, एक बहु-अरबपति प्रतिवादी जिसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, उसे जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है और वह ऐसे देश में रहता है जो अपने नागरिकों को अमेरिका में प्रत्यर्पित नहीं करता है, उसे हिरासत में लिया जाएगा। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने पहले ही एक असाधारण सिफारिश प्रस्तुत कर दी है कि झाओ को सजा सुनाए जाने तक स्वतंत्र रहने की अनुमति दी जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने कहा कि झाओ के देश से बाहर जाने का खतरा है, लेकिन इसे उन्हें अमेरिका में रहने की आवश्यकता और उसे संयुक्त अरब अमीरात के सुरक्षित ठिकाने पर लौटने से रोककर प्रबंधित किया जा सकता है। पिछले हफ्ते, संघीय आरोपों में दोषी ठहराए जाने और 4.3 बिलियन डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमत होने के बाद, झाओ ने दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज के सीईओ के रूप में पद छोड़ दिया।

न्याय विभाग ने एक बयान में कहा, कनाडाई नागरिक झाओ ने भी बैंक गोपनीयता अधिनियम (बीएसए) का उल्लंघन करते हुए एक प्रभावी मनी-लॉन्ड्रिंग (एएमएल) कार्यक्रम को बनाए रखने में विफल रहने में खुद को दोषी माना और बाइनेंस के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, बाइनेंस ने अमेरिकी कानून के अनुपालन पर विकास और मुनाफे को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की।

# केंद्रीय मंत्री ने सीओपी28 से पहले पूर्वोत्तर में 2000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना का लिया जायजा

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने अरुणाचल प्रदेश/असम में 2000 मेगावाट की सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना का जायजा लेने के बाद काम की गति पर संतोष जताया और एनएचपीसी अधिकारियों से इसे तय समय पर पूरा करने का आग्रह किया।मंत्री का जल विद्युत परियोजना स्थल का दौरा जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए अबू धाबी में सीओपी28 बैठक से पहले हो रहा है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जलविद्युत परियोजनाओं का महत्व बढ़ गया है। जल विद्युत के बिना चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा संभव नहीं है।उन्होंने कहा, मैंने सभी विवरणों पर गौर किया और मेरा मानना है कि कुल मिलाकर, सुबनसिरी परियोजना उसी तरह आगे बढ़ रही है जैसे बढ़नी चाहिए। चूंकि हमें ऊर्जा परिवर्तन करने, उत्सर्जन कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने की जरूरत है, इसलिए पनबिजली परियोजनाओं का महत्व बढ़ गया है। हमारे पास नवीकरणीय ऊर्जा के बीच सौर और पवन भी हैं, लेकिन पनबिजली के बिना चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा संभव नहीं है। हमारी पनबिजली क्षमता बढ़ रही है। मंत्री ने चल रही निर्माण गतिविधियों का जायजा लिया और सोमवार को उन्हें प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने एक समीक्षा बैठक ली जिसमें उन्हें परियोजना में चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में जानकारी दी गई। एनएचपीसी के अधिकारियों और प्रमुख कार्यों के ठेकेदारों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, सिंह ने सभी को परियोजना को निर्धारित समय पर पूरा करने के लिए उत्साह के साथ काम करने का निर्देश दिया।

सिंह ने कहा, इस तरह की परियोजनाओं से राज्य में लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा, जिसके चलते प्रति व्यक्ति आय चार गुना हो जाएगी। और देश को स्वच्छ बिजली मिलेगी। इसी प्रकार, जम्मू और कश्मीर में पांच जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने देश की उपलब्ध जलविद्युत क्षमता का बेहतर दोहन करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बात की। आज, हमारी जल विद्युत क्षमता 47,000 मेगावाट है, जो हमारी उपलब्ध जल विद्युत क्षमता का 35 फीसदी है। सिंह ने कहा कि भारत की बिजली की मांग बढ़ रही है और इसके लिए तेज गति से बिजली क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

# त्योहारी अवधि के दौरान ऑटोमोबाइल की बिक्री में 19 प्रतिशत की वृद्धि

**चेन्नई।**

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने कहा कि ऑटोमोबाइल सेक्टर ने 42 दिनों की त्योहारी अवधि के दौरान खुदरा बिक्री में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने मंगलवार को 42 दिनों की त्योहारी अवधि के लिए वाहन खुदरा डेटा जारी किया, जो नवरात्रि के पहले दिन से शुरू हुआ और धनतेरस के 15 दिन बाद समाप्त हुआ। एफएडीए के अध्यक्ष, मनीष राज सिंघानिया के अनुसार, वाहन की बिक्री 37.93 लाख तक पहुंचने के साथ एक नया मील का पत्थर पहुंच गया, जो पिछले साल की त्योहारी अवधि 31.95 लाख से 19 प्रतिशत अधिक है। दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहनों और यात्री वाहनों में क्रमशः 21प्रतिशत, 41प्रतिशत, 8 प्रतिशतऔर 10प्रतिशत की वृद्धि के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। इसके विपरीत, ट्रैक्टर सेगमेंट में 0.5प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई। कई श्रेणियों में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों ने विशेष रूप से दोपहिया वाहनों की खरीद में वृद्धि में योगदान दिया। नवरात्रि के दौरान शुरुआती ख़राब प्रदर्शन के बावजूद, विशेषकर यात्री वाहन क्षेत्र में, दीपावली तक स्थिति में सुधार हुआ और 10प्रतिशत की विकास दर के साथ समाप्त हुई। एफएडीए ने कहा कि जबकि स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) सबसे अधिक मांग वाले वाहन थे, यात्री वाहनों के लिए इन्वेंट्री स्तर एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि वाहन निर्माता आगे के डिस्पैच को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे इन्वेंट्री दर अब तक के उच्चतम स्तर पर बनी हुई है। ट्रैक्टरों की बिक्री में नवरात्रि के दौरान 8.3 प्रर्तो शत की कमी देखी गई, लेकिन इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ और त्योहारी अवधि केवल 0.5 प्रर्तो शत की कमी के साथ समाप्त हुई। एफएडीए ने कहा, यह बदलाव ग्रामीण भारत में मजबूत क्रय शक्ति को उजागर करता है।

# शेयर बाजार को एग्जिट पोल का इंतजार

**नई दिल्ली।**

यह सप्ताह शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा होने की संभावना है लेकिन जल्द ही इसमें तेजी की भी उम्मीद है। एफआईआई पहले ही खरीदार बन चुके हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार का कहना है कि एफआईआई और डीआईआई धन प्रवाह लार्ज-कैप रैली को गति दे सकते हैं।वैश्विक और घरेलू कारकों की मदद से बाजार की संरचना अनुकूल हो रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर इस महीने अब तक एसएंडपी 500 में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ अमेरिकी बाजार से प्रतिकूल हवा मिल रही है, जिसे बदले में अमेरिकी बांड यील्ड में गिरावट से समर्थन मिला है। घरेलू स्तर पर, मैक्रो संकेतक अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास गति का संकेत देते हैं। पूंजीगत सामान कंपनियों के लिए रिकॉर्ड ऑर्डर प्रवाह और मजबूत ऋण वृद्धि अर्थव्यवस्था में विकास की गति के मजबूत संकेतक हैं। अब राज्य चुनाव परिणाम एक अज्ञात कारक है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को आने वाले एग्जिट पोल से चुनाव नतीजों और 2024 के महत्वपूर्ण आम चुनाव पर इसके प्रभाव के संकेत मिलने की संभावना है।मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 10 अंक गिरकर 65,960 अंक पर है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को अडानी-हिंडनबर्ग मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद अडानी समूह के शेयरों में 20 फीसदी तक की तेजी आई है। अदानी टोटल गैस 19 फीसदी ऊपर, अदानी एनर्जी 17 फीसदी ऊपर, अदानी ग्रीन 14 फीसदी ऊपर, अदानी पावर 13 फीसदी ऊपर, अदानी एंटरप्राइजेज 10 फीसदी ऊपर है।

# सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त उछाल

**नई दिल्ली।**

सुप्रीम कोर्ट के 24 नवंबर को अडानी-हिंडनबर्ग मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद मंगलवार को समूह के शेयरों में 20 फीसदी तक की तेजी आई। अडानी टोटल गैस 19 फीसदी, अडानी एनर्जी 17 फीसदी, अडानी ग्रीन 14 फीसदी, अडानी पावर 13 फीसदी और अडानी एंटरप्राइजेज 10 फीसदी ऊपर है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह अपने निष्कर्ष निकालने के लिए समाचार पत्रों की रिपोर्टों का पालन करेगा। चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ताओं द्वारा संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना और हिंडनबर्ग रिसर्च जैसे संगठनों की रिपोर्टों की जानकारी के उपयोग पर भी नाराजगी व्यक्त की। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ओसीसीआरपी रिपोर्ट (संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना) के संबंध में नए तथ्य सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाए थे। सॉलिसिटर जनरल के अनुसार, जब सेबी ने ओसीसीआरपी को पत्र लिखकर 31 अगस्त की रिपोर्ट में अडानी समूह के खिलाफ आरोप लगाते समय संगठन द्वारा भरोसा किए गए विवरण और दस्तावेजों की मांग की, तो ओसीसीआरपी ने आरोपों का विवरण साझा नहीं किया और कहा कि वह भारत में एक गैर सरकारी संगठन से प्राप्त किया जा सकता है, जिसने उसे जानकारी प्रदान की थी। सॉलिसिटर जनरल के मुताबिक, इस एनजीओ को प्रशांत भूषण चलाते हैं। सुनवाई के दौरान भारत के सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि अडानी ग्रुप के खिलाफ आरोपों से जुड़े 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी हो चुकी है।

## यस बैंक ने एफडी के ब्याज दरों में बड़ा बदलाव किया

**नई दिल्ली ।** यस बैंक ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) के ब्याज दरों में बड़ा बदलाव कर दिया है। यस बैंक के लिए संशोधित एफडी दरें 21 नवंबर, 2023 से लागू हो गई हैं। नई ब्याज बढ़ोतरी के मुताबिक यस बैंक अब सात दिनों से दस साल में परिपक्व होने वाली एफडी पर सामान्य नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.75 फीसदी के बीच ब्याज दरों की पेशकश कर रहा है। इसी के साथ यस बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 3.75 फीसदी से 8.25 फीसदी के बीच ब्याज दरों की पेश कर रहा है। यह सूचना बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई है। एफडी दरों में संशोधन में कहा गया है कि निजी क्षेत्र के बैंक एक साल में परिपक्व होने वाली एफडी पर 7.25 फीसदी, एक वर्ष से 18 महीने से कम पर 7.50 फीसदी और 18 महीने से 24 महीने में परिपक्व होने वाली जमा पर 7.75 फीसदी की दर से भुगतान करेंगे।

## टाटा मोटर्स के वाहन जनवरी से हो सकते हैं महंगे

**मुंबई ।** देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कि हम अगले साल जनवरी से अपने यात्री और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। किन वाहनों की कीमत कितनी बढ़ेगी इसकी घोषणा अगले कुछ सप्ताह में की जा सकती है। टाटा मोटर्स के वाहनों में हैचबैक कार टियागो से लेकर एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) सफारी तक शामिल हैं। इनकी कीमत 5.6 लाख रुपये से लेकर 25.94 लाख के बीच है। इसके साथ ही कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और ऑडी जैसी कंपनियों में शामिल हो गयी है, जिसने अपने वाहनों के दाम बढ़ाने की योजना बनाई है।

## सरकार अरहर दाल की खरीदी बढ़ाकर इसकी कीमतें नियंत्रित करेगी

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार दाल की कीमतों की रोकथाम करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार अरहर दाल की अपनी खरीद को बढ़ाकर 8-10 लाख टन करने की तैयारी में है। पहले कुछ ही लाख टन अरहर दाल खरीदने की योजना थी। अरहर दाल की खरीद को बढ़ाकर सरकार इसकी कीमतों को काबू में रखना चाहती है। अरहर दाल के रिटेल प्राइस पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए हैं। पिछले साल अरहर दाल की कीमत 112 रुपए किलो थी, जो कि इस साल बढ़कर 158 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। बतौर कैटेगरी दलहन में रिटेल इनफ्लेशन बढ़कर सालाना आधार पर अक्टूबर में 18.79 फीसदी पर पहुंच गई थी। सरकार ने अरहर दाल की खरीद बढ़ाने की तैयारी ऐसे समय में की है, जब अरहर के पैदावार क्षेत्र में गिरावट आई है और इसका उत्पादन कम रह सकता है। अरहर दाल की यह खरीद बाजार के भाव पर होगी। अरहर दाल की यह खरीद नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (नैफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के जरिए की जाएगी। सूत्रों के अनुसार यह सरकारी एजेंसियां सीधे किसानों से खरीद करेंगी। अरहर दाल खरीदने की शुरुआत खरीफ की फसल आने के साथ शुरू होगी।

# विदेशी पूंजी का निवेश से बाजार में लौटी रौनक...सेंसेक्स 204.16 अंक बढ़ा

**मुंबई ।**

विदेशी पूंजी का निवेश होने के बीच वाहन, बिजली और धातु शेयरों में अंतिम दौर की बंपर खरीदारी आने से मंगलवार को घरेलू मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दो सत्रों की गिरावट से उभरकर बढ़त के साथ बंद हुआ। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 204.16 अंक बढ़कर 66,174.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 66,256.20 के ऊपरी और 65,906.65 के निचले स्तर पर रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 95 अंक बढ़कर 19,889.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, टाइटन और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट चढ़कर बंद हुए जबकि जापान का निक्की और हांगकांग का सूचकांक हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं सोमवार को अमेरिकी बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे।

इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत चढ़कर 80.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

गुरु नानक जयंती के मौके पर शेयर बाजार बंद रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,625.21 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी खरीदी थी। पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को सेंसेक्स 47.77 अंक की गिरावट के साथ 65,970.04 पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 7.30 अंक फिसलकर 19,794.70 अंक पर रहा था।

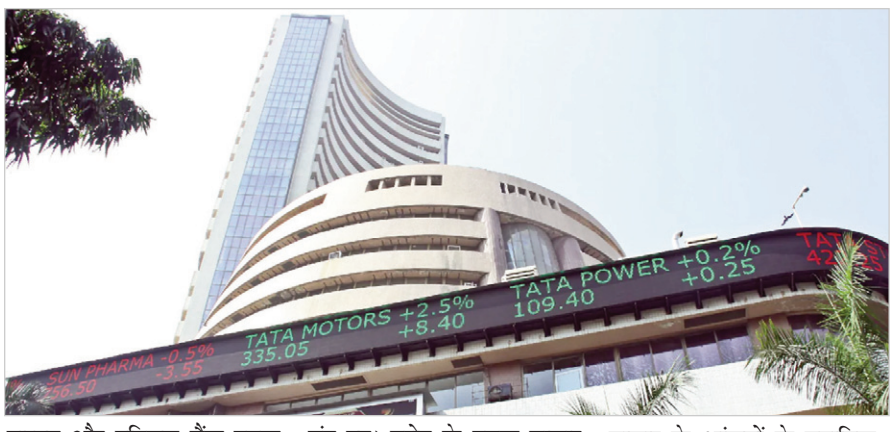


## एसएंडपी ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

**नई दिल्ली।** एसएंडपी रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान पहले के 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है।एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के एशिया-प्रशांत के मुख्य अर्थशास्त्री लुइस कुइज़ ने एक शोध नोट में कहा, हमने इस वित्तीय वर्ष के लिए अपने अनुमान को संशोधित किया है। मजबूत घरेलू मांग ने उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और कमजोर निर्यात से होने वाली बाधाओं को दूर कर दिया है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने अगले वित्तीय वर्ष (2024-25) में विकास के लिए अपने दृष्टिकोण को पहले के 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्तीय वर्ष (2023-24) के लिए एसएंडपी का अनुमान अन्य एजेंसियों की तरह ही है, लेकिन फिर भी सरकार और आरबीआई के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आईएमएफ, विश्व बैंक, एडीबी और फिच को लगता है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.3 प्रतिशत रहेगी। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत और अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी। दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े इस सप्ताह के अंत में जारी किए जाएंगे। अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि इस साल अनियमित मानसून के कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि धीमी रहेगी। मुद्रास्फीति पर, एसएंडपी ने कहा कि दूसरी तिमाही के दौरान उछाल का समग्र मुद्रास्फीति पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। एसएंडपी ने कहा, फिर भी मुद्रास्फीति आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है, जिससे पता चलता है कि दर चक्र बदलने में कुछ समय लगेगा।

## भौतिक व रासायनिक विश्लेषण को तैयार है पनियाला

**लखनऊ।** पानीदार पनियाला अब भौतिक और रासायनिक विश्लेषण के लिए तैयार है। लखनऊ रहमान स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के वैज्ञानिकों ने गोरखपुर और पड़ोसी जिलों के पनियाला बाहुल्य क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। जल्द ही इन पौधों का वैज्ञानिक परीक्षण शुरू होगा। न सिर्फ इनके स्वस्थ्य संबंधी गुणों की पहचान होगी। बल्कि अन्य गुण भी सामने आयेंगे। इसे जीआई में शामिल करने के प्रयास तेज हैं।संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. दुष्यंत मिश्र एवं डा. सुशील कुमार शुक्ल ने कुछ स्वस्थ पौधों से फलों के नमूने लिए। दोनों वैज्ञानिकों ने बताया कि अब संस्था की प्रयोगशाला में इन फलों का भौतिक एवं रासायनिक विश्लेषण कर उनमें उपलब्ध विविधता का पता किया जा जाएगा। उपलब्ध प्राकृतिक वृक्षों से सर्वोत्तम वृक्षों का चयन कर उनको संरक्षित करने के साथ कलमी विधि से नए पौधे तैयार कर इनको किसानों और बागवानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उल्लेखनीय पनियाला को इंडियन कॉफी प्लम और पानी आंवला के नाम से भी जाना जाता है। इनके पेड़ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज क्षेत्रों में पाये जाते हैं। पांच छह दशक पहले इन क्षेत्रों में बहुतायत में मिलने वाला पनियाला अब लुप्तप्राय है। केंदीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक टी दामोदर ने बताया कि इसके पत्ते, छाल, जड़ों एवं फलों में एंटी बैक्टिरियल प्रापर्टी होती है। इसके नाते पेट के कई रोगों में इनसे लाभ होता है। स्थानीय स्तर पर पेट के कई रोगों, दांतों एवं मसूढ़ों में दर्द, इनसे खून आने, कफ, निमोनिया और खरास आदि में भी इसका प्रयोग किया जाता रहा है। फल लीवर के रोगों में भी उपयोगी पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पनियाला का फल विभिन्न एंटीक्सीडेंट्स भी मिलते हैं।

# सप्लाई चेन की दिक्कतों से थम सकती है एक चौथाई विमानों की रफ्तार!

**- वर्तमान में 789 में से करीब 160 विमान उड़ान की स्थिति में नहीं**

**नई दिल्ली ।**

एविएशन सेक्टर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सप्लाई चेन की दिक्कतों के कारण देश के एक चौथाई विमानों के पे हिए अगले साल मार्च के ओ खिर तक थम सकते हैं। सीएपीए इंडिया की हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इसके मुताबिक अभी 789 में से करीब 160 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे हैं लेकिन मार्च के ओ खिर तक यह संख्या 200 तक पहुंच सकती है। इसकी वजह यह है कि सप्लाई चेन की दिक्कतें सुधरने के बजाय लगातार बिगड़ रही हैं। सीएपीए की रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत इन्वेस्टर राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली आकासा एयरलाइन को भी विमानों की डिलीवरी में देरी हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के 90 से अधिक विमानों के पे हिए थम सकते हैं। इसी तरह टाटा ग्रुप के निवेश वाली एयर इंडिया और स्पाइसजेट में भी प्रत्येक के 25 से 30 विमान उड़ान भरने की स्थिति में नहीं होंगे। गोफर्स्ट के 54 विमान पहले से ही उड़ान भरने की स्थिति हैं।

कंपनी ने मई से ही अपनी फ्लाइट्स को सस्पेंड कर रखा है। साथ ही इंडिगो के 55 विमान भी उड़ान नहीं भर रहे हैं। इसी महीने इंडिगो ने कहा था कि चौथी तिमाही में उसके 35 विमान ग्राउंडेड हो सकते हैं। इसकी वजह प्रैट एंड विटनी इंजन में नया पाउडर मेटल डिफेक्ट है। इस बीच 2023-24 में घरेलू ट्रैफिक के पिछले साल के मुकाबले 15 फीसदी की तेजी के साथ 15.5 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय हवाई यो त्रियों की संख्या भी सात करोड़ पहुंचने की उम्मीद है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2023 में घरेलू ट्रैफिक 13.6 करोड़ और इंटरनेशनल ट्रैफिक 5.7 करोड़ रहा। रिसर्च फर्म का कहना है कि कैपेसिटी में कमी के बावजूद हवाई किराया सामान्य स्थिति में आ गया है। सितंबर तिमाही में औसत किराये में 12.7 परसेंट की गिरावट आई है। मार्च तिमाही में इसमें और गिरावट की उम्मीद है।

## रेपो रेट 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगा आरबीआई : एक्सपर्ट्स

**चेन्नई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगी और अगले महीने होने वाली बैठक में अपना रुख नहीं बदलेगी। मुद्रास्फीति औसतन पूरे साल के लिए 5.5 फीसदी रहेगी। ऐसा विशेषज्ञों ने कहा है। उन्होंने कहा, अक्टूबर में मुद्रास्फीति दर घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है, लेकिन फिर भी केंद्रीय बैंक रेपो दर में संशोधन नहीं करेगा। वह महंगाई को लेकर चौकन्ना है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने आईएएनएस को बताया, ÷हम आगामी नीति में रेपो रेट और रुख दोनों पर यथास्थिति की उम्मीद करते हैं। मुद्रास्फीति चिपचिपी विकेट पर है, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति चिंता का विषय बनी हुई है। अनाज और सब्जी दोनों के दाम बढ़ रहे हैं। पूरे साल के लिए मुद्रास्फीति औसतन 5.5 प्रतिशत होगी। इसलिए रेपो दर में बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है। उनके मुताबिक, राहत देने वाली बात ये है कि कोर इंफ्लेशन कम रहेगी। इस साल नवंबर के लिए आरबीआई के अर्थव्यवस्था की स्थिति मासिक बुलेटिन का हवाला देते हुए श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष उमेश रेवनकर ने कहा कि इससे कम दर व्यवस्था की वापसी की उम्मीद जगी है। रेवनकर ने कहा, लेकिन सिस्टम में तरलता को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई द्वारा उपभोक्ता ऋण, क्रेडिट कार्ड प्राप्य और एनबीएफसी एक्सपोजर पर जोखिम भार 25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 125 प्रतिशत तक कर दिया गया है।

# पैरामिलिट्री सर्विसेज में बढ़ती मांग, अवसर और संभावनाएं

**देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं पर तैनात रक्षा सेनाओं को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पैरामिलिट्री सर्विसेज (अर्धसैन्य सेवाएं) अर्थात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ का गठन कई दशक पहले किया गया था. रक्षा सेवा की ये इकाइयां राष्ट्रीय आपदा के वक्त बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.**

अंदरूनी सुरक्षा और सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में अर्धसैन्य बलों की जरूरत हमेशा बनी रहती है. इसी के मद्देनजर इनमें नियुक्तियां भी खूब होती हैं बाहरी आक्रमणों से देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी डिफेंस सर्विसेज की होती है. हालांकि देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं पर तैनात रक्षा सेनाओं को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पैरामिलिट्री सर्विसेज (अर्धसैन्य सेवाएं) अर्थात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ का गठन कई दशक पहले किया गया था. रक्षा सेवा की ये इकाइयां राष्ट्रीय आपदा के वक्त बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. अर्धसैनिक बल गृह मंत्रालय की एजेंसी हैं जो सशस्त्र सेना की इकाई के रूप में कार्य करती हैं. इसे भारतीय सशस्त्र सेना का हिस्सा माना जाता है.

## अवसर

एक बार पैरामिलिट्री में चयन होने के बाद कैंडीडेट द्वारा चयन किये गये पैरामिलिट्री ऑर्गनाइजेशन में ट्रेनिंग की शुरुआत होती है. हालांकि महिलाएं भी पैरामिलिट्री ज्वाइन करती हैं लेकिन इनका स्कोप सीमित है. फिर भी अवसरों की कमी नहीं है. घरेलू सुरक्षा की बढ़ती जरूरत के कारण इनकी सर्विस की मांग भी बढ़ी है.

## इंडियन पैरामिलिट्री फोर्स

इंडियन पैरामिलिट्री फोर्स दुनिया की दूसरी बड़ी पैरामिलिट्री है. पैरामिलिट्री ऑग्रेनाइजेशंस रक्षा-संबंधी सेवा है जिसका गठन देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाये रखने के साथ-साथ सीमा पर तैनात सैन्य बल को सपोर्ट करने के उद्देश्य से किया गया है. पैरामिलिट्री फोर्स से संबंधित सर्विस केंद्र सरकार के अन्तर्गत आती है. हालांकि इनका सांगठनिक ढांचा, पदक्रम (हैरारकी) और ट्रेनिंग में भिन्नता हो सकती है लेकिन काम करने का मूल उद्देश्य, अनुशासन और प्रतिबद्धता रक्षा सेवाओं जैसी होती है.

फोर्स के रोल और सर्विस के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, वे हैं - असम राइफल्स, बॉर्डर सिक्यु रिटी फोर्स, इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस, स्पेशल फंटियर फोर्स, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स, नेशनल सिक्युरिटी गार्ड. सीआरपीएफ सीआरपीएफ यानी सेंट्रल रिजर्व पुलिस बल.

इसकी जिम्मेदारी राज्य की सुरक्षा व्यवस्था और दंगों पर नियंत्रण करना है. सीआरपीएफ की स्पेशलाइज्ड ब्रांच को 'रेपिड एक्शन फोर्स' कहते हैं. इस फोर्स को दो महिला बटालियन का गौरव प्राप्त है.

## बीएसएफ

बीएसएफ यानी बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स. नाम के अनुसार इसका मुख्य कार्यक्षेत्र देश की सीमा की सुरक्षा है. शांति के दौरान फोर्स का काम सीमा पर अपराध, सीमा में प्रवेश करना या बाहर जाना पर निगरानी, तस्करी रोकना और सीमा के करीब के लोगों में सुरक्षा की भावना जगाये रखना होता है. युद्ध के दौरान बीएसएफ उस क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा और राहत पहुंचाने का कार्य करता है.

## आईटीबीपी

इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस वह फोर्स है जिसका गठन मुख्य रूप से देश की सीमा को तिब्बत से जोड़ने वाले क्षेत्र की सुरक्षा के लिए किया गया. हालांकि वर्तमान में ये आंतरिक सुरक्षा की ड्यूटी और वीआईपी सुरक्षा में लगायी जाती है. बीएसएफ और सीआरपीएफ की तुलना में यह संख्या में बहुत छोटी फोर्स है.

## सीआईएसएफ

सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स का गठन औद्योगिक परिसर की सुरक्षा और उनमें कर्मचारियों के असंतोष को हैंडल करने के उद्देश्य से किया गया. सीआईएसएफ के जवान देश के मुख्य एयरपोर्ट और आंतरिक सुरक्षा के मामलों में भी तैनात किये जाते हैं.

## योग्यता

किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट कैंडीडेट, जो लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल फिटनेस क्राइटेरिया पर खरे उतरते है, पैरामिलिट्री में उनका चयन आसानी से हो जाता है. यहां कैंडिडेट का चयन सब-इंस्पेक्टर स्तर पर होता है, चाहे शैक्षिक योग्यता उच्च ना भी हो लेकिन फिजिकल फिटनेस आवश्यक है. इसी तरह पैरामिलिट्री में टेक्निकल ग्रेजुएट्स, एजुकेशन ऑफीसर्स और मेडिकल ऑफीसर्स और दूसरे विशेषज्ञता प्राप्त लोगों के लिए भी संभावनाएं हैं. इन कैंडीडेट्स के अतिरिक्त दसवीं या बारहवीं पास भी जवान की पोस्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं. इसमें चार विभिन्न स्तरों में भर्तियां होती हैं जिनमें जवान, टेक्निकल प्रोफेशनल जैसे रेडियो ऑपरेटर, सब इंस्पेक्टर्स और ऑफीसर्स होते हैं. हालांकि जवान बनने के लिए फिजिकल फिटनेस क्राइटेरिया के तहत लंबाई, वजन और सीने का साइज बहुत जरूरी होता है. इन्हें लिखित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होती है. अधिकारी के पद के लिए लिखित परीक्षा होती है, जिससे यूपीएससी लेता है.

## आयु सीमा

पैरामिलिट्री के लिए आवेदन करने के लिए कैंडीडेट्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 26 वर्ष होनी चाहिए. अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के लिए छूट है.

# करियर का एक और आयाम डेवलपमेंट स्टडीज

**डेवलपमेंट स्टडीज में विकास से जुड़ी योजनाओं को कैसे अमल में लाया जाए या फिर पुरानी योजनाएं क्यों फ्लॉप हुईं, इनका अध्ययन किया जाता है. पिछले कुछ दशकों से विकास का मुद्दा काफी अहम होता जा रहा है. इसके दायरे में सिर्फ विकासशील देश ही नहीं आते बल्कि विकसित देशों में काम करने वाले तमाम संस्थान भी हैं.**

**जॉब** - इससे संबंधित कोर्स करने के बाद छात्र एकेडमिक रिसर्च, टीचिंग, एनजीओ के अलावा संयुक्त राष्ट्र, वर्ल्ड बैंक और प्लानिंग कमीशन जैसे संगठनों में काम कर सकते हैं. रिसर्च कर सकते हैं.

विकास से जुड़ी योजनाओं को कैसे अमल में लाया जाए या फिर पुरानी योजनाएं क्यों फ्लॉप हुई, इनका अध्ययन जरूरी होता है. यही कारण है कि द्वितीय वियुद्ध के बाद तीसरी दुनिया के देशों के विकास पर अध्ययन करने पर विशेषज्ञों का ध्यान गया है. शुरुआती दौर में इसके तहत डेवलपमेंट इकोनोमिक्स का अध्ययन किया जाता था, जो बाद में बदलकर डेवलपमेंट स्टडीज के रूप में परिवर्तित हो गया. इस विषय से संबंधित कोर्स में इकोनोमिक्स भी होता है लेकिन इसके साथ इतिहास, सोशियोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी आदि भी जुड़े होते हैं. रिसर्च मेथड, इकोनोमिक थ्योरी और इंडियन इकोनोमिक डेवलपमेंट मुख्य तौर पर पढ़ाया जाता है. इसके अलावा, डिजर्टेशन भी पूरा करना होता है. हालांकि टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई जैसे संस्थान में तो छात्रों को इकोनोमिक्स, सोशियोलॉजी, पॉलिटिकल साइंस, साइकोलॉजी, कल्चरल के साथ मीडिया स्टडीज का अध्ययन करना होता है.

**कोर्स** - डेवलपमेंट स्टडीज ऐसी ब्रांच हैं जहां सोशियोलॉजी, इकोनोमिक्स, हिस्ट्री, एंथ्रोपोलॉजी आदि विषयों की पढ़ाई एक साथ की जाती है. मास्टर लेवल कोर्स करने के बाद एमफिल और पीएचडी भी की जा सकती है.साथ ही स्कूल और कॉलेज में पढ़ा सकते हैं. देश के बाहर स्थित संस्थानों मसलन लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, ऑक्सफोर्ड विवि जैसे संस्थानों की मास्टर डिग्री भी काफी लोकप्रिय हैं.

**संस्थान** - सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, त्रिवेंद्रम टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंट, मुंबई मद्रास इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई इंदिरा गांधी इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता आईआईटी मद्रास दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, नई दिल्ली

# विदेशों में पढ़ने वाले कैसे मैनेज करें अपना खर्च...

**विदेशों में अध्ययन करने वालों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें कहां से स्कॉलरशिप और आर्थिक मदद मिल सकती है.**

विदेशी कॉलेजों और संस्थानों में पढ़ने की चाहत हर किसी की होती है और ज्यादातर छात्र अपने सपने को साकार करने में सफल भी हो जाते हैं. भारत की तुलना में विदेशों में रहकर पढ़ाई के दौरान दूसरे तमाम खर्च भी काफी होते हैं. हर छात्रों में अलग-अलग तरीके की आदतें होती हैं और वे उसी के मुताबिक काम भी करते हैं. ऐसे में, तय करना पड़ता है कि उनके पास कितने पैसे हैं और कितनी आमदनी होती है. सभी छात्रों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जब वे स्वदेश से इतनी दूर रहेंगे तो वहां उन्हें अपनी सहायता खुद ही करनी होगी, स्वतंत्र रहना होगा. दूसरे देश में रहना एक अनोखा और लाइफ चेंजिंग अनुभव है. विदेश में शिक्षा युवाओं को एक मौका देता है चाहे वह कल्चर की बात हो, सामाजिकता की बात हो या फिर एकेडमिक या पर्सनली.

विदेश जाने के लिए जहां आपको जाने से कई महीने पहले से तैयारी करनी पड़ती है, वहीं वहां जाने के बाद आपकी आर्थिक दिक्कत भी कम नहीं होती. गौरतलब है कि स्वतंत्र रहने पर ही जिम्मेदारी महसूस होती है लेकिन अकसर वे अपने कल्चर में बदलाव ले आते हैं जिस कारण उनका फिट बैठना दांव पर लगा होता है. ऐसे में, उनका खर्च बढ़ जाता है. हालांकि विदेश में पढ़ने के लिए भारतीय छात्रों के लिए तमाम स्कॉलरशिप और फेलोशिप मौजूद हैं, बावजूद इसके सभी को बाहर जाने से पहले और बाद में बजट तैयार करना चाहिए और उसके मुताबिक चलना भी चाहिए. विदेश में अध्ययन के दौरान एक-एक पैसे का हिसाब रखना जहां आवश्यक हो जाता है, वहीं हमेशा सतर्क रहना होता है.

**बजट** - अपने बजट से अधिक कभी भी खर्च न करें. यह न भूलें कि आप एक छात्र हैं और विदेश में अध्ययन करना काफी खर्चीला है और चीजें मुफ्त में नहीं मिलतीं. विदेशों में आपकी इच्छा दोस्तों के साथ बाहर खाना खाने, फिल्म देखने या फिर लोकल बार में जाने की हो सकती है, ऐसे में खुद पर कंट्रोल रखना जरूरी है. यदि जरूरी हो, तभी जाएं.

**मासिक/ साप्ताहिक बजट** - अपने बजट को संतुलित रखने के लिए आप अपना मासिक बजट बनाएं और हर हफ्ते उसे चेक करते रहें कि उनका खर्च मासिक बजट से अधिक न हो. यदि संभव हो तो हर दिन अपने खर्च को लिखें. हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि पूरे महीने के लिए आपके पास कितना पैसा है और कितना खर्च होगा. यदि किसी हफ्ते अधिक खर्च हो गया तो अगले हफ्ते इस खर्च का ख्याल रखें. इससे आपका बजट काफी संतुलित रहेगा.

**डेबिट और क्रेडिट को करें मैनेज** - अपनी रूटीन लाइफ को हमेशा मैनेज करें और याद रखें कि आप अपने घर पर नहीं रह रहे हैं. आकस्मिक खर्च के लिए हमेशा कुछ न कुछ पैसा अपने पास जरूर रखें. हमेशा क्रेडिट कार्ड का प्रयोग न करें. डेबिट कार्ड का प्रयोग करते समय इस बात का ख्याल रखें कि आपके पास कितने पैसे हैं और कितने पैसे खर्च कर रहे हैं.

**जॉब करें** - अपने बजट को मैनेज करने के लिए कोई न कोई जॉब करें. ऐसा विदेश में पढ़ने वाले ज्यादातर छात्र करते हैं. एजुकेशन कंसल्टेंट द चोपड़ा'ज के मुताबिक, पार्टटाइम जॉब तो हमेशा मिल जाता है जिससे आप अपने मासिक बजट को संतुलित कर सकते हैं. विदेश में पढ़ाई के दौरान एक्स्ट्रा खर्च काफी होता है, ऐसे में पार्टटाइम जॉब काफी राहत देता है. इससे जहां आप पढ़ाई के दौरान काम सीख सकते हैं, वहीं आपमें जिम्मेदारी की भावना भी आती है.

**स्कॉलरशिप भी अहम** - विदेशी संस्थानों में अध्ययन करने वालों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें कहां-कहां से स्कॉलरशिप के साथ आर्थिक सहायता मिल सकती है. यह सहायता आपके बजट को नियंत्रित रखता है. इस बात को भी सुनिश्चित करें कि आपको स्कॉलरशिप के तहत मिले फंड में से कितना अंश कोर्स को देना है और खुद पर कितना खर्च कर सकते हैं. इस संबंध में तमाम जानकारी मसलन लोन, ग्रांट, स्कॉलरशिप आदि की जानकारी होनी चाहिए.

**क्या होता है खर्च** - लिविंग एक्सपेंसेज हाउसिंग, मील एकेडमिक एक्सपेंसेज टयूशन, बुक्स ट्रेवल एक्सपेंसेज एयरफेयर, पासपोर्ट, वीजा, लोकल ट्रांसपोर्टेशंस कम्युनिकेशन एक्सपेंसेज इंटरनेट एक्सेस, सेल फोन प्रोग्राम एक्सपेंसेज एप्लीकेशन फी, ग्रुप एक्सकुर्सन हेल्थ एंड सेफ्टी एक्सपेंसेज इंश्योरेंस, इम्युनिजाइशन पर्सनल एक्सपेंसेज सोवेनियर्स, इंटरटेनमेंट

**एक्सचेंज रेट ध्यान रखें** - अपने बजट को संतुलित रखने के लिए हमेशा एक्सचेंज रेट को ध्यान में रखें. जब आप विदेश जाने की तैयारी करें तो बजट तय कर लें. फुड, ट्रेवलिंग, लॉजिंग, सोवेनियर, एक्स्ट्रा कैश आदि को लेकर करें. विदेश जाने के प्रोसेस, आवेदन, वीजा, कॉ लेज टयूशन फीस के अलावा रहने के बजट को भी ध्यान देना चाहिए. बैलेंस्ट लाइफ बिताने के लिए बजट को मैनेज करने की कला सीखें. यदि पढ़ाई के दौरान कैंपस में न रहकर बाहर रहना सस्ता होता हो, तो बाहर रहें. कैंपस से सटे इलाके में रहें. अकेले रहने में अधिक खर्च होता हो, तो अपने दोस्तों के साथ शेयर में रहें. इससे जहां आप सामाजिकता सीख पाएंगे, वहीं लोगों के साथ कैसे तालमेल बिठाया जाता है, जान पाएंगे. यदि आप किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसका कुछ पैसा आप स्थानीय बैंक में फिक्स डिपॉजिट के तौर पर जमा कर सकते हैं. जब आपको जरूरत हो तो उस पैसे को निकाल भी सकते हैं.

## अग्निवीर का प्रशिक्षण ले रही युवती ने की आत्महत्या

### -परेशानी से तंग आकर लड़की ने फांसी लगाई

मुंबई, ।मुंबई में नौसेना में अग्निवीर का प्रशिक्षण ले रही एक 20 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली। प्रेम प्रसंग के तनाव के चलते युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है। मृत लड़की का नाम अपर्णा है. मलाड की मालवणी पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था. प्रेम संबंध ठीक नहीं चलने के कारण युवती काफी समय से तनाव में थी। कहा जा रहा है कि इसी परेशानी से तंग आकर लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. युवती का हाल ही में अग्निवीर योजना के तहत चयन हुआ था। यह घटना तब हुई जब लड़की प्रशिक्षण के लिए आईएनएस हमला पर सवार थी। घटना की सूचना मिलते ही नेवी के डॉक्टरों को बुलाया गया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया. युवती की आत्महत्या के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है. उस लड़की का किसके साथ अफेयर चल रहा था? प्रेम संबंध में तकरार की वजह क्या थी? पुलिस इन सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

## लिव इन पार्टनर से नाबालिग बेटी का दुष्कर्म कराने वाली मां को 40 साल की सजा

तिरुवनंतपुरम।हालात कैसे भी रहें लेकिन एक मां अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद की जान देने में कतई नहीं हिचकती। इससे ठीक विपरीत एक मां का ऐसा कारनामा सामने आया है जो चौंकाता है और उसकी हरकत से नफरत करने को मजबूर करता है। तिरुवनंतपुरम की एक अदालत इस महिला को 40 साल की सजा,20 हजार का जुर्माना और 6 माह का साश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इस महिला ने अपने लिव इन पार्टनर को खुद की 7 साल की मासूम बेटी से रेप करने की सहमति दी। अपराध इतना घिनोना था कि महिला का पार्टनर और मुख्य आरोपी शिशुपालन ने आत्महत्या कर ली। प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फॉम सेक्सुअल एब्यूज(पॉक्सो) मामले में पीड़िता की मां को ही कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। मामला केरल का है। आरोप थे कि महिला ने अपने प्रेमी के नाबालिग बेटी का बलात्कार करने की अनुमति दे दी थी। कोर्ट ने महिला को 40 साल की जेल, 20 हजार रुपये जुर्माना और 6 महीने का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोप थे कि महिला ने तब 7 साल की बच्ची का रेप करने में लिव-इन पार्टनर की मदद की थी। तिरुवनंतपुरम स्पेशल फास्ट ट्रेक कोर्ट ने महिला को मातृत्व के नाम पर कलंक भी बताया है। साथ ही कहा कि वह दया कि अधिकारी नहीं है और अधिक से अधिक सजा का समर्थन किया। खास बात है कि अगर महिला जुर्माने की राशि नहीं दे पाती है, तो उसे 6 महीने और जेल में रहना होगा। घटना मार्च 2018 से सितंबर 2019 के बीच की है। दोषी महिला उस दौरान मानसिक रूप से बीमार अपने पति से अलग रह रही थी। वह इस मामले में मुख्य आरोपी रहे पुरुष मित्र शिशुपालन के साथ रह रही थी। उनके साथ 7 साल की बेटी भी रहती थी। कोर्ट ने पाया कि शिशुपालन ने लड़की का बलात्कार किया है, जिसके चलते उसे कई गंभीर चोटें आई हैं।खबर है कि शिशुपालन ने पीड़िता की मां की मिलिभगत से 2018 और 2019 के बीच कई बार यौन हिंसा को भी अंजाम दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने पीड़िता की 11 वर्षीय सौतेली बहन को भी शिकार बनाया। दोनों बच्चों को धमकाया गया कि यह बात किसी को भी न बताएं। हालांकि, दोनों बच्चियां बाद में भागकर अपनी दादी के घर पहुंच गईं थीं। घटना सुनते ही दादी ने बच्चियों को बालगृह में भेजा, जहां दोनों ने अपने साथ हुई दरिंदगी के बारे में बताया।

## हरियाणा में बढ़ रहे इन्फ्लूएंजा एच9एन2 वायरस के मामले

### -खटटर सरकार हुई सतर्क

चंडीगढ़ ।हरियाणा में चीन के उत्तरी क्षेत्र में तेजी से फैल रहे एवियन इन्फ्लूएंजा एच9एन2 वायरस के तेजी से बढ़ रहे मामलों को लेकर हरियाणा में अलर्ट जारी किया है। बच्चों में सांस की बीमारी और निमोनिया के मरीजों की मॉनिटरिंग शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक ने सूबे के सभी सीएमओ को तैयारियों की समीक्षा का निर्देश दिया है। इसके साथ ही बच्चों में निमोनिया के मामलों की निगरानी बढ़ाने और कोरोना के समय जारी की गई सभी हिदायतों के पालन को कहा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अलर्ट जारी करने के बाद खटटर सरकार ने सभी सीएमओ को अलर्ट रहने के ऑर्डर जारी किए गए हैं। डीजी हेल्थ की ओर से जारी ऑर्डर में कहा गया है कि प्रदेश के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में बच्चों में निमोनिया के मामलों की निगरानी बढ़ाई जाए। साथ ही इसकी रिपोर्ट लगातार मुख्यालय भेजी जाए। वहीं, अस्पतालों में बच्चों से संबंधित दवाइयों, ऑक्सीजन आदि की व्यवस्था के लिए भी समीक्षा करके मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जाए। मुख्यालय की ओर से कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जाए। केंद्र की ओर से कहा गया है कि इन्फ्लूएंजा संक्रमण के लक्षण कोरोना वायरस से काफी समान हैं। इसके बाद सभी राज्यों को कोरोना संक्रमण को लेकर पहले से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। इस बारे में स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. सोनिया त्रिखा खुल्लर ने कहा कि देश में कहीं भीइन्फ्लूएंजा संक्रमण के मामले की पुष्टि नहीं हुई है। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के बाद प्रदेशभर के सीएमओ को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। अभिभावक अपने बच्चों का ध्यान रखें और लगातार बुखार आने पर तुरंत डॉक्टरों से संपर्क करें।

## केसीआर के मंत्री के बिगड़े बोल....पूरे हिन्दुस्तान पर तेलुगु लोगों का राज होगा

हैदराबाद ।बॉलीवुड फिल्म एनिमल के कार्यक्रम में पहुंचे तेलंगाना के मंत्री मल्ला रेड्डी के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। केसीआर के मंत्री का कहना है कि पूरे हिन्दुस्तान पर तेलुगु लोगों का राज होगा। खास बात है कि रेड्डी का बयान उस समय पर आया है, जब तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में महज एक-दो दिनों का ही समय बचा है। सोशल मीडिया पर मंत्री के बयान का वीडियो आते ही प्रतिक्रियाओं का दौर भी शुरू हो गया है। मंच पर मंत्री ने कहा, रणबीर जी आपको एक बात बोलना चाहता हूं। अगला पांच साल में हिन्दुस्तान को, बॉलीवुड, हॉलीवुड पर राज करेगा हमारा तेलुगु लोग। आप भी एक साल के बाद हैदराबाद शिफ्ट होना पड़ता। क्यों बोले तब बॉम्बे पुराना हो गया। बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम हो गया। हिन्दुस्तान में एक ही शहर है, वहां है हैदराबाद। इस दौरान उन्होंने फिल्मी कलाकारों की तारीफ की। सोशल मीडिया पर एक ओर जहां रणबीर के शांत मिजाज की तारीफ की जा रही है। वहीं, कुछ लोग मंत्री के बयान से नाखुश नजर आ रहा है। एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रणबीर के अलावा रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर सहित कई कलाकार फिल्म में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

## हिंदु त्यौहार में छुटटी कम, मोहम्मद नीतीश और मोहम्मद लालू की सरकार बिहार में : गिरिराज

पटना ।बिहार में अगले साल स्कूलों में रक्षाबंधन, मकर सक्रांति की छुट्टियां नहीं मिलेंगी। तीज, जिउतिया और गांधी जयंती की छुट्टी भी खत्म की गई है। नीतिश सरकार ने गर्मी और ईद-बकरीद और मुहर्रम की छुट्टियों में इजाफा किया गया है। इसके अलावा दिवाली और छठ की छुट्टियां भी कम कर दी गई हैं। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने सरकारी स्कूलों में छुट्टी का कैलेंडर जारी किया। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जिस तरह से लालू यादव और नीतीश सरकार हिंदुओं पर हमला कर रही है, भविष्य में उन्हें मोहम्मद नीतीश और मोहम्मद लालू के नाम से जाना जाएगा। शिक्षा विभाग के मुताबिक, गर्मी की छुट्टी 20 से बढ़ाकर 30 दिनों की कर दी गई है, लेकिन गर्मी की छुट्टी के दौरान शिक्षक और कर्मचारी अन्य दिनों की तरह स्कूल में मौजूद रहने वाले हैं। दिवाली में एक दिन और छठ में तीन दिनों की छुट्टी रहेगी। तीज की दो और जिउतिया पर एक दिन की छुट्टी भी खत्म कर दी गई है। मुस्लिम स्कूलों-मदरसों की साप्ताहिक छुट्टी शुक्रवार कर दी गई है। दरअसल, बिहार सरकार ने इस बार उर्दू और सामान्य स्कूलों के लिए छुट्टी को लेकर अलग-अलग कैलेंडर जारी किया है। पिछले साल ईद की छुट्टी 22 अप्रैल को थी, जबकि इस साल ईद की छुट्टी 10, 11 और 12 अप्रैल को दी गई है। पिछले साल बकरीद में 2 दिनों की छुट्टी थी, इस इस साल बढ़कर 18, 19 और 20 जून यानी तीन दिनों की कर दी गई है। पिछले साल मुहर्रम की छुट्टी एक दिन थी, जबकि इस साल 17 और 18 जुलाई को छुट्टी दी गई है।

# प्रियंका ने बीआरएस को बताया फार्महाउस से शासन करने वाली पार्टी

### -तेलंगाना में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केसीआर सरकार पर साधा निशाना

**हैदराबाद (एजेंसी)।** तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर हमला बोला है। इस दौरान प्रियंका ने आरोप लगाया कि बीआरएस के बड़े नेता फार्महाउस में बैठकर सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गरीब और गरीब होता जा रहा है तथा सत्तारूढ़ पार्टी अमीर होती जा रही है। उन्होंने यहां से लगभग 50 किलोमीटर दूर भोंगिर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अगर बीआरएस फिर से सत्ता में आई तो सरकार फार्महाउस से चलेगी और भू-शराब माफिया राज्य पर शासन करेगा तथा रोजगार का कोई अवसर उपलब्ध नहीं होगा। बता दें कि यहां तीस नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए उन्होंने पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के बड़े नेता अपनी हवेलियों और फार्महाउस में बैठे हैं तथा सरकार चला रहे हैं। बीआरएस के सभी नेता बड़ी हवेलियों में बैठे हैं। उनकी सभी नीतियां केवल बड़े व्यवसायियों के लिए हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि तेलंगाना के गरीब और गरीब होते जा रहे हैं तथा बीआरएस पार्टी अमीर होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चाहे भाजपा हो या बीआरएस, उनकी नीति सिर्फ सत्ता में बने रहने और अमीर बनने की है तथा इन दलों के नेता भी धनी हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब जब भी चुनाव आते हैं, तो वे चुनाव प्रबंधन शुरू कर देते हैं। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए कि तेलंगाना के लोग बिकने के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार में ऊपर से नीचे तक हर स्तर पर भ्रष्टाचार है, यहां तक कि कालेश्वरम सिंचाई परियोजना सहित कोई भी परियोजना वास्तविक रूप से पूरी नहीं हुई है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा तेलंगाना में बीआरएस सरकार का समर्थन करती है, जबकि बीआरएस दिल्ली में भाजपा सरकार का समर्थन करती है तथा उनके तीसरे दोस्त असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम राज्य में दोनों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम अन्य राज्यों में 40 से 50 सीट पर लड़ती है, लेकिन तेलंगाना में वह केवल नौ सीट पर उम्मीदवार उतारती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये तीनों दल एक तरफ हैं और कांग्रेस दूसरी तरफ है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई है और उसने देश की संपत्ति अपने उद्योगपति मित्रों को दे दी है।

## अगले जलवायु शिखर सम्मेलन में ठोस कार्रवाई पर जोर देने की जरुरत : निर्मला

नई दिल्ली ।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में जलवायु वित्त पोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को लेकर ठोस कार्रवाई पर जोर देने की जरुरत बताई है। गौरतलब है ?कि संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन का 28वां संस्करण 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जलवायु प्रभावों, जीवाश्म ईंधन के उपयोग, मीथेन उत्सर्जन, और ग्लोबल वार्मिंग उत्सर्जन को कम करने समेत विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की उम्मीद है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनने के लिए अमीर देशों की तरफ से विकासशील देशों को मुआवजे के तौर पर वित्तीय सहायता दिए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है।'इंडिया ग्लोबल फोरम मिडिल ईस्ट एंड अफ्रीका' 2023के उद्घाटन समारोह में डिजिटल सत्र के दौरान सीतारमण ने कहा कि इस जलवायु सम्मेलन में देशों को दिशा दिखाई जानी चाहिए। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा ?कि आगामी वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई की जरुरत है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में कोरी बयानबाजी के स्थान पर ठोस कार्रवाई पर जोर दिया जाना जरुरी होगा।

# पन्नू मामले में भारत की अमेरिका ने की तारीफ,कनाडा को लगाई फटकार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हाल ही में अमेरिका ने दावा किया था कि खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिका में एक साजिश के तहत हत्या हो सकती थी। इस साजिश को अमेरिका ने नाकाम करने की बात कही थी। इसको लेकर भारत की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि अमेरिका ने तो फिर भी पन्नू के मामले में लीगली प्रजेंटेबल इनपुट भारत को दिए हैं लेकिन कनाडा ने केवल मनगढ़ंत आरोप ही लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने साजिश के पीछे इंडियन कनेक्शन बताया है तो उसका मतलब यह कतई नहीं हुआ कि भारत का हाथ है बल्कि बहुत सारे भारतीय मूल या फिर भारत के लोग हैं जिनका हाथ हो सकता है। अमेरिका ने भारत सरकार की बात नहीं की है।

कनाडा के एक इंटरव्यू में वर्मा ने कहा कि जब आप अमेरिका से मिले इनपुट्स की बात करते हैं तो यह इनपुट गैंगस्टर्स, ड्रग तस्कर, आतंकवादी, हथियार बेचने वालों के बारे में हैं कि यूएस में रहते हैं। माना जा रहा है कि इसमें भारत का कनेक्शन हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि भारत सरकार का कनेक्शन, भारत में 140 करोड़ की आबादी है इसलिए कोई भी भारतीय कनेक्शन हो सकता है। इसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के संबंध काफी अच्छे हैं। इसलिए हम मानते हैं कि उधर से सही जानकारी ही मिलेगी।

खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के संबंध तनावपूर्ण हैं। इसी बीच अमेरिका में खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश की भी बात सामने आई। कनाडा में भारती उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा कि अमेरिका ने तो फिर भी लीगली प्रजेंटेबल इनपुट भारत को दिए हैं लेकिन कनाडा ने केवल मनगढ़ंत आरोप ही लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने साजिश के पीछे इंडियन कनेक्शन बताया है तो उसका मतलब यह कतई नहीं हुआ कि भारत का हाथ है बल्कि बहुत सारे भारतीय मूल या फिर भारत के लोग हैं जिनका हाथ हो सकता है। अमेरिकाने भारत सरकार की बात नहीं की है।

पहली बार किसी भारतीय सीनियर अधिकारी ने कनाडा और अमेरिका द्वारा दिए गए इनपुट में अंतर बताया है। बता दें कि खबरों के मुताबिक अमेरिकी धरती पर पन्नू को मारने की साजिश को लेकर रिपोर्ट के बाद भारत ने कहा था कि इनपुट्स को गंभीरता से लिया जा रहा है और इसकी जांच शुरू हो चुकी है। वहीं जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के आरोप लगाए थे तब भारत का रुख एकदम अलग था। भारत ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें मनगढ़ंत और बेहूदा बताया था।

भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि कनाडा और भारत के अधिकारियों के बीच बात हुए लेकिन हमें कोई पुख्ता सबूत चाहिए जिससे कि कानूनी संस्थाओं के पास जाकर हम जांच करवा सकें। जब तक कोई पुख्ता इनपुट नहीं मिलता हम जांच नहीं कर सकते। जब उनसे पूछा गया कि निज्जर की हत्या के मामले में भारत सहयोग करेगा या नहीं तो उन्होंने कहा, सहयोग की बात करने का मतलब है कि हम मान रहे हैं कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। जबकि ऐसा नहीं है। हमने कहा है कि पुख्ता सबूत दीजिए तब हम इस मामले को देखेंगे।

## अफगानिस्तान ने भारत में बंद किया दूतावास, चुनौतियों का दिया हवाला

### -भारत में रह रहे अफगानियों पर इससे कोई असर नही पड़ेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अफगानिस्तान ने भारत में अपना दूतावास बंद कर दिया है। इसके पीछे कई तरह की चुनौतियां बताई जा रही हैं। हालांकि भारत ने तालिबान को मान्यता नहीं दी है, एक वजह यह भी बताई जा रही है। वहां पर तालिबान का राज आने के बाद से उथल-पुथल मची हुई है। चरमपंथी रवैये की वजह से दुनिया के कई देश तालिबान को सरकार के तौर पर मान्यता देने से बच रहे हैं। भारत भी उनमें से एक है। तालिबानी हुकूमत को नहीं मानने की वजह से ये सारा फसाद खड़ा हुआ। दसअसल भारतीय विदेश मंत्रालय तालिबान के आने से पहले भारत में तैनात अफगान राजदूत को ही देश का असल राजदूत मानती रही। इस बीच तालिबान ने अपने आदमी को एंबेसी इंचार्ज बना दिया। अब भारत के सामने उलझन ये हुई कि अगर वो साल 2021 वाले एंबेसेडर से ही राजनयिक संबंध रखता तो तालिबान नाराज हो जाता। वहीं मान्यता न देने की वजह से वो तालिबानी राजनयिक को भी नहीं मान सकता था। ये डिप्लोमेटिक नियमों से अलग हो जाता। इसी वजह से कई तरह के तकनीकी मुश्किलें आने लगीं।

वहीं तालिबान का कहना है कि एंबेसी ने माना कि उसे जरूरी सपोर्ट नहीं मिल पा रहा है। हालांकि जरूरी सपोर्ट का खुलासा उसने नहीं किया। अफगानिस्तान के हितों को पूरा करने की उम्मीदों पर खरा न उतर पाना भी एक वजह बताई गई। तालिबान एंबेसी ने माना कि उसके पास लोगों और संसाधनों की कमी हो रही है। यहां तक वीजा रिन्यूअल भी समय पर नहीं हो पा रहा। बाकी देशों में तालिबान की एंबेसी नहीं है। चूंकि कोई भी देश तालिबान को नहीं मानता है, इसलिए उसके पास आधिकारिक सरकारी दर्जा ही नहीं है। ऐसे में वो राजदूत अपॉइंट नहीं कर सकता। तालिबान ने इसके लिए बीच का रास्ता निकालकर फॉरेन मिशन नाम से अपने लोगों को विदेशों में तैनात कर रहा है। जानकार बता रहे हैं कि यहां जिस झंडे का उपयोग हो रहा है, उसे इस्लामिक एमिरेट्स ऑफ अफगानिस्तान कहा जाता है, जबकि अफगानिस्तान सरकार इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान के नाम से काम किया करती थी। हालांकि ये कोई डिप्लोमेटिक टेंशन नहीं, जिसकी वजह से तालिबान को ऐसा करना पड़ा। ऐसी स्थिति में भारत में बसे अफगानियों को कोई समस्या नहीं होगी। हां, वीजा या जिन जरूरतों के लिए वे लोग एंबेसी से संपर्क करते थे, उस प्रोसेस में जरूर कोई बदलाव आ सकता है। हो सकता है कि उनका कोई डिप्लोमेटिक मिशन या छोटा हिस्सा यहां काम करता रहे ताकि अपने लोगों को समय पर उचित सलाह दे सके।

## पाठ्यक्रम तय करना सरकार का काम : सुप्रीम कोर्ट

### -स्कूलों में सीपीआर पढ़ाने की याचिका को सर्वोच्च न्यायालय ने किया खारिज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** स्कूली में बच्चों को क्या पढ़ाना, क्या नहीं पढ़ाना यह सरकार का काम है, इस संबंध में कोर्ट कोई निर्देश नहीं दे सकती है। बता दें कि हार्ट अटैक से जान बचाने में कारगर सीपीआर तकनीक को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग को लेकर एक याचिका लगाई थी, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि याचिका में की गई मांग सरकार के नीतिगत मसलों के तहत आती है। सरकार को तय करना है कि स्कूली बच्चों का पाठ्यक्रम क्या हो। ऐसी अनगिनत चीजे हो सकती हैं जिनकी जानकारी बच्चों को पढ़ाई के दौरान ही होनी चाहिए पर कोर्ट अपनी ओर से उन सब को पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्देश नहीं दे सकता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि इस बाबत आप चाहें तो सरकार को ज्ञापन दे सकते हैं। बता दें कि सीपीआर सिखाने की मांग करने वाली याचिका पर याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि हाल के समय में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूलों में बच्चों को हृदय रोग संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए।

याचिका में आपातकालीन स्थिति में सीपीआर के जरिए मरीज की सहायता कैसे की जाए, इसकी भी मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने कहा कि बच्चे क्या पढ़ें, यह हम तय नहीं कर सकते। बताया गया ?कि बीते कुछ महीनों से ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं जिसमें स्कूली बच्चे भी हार्ट अटैक के शिकार हुए हैं। इसी साल पिछले सितंबर माह में लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल में नौवीं कक्षा के एक छात्र की अचानक मौत हो गई थी। उस छात्र की मौत को भी हार्ट अटैक से मौत माना गया था। इसी तरह अक्टूबर के महीने में राजस्थान के बीकानेर में एक मासूम की देखते ही देखते तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। इस तरह के कई और मामले देखे गए हैं।

## विधानसभा से सस्पेंड हुए भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी, स्पीकर के अपमान का आरोप

**कोलकाता (एजेंसी)।** भाजपा नेता और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी को मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उन्हें विधानसभा के शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया था। उन पर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। सत्ता पक्ष के विधायक तापस राय ने सुवेंदु को निलंबित करने का प्रस्ताव विधानसभा से लाया था। उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि संविधान दिवस पर एक संकल्प पर चर्चा के दौरान अधिकारी ने सदन के अंदर नारे लगाये। इसके बाद, वह और अन्य भाजपा विधायक अध्यक्ष की चेतावनी के बावजूद सदन से बाहर चले गये।

सोमवार को राज्य विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक खींचतान देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र बिंदु बीजेपी का प्रस्ताव था। बीजेपी ने राज्य सरकार की नीतियों पर चर्चा का प्रस्ताव रखा, लेकिन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। केवल प्रस्ताव पढ़ने की अनुमति दी गई, जिसके बाद भाजपा ने वॉकआउट कर दिया। विधानसभा कक्ष के बाहर बीजेपी विधायकों ने धरना दिया। तृणमूल के सभी लोगों पर चोर होने का आरोप लगाते हुए नारे लगाये गये। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए और जुबानी हमले किए। तृणमूल के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'क्या जनता ने हमें यहां झगड़ा करने या वेतन वसूलने के लिए भेजा है? इसलिए, हमने वही किया है जो भाजपा कर रही है।'

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई के समर्थकों ने सोमवार को पार्टी के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी में राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और रैलियां निकालीं। भाजपा ने अपने 12 घंटे के बंद के आह्वान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने कहा कि खेजुरी में सड़क से वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अवरुद्ध हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध करने के लिए प्रदर्शनकारियों ने मार्ग पर लट्ठे डाल दिए। भाजपा ने खेजुरी में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है और आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को मनगढ़ंत मामलों में गिरफ्तार किया जा रहा है।

## उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पीएम मोदी की कुछ ज्यादा ही कर दी तारीफ, विपक्ष ने घेरा

नई दिल्ली ।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कुछ ज्यादा ही कर दी। नतीजा ये हुआ कि धनखड़ विपक्ष के निशाने पर आ गए। दरअसल धनखड़ ने जैन गुरु और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी को समर्पित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं। बीती सदी के महापुरुष महात्मा गांधी थे। इस सदी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सच्चाई और अहिंसा से हमें ब्रिटिशों की गुलामी से आजाद कराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया, जिसे हम हमेशा देखना चाहते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी और पीएम मोदी दोनों ने श्रीमद राजचंद्रजी की शिक्षा को दर्शाती हैं।

## धार्मिक स्थलों पर यूपी सरकार का एक्शन, उतरवाए गए अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकर

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश में राज्य पुलिस ने धार्मिक स्थानों सहित सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकरों के खिलाफ एक महीने का अभियान शुरू किया है, जिसमें डेसिबल स्तर और वैधता की जांच की जा रही है। पहले दिन 3,238 अवैध लाउडस्पीकर हटाए गए और 7,288 लाउडस्पीकरों का डेसिबल स्तर कम किया गया। अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकरों के खिलाफ पिछले अदालती फैसलों के बाद इस अभियान का आदेश दिया गया है। अकेले आगरा में 187 लाउडस्पीकर हटा दिए गए और 79 लाउडस्पीकरों का डेसीबल स्तर कम कर दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, कानपुर पुलिस ने 26 नवंबर को शुरू हुए एक अभियान में 300 लाउडस्पीकरों को हटा दिया, जो निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे। कानपुर पुलिस की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मानदंडों के विरुद्ध या निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक चलने वाले लाउडस्पीकर या ध्वनि एम्पलीफायरों को हटाने के आदेश पारित करने के बाद आई है। एक वीडियो में, हिंदू और मुस्लिम समुदायों के धार्मिक नेताओं को कानपुर पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में मंदिरों और मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाते हुए देखा जा सकता है। कानपुर पुलिस की मुहिम को देखकर शहर भर के कई धर्मगुरुओं ने भी खुद ही लाउडस्पीकर हटा दिए हैं। अपने अभियान में, पुलिस ने शहर भर के कई मंदिरों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थानों से लगभग 300 लाउडस्पीकर हटा दिए। पिछले साल अप्रैल में राज्य सरकार ने भी पूरे राज्य में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए इसी तरह का अभियान चलाया था। उल्लंघन करने वालों को नोटिस दिया गया और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। महीने भर चलने वाले अभियान के लिए हर जिले में वरिष्ठ अधिकारियों की पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

राज्य पुलिस मुख्यालय से प्राप्त विवरण के अनुसार सोमवार को अभियान के पहले दिन राज्य भर में सार्वजनिक/धार्मिक स्थानों पर लगे 61,399 लाउडस्पीकरों की जांच की गई। अधिकारियों ने कहा कि 3238 अवैध लाउडस्पीकरों को हटा दिया गया, जबकि 7288 लाउडस्पीकरों का डेसीबल स्तर, जो अनुमेय सीमा से अधिक था, कम कर दिया गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उसकी लखनऊ पीठ ने कई मौकों पर राज्य सरकार को अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकरों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अदालत ने बदायूँ जिले के एक निवासी की

याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया था, जिसने शिकायत की थी कि जिले की बिसौली तहसील के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने अजान के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग करने के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

## विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर टूटकर हुआ अलग

### – ग्रेटर लंदन से भी है बड़ा साइज

लंदन । ग्रेटर लंदन से ज्यादा आकार वाला विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर अब टूट कर अलग हो चुका है। यह पहले अंटार्कटिका का हिस्सा था, और अब अलग हो गया है। इससे जुड़े खतरे पर वैज्ञानिकों की नजर इस पर टिकी है। इसका नाम ए23ए ग्लेशियर रखा गया है। यह ग्लेशियर साल 1986 में अंटार्कटिक के तट से अलग हो गया था। हाल के महीनों में हवाओं और धाराओं के कारण ग्लेशियर ए23ए की बहाव की गति में तेज़ी आ गई है। इसने ज़मीन पर आकर एक प्रकार का 'बर्फ़ द्वीप' बना दिया है। बताया जा रहा है कि, 'इसकी हलचल जल्द ही इसे अंटार्कटिक जलक्षेत्र से आगे ले जा सकती है।' ग्लेशियर ए23ए का क्षेत्रफल लगभग 4000 स्क्वार किलोमीटर है। इसका आकार ग्रेटर लंदन से दोगुना से भी अधिक है। 1986 में जब यह अंटार्कटिका से अलग हुआ तो इस पर एक सोवियत संघ का अनुसंधान केंद्र था, लेकिन ग्लेशियर ए23ए अंटार्कटिका से अलग होने के बाद वेडेल सागर में 'समा' गया था, लेकिन 40 साल तक अपनी जगह पर रहने के बाद यह फिर से आगे की ओर बढ़ने लगा है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ डॉ एंड्रयू फ्लेमिंग ने बताया, 'मैंने अपने कुछ सहकर्मियों से ग्लेशियर ए23ए आए बदलाव के बारे में पूछा था। मुझे लगा कि क्या शेल्फ़ के पानी के तापमान में कोई संभावित बदलाव था, जिसने इसे बहाव उकसाया होगा।' इसने साल 1986 में टूटने के बाद किसी प्राकार की गतिविधि करना बंद कर दिया था। धीरे-धीरे इसका आकार (आकार में) इतना कम हो गया कि इसकी पकड़ ढीली हो गई और यह फिर से हिलना शुरू कर दिया था। 2020 में पहली बार इसमें हलचल दिखाई दी थी। हाल के महीनों में हवाओं और धाराओं के कारण ए23ए की गति तेज़ हो गई है। ऐसी भविष्यवाणी की जा रही है कि यह अटलांटिक महासागर के दक्षिणी भाग में दक्षिण जॉर्जिया नामक द्वीप को डूबा देगा। यह द्वीप लाखों सील, पेंगुइन और अन्य पक्षियों का घर है।

## 18 साल बाद भी भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु करार नहीं ले सका मूर्त रूप

वाशिंगटन । 18 साल से अधिक समय के बाद भी भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौता मूर्त रुप नहीं ले सका है। इसके पीछे अनेक कारण बताए जा रहे हैं। एक शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा है कि टाटा चेयर फॉर स्ट्रेटेजिक अफेयर्स और प्रतिष्ठित 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के वरिष्ठ शोधवेत्ता एशले जे टेलिस ने कहा कि भारत ने अभी तक उन बाधाओं को दूर नहीं किया है जो अमेरिका से परमाणु रिएक्टरों की खरीद को रोकती हैं, वहीं अमेरिका दूरदर्शिता के साथ नीति पर खरा नहीं उतर सका है। उन्होंने 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के सोमवार को प्रकाशित मुखपत्र में लिखा कि 2005 में हुए असैन्य परमाणु समझौते को अंततः लागू करने की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की महत्वाकांक्षा भारत को अमेरिकी परमाणु रिएक्टरों की बिक्री के साथ खत्म नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके बजाय लंबे समय से चली आ रहीं अमेरिकी नीतियों में संशोधन होने तक विस्तार करना चाहिए जो भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम के अस्तित्व को गहन तकनीकी सहयोग कर सके। इस पर टेलिस ने कहा कि जहां तक भारत की बात है तो वह परमाणु करार के लागू होने के दौरान की गईं लिखित प्रतिबद्धताओं के अनुरूप उन अवरोधों को लंबे समय से दूर नहीं कर पाया है जो अमेरिका से परमाणु रियेक्टरों की उसकी खरीद को रोक रहे हैं। जहां तक अमेरिका की बात है तो एक अलग ही तरह की चुनौती है कि वह दूरदर्शिता के साथ नीतियों पर खरा नहीं उतर रहा। उन्होंने कहा कि बाइडन की सितंबर में हुई भारत यात्रा के बाद संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया कि दोनों नेताओं ने परमाणु ऊर्जा में भारत-अमेरिका सहयोग को सुविधाजनक बनाने के अवसरों का विस्तार करने के लिए दोनों पक्षों की संबंधित संस्थाओं के बीच गहन विचार-विमर्श का स्वागत किया, जिसमें सहयोगात्मक रूप से अगली पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर भी शामिल किए गए है।

## दक्षिणपूर्व ब्राज़ील में वाहनों की दुर्घटना में 6 की मौत

रियो डी जनेरियो । दक्षिणपूर्वी ब्राजील में इगारेपे पर्वत श्रृंखला में एक राजमार्ग पर हादसा होने के समाचार हैं। यहां पर 13 वाहनों की आपसी टक्कर में सोमवार को कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने अग्निशमन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी दी। दुर्घटना मिनस गेरैस राज्य की राजधानी बेलो होरिज़ोंटे के महानगरीय क्षेत्र में उस समय हुयी। उस समय 27 टन लोहा ले जा रहा एक ट्रक स्पष्ट रूप से नियंत्रण खो बैठा और दो अन्य भारी वाहनों से टकरा गया और यह हादसा हो गया। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

## यूक्रेन में आया बफ़ीला तूफ़ान, 5 की मौत, 19 हुए घायल

कीव । यूक्रेन में बर्फीला तूफान आने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 लोग घायल हो गए। इस बात की पुष्टि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमोर ज़ेलेंस्की ने सोमवार देर रात की। उन्होंने कहा कि देश के दक्षिणी क्षेत्र ओडेसा में भीषण तूफान के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है और 19 घायल हो गए हैं। इस मामले में अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन में सोमवार रात भयंकर बर्फीला तूफान आया, जिससे 17 क्षेत्रों में यातायात बुरी तरह से बाधित हुआ और बिजली गुल हो गई। वहीं देश के ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि तेज हवाओं ने बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचाया है। लिहाजा देश में 1,500 से अधिक बस्तियों में बिजली गुल हो गयी। ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी ओडेसा और मायकोलाइव क्षेत्र, मध्य निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र और उत्तरी कीव क्षेत्र बफ़ीले तूफ़ान से सबसे अधिक लोग प्रभावित हुए।

## न्यूयॉर्क में मां को ही चाकू दिखाकर मौत के घाट उतार देने की धमकी

वॉशिंगटन । अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शख्स ने अपनी मां को ही चाकू दिखाकर मौत के घाट उतार देने की धमकी दी।रिपोर्ट के अनुसार, शख्स ने अपनी मां को जान से मारने की धमकी देकर जबरदस्ती पास के एटीएम में बाल खींचकर घसीटने की कोशिश की और मां को बेरहमी से पीटा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट में घटनास्थल पर मौजूद लोगों के हवाले से बताया कि, आरोपी एक बिल्डिंग से बाहर आया और उसने अपनी मां के बाल पकड़ लिए, इसके बाद आरोपी ने आसपास खड़े लोगों को दूर रहने का निर्देश दिया। वह कथित तौर पर चिल्लायास मेरे पास मत आओ, मैं उसे मारने जा रहा हूं। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपी के हाथ में चाकू था, वह अपनी मां के बालों को पीछे से पकड़े हुए था। इसके बाद उसने उन्हें सड़क पर धक्का दे दिया। आरोपी को गिरफ्तार करते समय पुलिस को मुठभेड़ का सामना करना पड़ा है। उसकी गिरफ्तारी के दौरान 2 पुलिस अधिकारियों को चोटें आईं। संदिग्ध को निहत्था करते समय एक अधिकारी के हाथ में कट लगा और दूसरे को घुटने में चोट लगी।

## रूसी विदेश मंत्री ने जयशंकर का समर्थन कर कहा, दुनिया सिर्फ यूरोप से कहीं अधिक

मॉस्को । रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने वैश्विक संरचना और बहुध्रुवीयता में आए बदलाव के बारे में विस्तार से बात करते हुए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की बात का समर्थन किया है। उन्होंने कहा,दुनिया यूरोप से कहीं अधिक है और दुनिया पश्चिम से भी कहीं अधिक है। रूसी विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्री लावरोव के हवाले से कहा, दुनिया में मौजूदा समय में कई ध्रुव बने हैं। वर्तमान संस्करण का मुख्य अंतर वास्तव में वैश्विक अनुपात हासिल करने का मौका है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांत पर भरोसा करना है, जिसमें राज्यों की संप्रभुता एक समान है। पहले, वैश्विक महत्व के निर्णय स्पष्ट कारणों से, पश्चिमी समुदाय से आने वाली प्रमुख आवाज वाले देशों के एक छोटे समूह द्वारा लिए जाते थे। गौरतलब है कि यूक्रेन में संघर्ष के बीच रूसी तेल खरीदने के भारत के रुख का बचाव कर विदेश मंत्री जयशंकर ने भी इस तरह का बयान दिया था। जयशंकर ने कहा था,यूरोप को इस मानसिकता से बाहर आना होगा कि यूरोप की समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं, लेकिन दुनिया की समस्याएं यूरोप की समस्याएं नहीं हैं। लावरोव ने कहा कि आज ग्लोबल साउथ और ग्लोबल ईस्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले नए खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर कदम रखा है और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा, हम उचित रूप से उन्हें वैश्विक बहुमत कहते हैं।

यरुशलेम में गाजा में बंधक बनाए गए इजरायली बंधकों के पोस्टर देख रहे लोग। हमास ने सोमवार को गाजा में बंद इजरायली बंधकों के चौथे बैच को रिहा कर दिया आने वाले दिनों में इजरायल और अन्य देशों के बंधकों के मुक्त होने की उम्मीद है।

## ब्रिटेन में एच1एन2 से संक्रमित हुआ एक शख्स, स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी हुई सतर्क

लंदन । दुनिया के कई देश इन दिनों खतरनाक बीमारियों से जूझ रहे हैं। एक ओर जहां चीन में निमोनिया ने कोहराम मचा रखा है। वहीं अब स्वाइन फ्लू के एच1एन2 ने ब्रिटेन की चिंता को बढ़ा दिया है। सूअरों में मिलने वाले यह स्ट्रेन एक इंसान में मिलने का पहला मामला सामने आया है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। सांस संबंधित परेशानी होने पर युवक का टेस्ट किया गया था। इस दौरान उसके अंदर स्वाइन फ्लू स्ट्रेन एच1एन2 पाया गया। बता दें कि यह वायरस सूअरों में पाया जाता है। लेकिन किसी इंसान में फ्लू के इश स्ट्रेन का ब्रिटेन में यह पहला मामला है। शख्स के अंदर स्वाइन फ्लू के हल्के लक्षण थे और वह पूरी तरह से अभी ठीक है। हालांकि अभी ये नहीं पता चल पाया है कि स्वाइन फ्लू का यह स्ट्रेन कितना खतरनाक है। स्वाइन फ्लू का यह स्ट्रेन जिस व्यक्ति में मिला है, उसका सूअरों के साथ काम करने का या कोई संपर्क रहने की भी बात सामने नहीं आई है। वहीं यूकेएचएसए ने कहा कि इस स्ट्रेन से महामारी फैलने की संभावना पर अभी कुछ भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगा। संस्था ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी लगातार संक्रमण के सोर्स का पता लगाने में जुटे हुए हैं। लेकिन अभी इसका सोर्स नहीं मिला है। पिछले 20 वर्षों में दुनिया भर में ए(एच1एन2)वी के 50 मानव मामले सामने आए हैं। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने कहा कि मरीज को हल्की बीमारी का अनुभव हुआ था और वह पूरी तरह से ठीक हो गया है। नियमित राष्ट्रीय फ्लू निगरानी के दौरान संक्रमण का पता चला था और संक्रमण का स्रोत का पता नहीं चला। यूकेएचएसए में निदेशक मीरा चंद ने कहा, 'फ्लू की नियमित निगरानी और जीनोम सीक्वेंसिंग जारी रखने की वजह से हम इस वायरस का पता लगाने में कामयाब रहे।

## मानवाधिकार संस्था का बड़ा आरोप, मानव अंगों को चुरा रहे इजराइली सैनिक

### –कई शवों से किडनी, लीवर, हार्ट और कॉर्निया नहीं

**गाजा (एजेंसी)।** मिडिल-ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका एवं यूरोप में मानवाधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था यूरो-मेड ह्यूमन राइट्स मॉनिटर ने आरोप लगाया है कि इजरायली सेना गाजा संघर्ष में मारे गए फिलिस्तीनियों की लाशों से उनके अंगों को चुरा रही है। मानवाधिकार संस्था ने मामले की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच का आह्वान किया है। संस्था का आरोप है कि इजरायली सुरक्षा बल के जवान कब्र खोदकर भी फिलिस्तीनी लाशों से अंग चुरा रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मानवाधिकार संस्था ने इजरायली सेना द्वारा उत्तरी गाजा पट्टी में अल-शिफा मेडिकल कॉम्प्लेक्स और इंडोनेशियाई अस्पताल से दर्जनों शवों को जब्त करने और तथाकथित सुरक्षित गलियारे - सलाह-अल-दीन और उसके आसपास से अन्य शवों को जब्त करने का दस्तावेजीकरण किया है। जिनेवा स्थित संगठन के अनुसार, इजरायली सेना ने अल-शिफा अस्पताल के एक प्रांगण में सामूहिक कब्र से शवों को खोदकर भी निकाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दर्जनों लाशों को रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को भी सौंपा गया है, जिसमें उन्हें दफ्नाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दक्षिणी गाजा पट्टी में पहुंचाया गया है। वहां भी इजरायली सेना ने दर्जनों शवों को अपने पास रखा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मानवाधिकार संगठन ने गाजा पट्टी में तैनात कई चिकित्सा पेशेवरों की रिपोर्ट का हवाला देकर लाशों से अंग चोरी के बारे में चिंता व्यक्त की है। इन चिकित्सकों ने कुछ शवों की जांच की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच में पाया गया कि कोक्लीयर (कान के पार्ट) और कॉर्निया (आंख के पार्ट) के गायब होने के साथ-साथ लिवर, किडनी और हार्ट जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंग भी शामिल हैं।

गाजा पट्टी में कई फिलिस्तीनी अस्पतालों के डॉक्टरों ने यूरो-मेड मॉनिटर टीम को बताया कि अंग चोरी को केवल फोरेंसिक चिकित्सा जांच से साबित या अस्वीकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि मौत से पहले कई शरीरों की शल्य चिकित्सा की जाती है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजरायल का मृत फिलिस्तीनियों के शवों को अपने पास रखने का इतिहास रहा है। इजराइल ने करीब 145 फ़िलिस्तीनियों के अवशेषों को अपने मुर्दाघरों में और लगभग 255 को जॉर्डन की सीमा के पास अपने तथाकथित नंबर्स कब्रिस्तान में रख रखा है, जो जनता की पहुंच से बाहर है। इसके अलावा इजरायल ने 75 लापता लोगों के अवशेष भी रख रखे हैं जिनकी पहचान अबतक नहीं की गई है।

## समुद्र के अंदर सीक्रेट सुरंग बनाने की तैयारी में रूस और चीन

### –यह सुरंग रूस को क्रीमिया से जोड़ेगी

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** रूस और चीन साथ मिलकर समुद्र के अंदर एक सीक्रेट सुरंग बनाने पर चर्चा कर रहे हैं। 17 किलोमीटर (11 मील) लंबी यह सुरंग रूस को क्रीमिया से जोड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के कारोबारी ने रूस-क्रीमिया टनल प्रोजेक्ट पर बातचीत की है। रूस और चीन की नजदीकियां किसी से छुपी नहीं हैं, लेकिन यहां हैरानी की बात है कि चीन उस इलाके में प्रोजेक्ट पर रूस का साथ देने की सोच रहा है, जिसे चीन मान्यता नहीं देता। दरअसल, रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। चीन ने अब तक कब्जे को मान्यता नहीं दी है। चीन अब भी क्रीमिया को रूस का हिस्सा नहीं मानता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और चीन समुद्र के अंदर जिस सीक्रेट सुरंग को बनाने पर चर्चा कर रहे हैं, उस कर्च ब्रिज के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, रूस-यूक्रेन जंग के बीच 8 अक्टूबर 2022 को यूक्रेनी सैनिकों ने कर्च ब्रिज पर हमला कर दिया था। धमाके में पुल का एक हिस्सा गिर गया था।रिपोर्ट के मुताबिक चाइनीज रेलवे कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (सीआरसीसी) ने बताया कि उनके कर्मचारी क्रीमिया में रेलवे और सड़क बनाने से जुड़े प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए तैयार हैं। सीआरसीसी चीन की सरकारी कंपनी है। रिपोर्ट में रूसी कारोबारी व्लादिमिर कलयुजनी के ई-मेल के हवाले से कहा गया कि उन्होंने सुरंग परियोजना के लिए ठेकेदार के रूप में काम करने में रुचि जाहिर किया है। हालांकि कलयुजनी ने इस बात को खारिज किया। उन्होंने रूस और सीआरसीसी के बीच किसी भी तरह के सहयोग पर बात करने से साफ इंकार कर दिया।

कर्च ब्रिज सैन्य रूप से रूस के लिए बेहद अहम है। इसका बदला लेने के लिए रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में 80 से ज्यादा मिसाइलें दागी थीं। रूस ने 2014 में यूक्रेनी इलाके क्रीमिया को अपने कब्जे में ले लिया था। इसके बाद इस इलाके को रूस से जोड़ने केलिए समंदर में कर्च पुल को बनाया था। इस ब्रिज को क्रीमिया पर रूस के कब्जे के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले कर्च ब्रिज यूरोप का सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई 19 किलोमीटर है।

## तानाशाह के जासूसी सैटेलाइट ने खींची, व्हाइट हाउस, पेंटागन और अमेरिकी नौसैनिक स्टेशनों की तस्वीरें

**सोल (एजेंसी)।** उत्तर कोरिया और उसके तानाशाह नेता किम जोंग उन हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार फिर उत्तर कोरिया अपने जासूसी सैटेलाइट को लेकर चर्चा में है। उ.कोरिया ने दावा किया कि उसका पहला जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में स्थापित हो गया है, इस पिछले सप्ताह कक्षा में लांच किया गया था। इस जासूसी सैटेलाइट ने व्हाइट हाउस, पेंटागन और आसपास के अमेरिकी नौसैनिक स्टेशनों की तस्वीरें ली हैं। रिपोर्ट के अनुसार प्रमुख अमेरिकी साइटें उन क्षेत्रों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिनका दावा है कि उत्तर कोरिया ने 21 नवंबर को शुरू की गई अपनी टोही जांच का उपयोग करके तस्वीरें खींची हैं। राज्य के आधिकारिक मीडिया ने कहा कि नेता किम जोंग उन ने रोम, गुआम में एंडरसन वायु सेना बेस, पर्ल हार्बर और अमेरिकी नौसेना के कार्ल विंसन विमान वाहक की पिछली तस्वीरों के साथ लेटेस्ट फोटो देखी हैं। मालूम हो कि दक्षिण कोरिया ने इस साल की शुरुआत में एक असफल प्रक्षेपण के बाद उ.कोरिया के जासूसी सैटेलाइट में से एक को बचा लिया और निष्कर्ष निकाला कि इस तकनीक का सैन्य महत्व बहुत कम था। जबकि सियोल का मानना है कि उत्तर कोरिया का कोई भी सैटेलाइट अल्पविकसित होगा, ऐसी तकनीक किम के शासन को अपने लक्ष्यीकरण में मदद कर सकती है, क्योंकि इससे परमाणु हमला करने की क्षमता बढ़ जाती है। उ.कोरिया ने कहा था कि सैटेलाइट कुछ ठीक ट्यूनिंग के बाद 1 दिसंबर से औपचारिक रूप से अपना टोही मिशन शुरू करेगा, लेकिन लोकल मीडिया ने कहा कि 'उपग्रह की ठीक ट्यूनिंग प्रक्रिया को एक या दो दिन पहले समाप्त करने के लिए जल्दबाजी की जा रही है।

## दो दिन और बढ़ा संघर्ष विराम, 50 इजराइली समेत 69 बंधकों को छोड़ा

**तेल अवीवी (एजेंसी)।** तमाम मान मनोव्वल के बाद इजरायल ने दो दिन और संघर्ष विराम की घोषणा की है। अब मंगलवार और बुधवार को इजराइल गाजा पर हमला नहीं करेगा। भविष्य में जिस तरह की सहमति बनती है उसी के मुताबिक आगे रणनीति बनेगी। हमास ने मूल रूप से चार दिवसीय युद्ध विराम समझौते के तहत अदला-बदली के चौथे दौर में 11 इजराइली महिलाओं एवं बच्चों को रिहा किया, जो सोमवार रात को इजराइल पहुंचे।

युद्ध विराम समझौते के तहत 50 इजराइली बंधकों एवं अन्य देशों के 19 बंधकों को रिहा किया जा चुका है। इसके अलावा इजराइली जेलों से 117 फलस्तीनियों को रिहा किया गया है। हमास और अन्य आतंकवादियों के कब्जे में अब भी 175 बंधक होने की आशंका है और यह संख्या युद्धविराम को संभावित रूप से ढाई सप्ताह तक बढ़ाने के लिए पर्याप्त हैं लेकिन इन बंधकों में कई सैनिक शामिल हैं और हमास उनकी रिहाई के एवज में अपनी मांग बढ़ा सकता है।

इसके अलावा इजराइल द्वारा रिहा किए गए 33 फलस्तीनी कैदी मंगलवार तड़के वेस्ट बैंक के रामल्ला में पहुंचे थे। इन कैदियों की बस जैसे ही वेस्ट बैंक की सड़कों पर पहुंची, लोगों की भीड़ ने इसका स्वागत किया। यह समझौता शुक्रवार से प्रभावी हुआ था और

सोमवार को इसकी अवधि समाप्त होनी थी। कतर ने युद्ध विराम समझौते की अवधि को दो और दिन बढ़ाए जाने की घोषणा की है, जिससे इसके और आगे बढ़ने की उम्मीदें पैदा हो गई हैं। इसके कारण गाजा में और मदद पहुंचाई जा सकेगी।

इजराइली बमबारी और जमीनी हमले के कारण फलस्तीन के 23 लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इजराइल ने कहा है कि प्रत्येक अतिरिक्त 10 बंधकों की रिहाई के लिए युद्ध विराम की अवधि को एक दिन आगे बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका और मिस्र के अलावा संघर्ष में अहम मध्यस्थ कतर ने ''इसी शर्त के तहत दो और दिन के विस्तार पर सहमति बनने की घोषणा की। इजराइल का कहना है कि वह उस पर हमास द्वारा किए गए सात अक्टूबर के हमले के बाद से इस आतंकवादी समूह को नष्ट करने और गाजा में उसके 16 साल के शासन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## भारतीय राजदूत के साथ गुरुद्वारे में हुई बदसलूकी, भड़क गया अमेरिकी सिख संगठन

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका स्थित एक सिख संगठन ने न्यूयॉर्क में एक गुरुद्वारे की यात्रा के दौरान खालिस्तानियों द्वारा अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। इसने मंदिर प्रबंधन से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी आह्वान किया ताकि श्रद्धालु ÷बिना किसी डर या दबाव के÷ प्रार्थना कर सकें। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के सिखों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि गुरुद्वारों को व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त होना चाहिए क्योंकि वे पूजा स्थल हैं। संधू रविवार (स्थानीय समय) पर लॉन्ग आइलैंड के हिक्सविले गुरुद्वारे में गुरुपर्व प्रार्थना में शामिल हुए। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि गुरुद्वारे में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

### भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ हुआ दुर्व्यवहार

अमेरिका की एक सिख संस्था ने सप्ताहांत में न्यूयॉर्क गुरुद्वारे की यात्रा के दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ दुर्व्यवहार की निंदा की तथा गुरुद्वारा प्रबंधन से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सिख ऑफ अमेरिका नामक संस्था ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि गुरुद्वारा पूजा स्थल हैं, लोगों को यहां व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त रहना चाहिए। संधू ने रविवार को गुरुपर्व के मौके पर न्यूयॉर्क के लॉन्ग आईलैंड में स्थित हिक्सविले गुरुद्वारे में प्रार्थना की थी।

### गुरुद्वारे में संधू के साथ धक्का-मुक्की किए जाने की निंदा

संधू के साथ हुई घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में खालिस्तानी समर्थकों का एक समूह गुरुद्वारे के भीतर संधू के साथ धक्का-मुक्की करते तथा खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर के बारे में सवाल करते हुए नजर आ रहा है। निज्जर, इस साल जून में कनाडा में मारा गया था।

घटना के बाद सिख समुदाय के लोगों ने उपद्रवियों को गुरुद्वारे से बाहर निकाला। सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष जसदीप सिंह जस्सी और इसके अध्यक्ष कंवलजीत सिंह सोनी ने एक संयुक्त बयान में कहा, हम गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधन से इन उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हैं, ताकि न्यूयॉर्क में शांतिप्रिय सिख समुदाय बिना किसी डर या दबाव के स्वतंत्र रूप से गुरुद्वारों में आ सकें।

उन्होंने कहा, राजदूत संधू गुरुद्वारा साहिब में प्रार्थना करने गए और यहां के प्रबंधन ने उन्हें सरोपा साहिब से सम्मानित किया। उसके बाद, चंद

उपद्रवियों ने उनका अनादर करने की कोशिश की और गुरुद्वारा साहिब की शांति और पवित्रता को भंग किया। गुरुद्वारा पूजा स्थल हैं और लोगों को यहां व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त रहना चाहिए। बयान में कहा गया, अमेरिका का प्रमुख सिख संगठन सिख ऑफ अमेरिका, कल न्यूयॉर्क में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के अपमान की कड़ी निंदा करता है। खालिस्तानियों के विरोध के बावजूद संधू का हिक्सविले गुरुद्वारे में गर्मजोशी से स्वागत हुआ।

# सूर्यकुमार यादव ने धोनी से कर दी युवा खिलाड़ी रिंकू सिंह की तुलना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने महेन्द्र सिंह धोनी से युवा खिलाड़ी रिंकू सिंह की तुलना की है। उन्होंने कहा कि दोनों मैचों में मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रिंकू सिंह का बढ़िया योगदान देखने को मिला था। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारतीय टीम के नाराज प्रशंसक अब संभलते नजर आ रहे हैं क्योंकि टीम इंडिया ने चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। बता दें कि दूसरे टी 20 मुकाबले में तो रिंकू ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। रिंकू सिंह की काबलियत देखकर मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी तुलना महेंद्र सिंह धोनी से की है। मुरली कार्तिक से बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने रिंकू सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वह वास्तव में शांत है। पिछले गेम में, वह तब आउट हुए जब भारत को लगभग 20 गेंदों पर 42 रन चाहिए थे। उन्होंने बिना किसी दबाव के खेला। आज के खेल में, उनके पास दो ओवर थे और हम 220-225 रन बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वह हमें 235 तक ले गए।

उन्होंने कहा कि रिंकू सिंह जिस तरह से खेल खत्म करता है वह मुझे किसी की याद दिलाता है। जब मुरली कार्तिक ने उसके बारे में पूछा तो सूर्यकुमार ने कहा कि हर कोई उस व्यक्ति के बारे में जानता है। उन्होंने इतने सालों तक भारत के लिए यही काम किया। सूर्या भारत के पूर्व खिलाड़ी के बारे में बात कर रहे थे, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स का नेतृत्व करते हैं। वहीं, दूसरे टी20 में शानदार प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह ने भी इस पर बात की थी। उन्होंने कहा कि मेरा काम टीम के स्कोर को अंतिम रूप देना है। मुझसे कहा गया है कि मुझे बल्लेबाजी के लिए कुछ ही ओवर मिलेंगे और मैं उसी के अनुसार खेलूंगा।

# टी 20 वर्ल्डकप के लिए श्रीसंत ने चुनी अपनी टीम

**मुंबई (एजेंसी)।** वर्ल्डकप 2023 के बाद अब बारी टी20 वर्ल्डकप की है। टी 20 वर्ल्डकप का आयोजन अगले वर्ष जून में होगा। भारतीय टीम के अहम सदस्य एस. श्रीसंत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले अहम टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम चुनी है। पूर्व तेज गेंदबाज की टीम में हाल के समय में बेहद कम टी20 मैच खेले रोहित शर्मा और विराट कोहली जगह पाने में सफल रहे हैं।

श्रीसंत ने कहा, रोहित खेल रहे हैं या नहीं, यह बड़ा सवाल है। रोहित कैप्टन हैं, क्योंकि उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए इतने सारे खिताब जीते हैं। स्थितियों के अनुसार, रोहित या पंड्या में से कोई कैप्टन होगा। श्री ने अपनी टी20 वर्ल्डकप की भारतीय टीम में विराट कोहली, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को भी स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर पंत फिट हैं, तब वह भी तीसरे विकेटकीपर के रूप में टीम में होगा, क्योंकि वे मैच विनर हैं लेकिन इस सेटअप में आने के लिए उन्हें समय की जरूरत हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल होने के बाद से पंत भारतीय टीम से बाहर हैं। हालांकि उन्होंने अब अभ्यास शुरू कर दिया है। गेंदबाज के रूप में उन्होंने शमी, जसप्रीत बुमराह, सिराज, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव को जगह दी है। उन्होंने कहा कि मैं पंत को ध्यान में रखते हुए 15 की बजाय 16 सदस्यों वाली टीम चुन रहा हूं इसमें केएल राहुल, ईशान किशन और पंत विकेटकीपर की रोल में होंगे। श्रीसंथ ने कहा कि सिलेक्टर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और आईपीएल के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए भी कुछ प्लेयर्स को टीम में चुनना चाहिए।

**श्रीसंत की टी20 वर्ल्डकप की भारतीय टीम:** रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, यशस्?वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, केएल राहुल, ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव।

# शुभमन गिल ने कहा, गुजरात टाइटन्स कप्तानी संभालने पर मुझे गर्व

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** भारत के उभरते सितारे शुभमन गिल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन से पहले इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स के कप्तान के रूप में घोषित होने पर खुशी जाहिर की हैं। पूर्व जीटी कप्तान हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद लिटिल प्रिंस यानी शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल ने कहा कि उन्हें यह भूमिका निभाने पर गर्व है और उन्होंने उन पर भरोसा जताने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद दिया। गिल ने लिखा, गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर मुझे गर्व है और इतनी अच्छी टीम का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं फ्रेंचाइजी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

गिल ने आईपीएल की 33 पारियों में 47.34 की औसत से 3 शतक और 8 अर्द्धशतक के साथ 1373 रन बनाए हैं। पिछला सीजन सलामी बल्लेबाज के लिए यादगार था क्योंकि उन्होंने 17 मैचों में 59.33 की औसत से 3 शतक और 4 अर्द्धशतक के साथ 890 रन बनाए और उन्हें ऑरेंज कैप विजेता भी नामित किया गया था। सलामी बल्लेबाज ने आईपीएल में अपनी शुरुआत के बाद से जीटी की सनसनीखेज दौड़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पिछले सीजन में, उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 60 गेंदों में 129 रन बनाए, जो कि आईपीएल प्लेऑफ में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे अधिक स्कोर है। बहरहाल, गिल ने अपनी घोषणा में कहा कि मैं गुजरात टाइटन्स की कप्तानी संभालने से खुश और गौरवान्वित हूं और इस तरह का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। बढ़िया टीम। हमारे पास 2 असाधारण सीज़न हैं और मैं क्रिकेट के हमारे रोमांचक ब्रांड के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं।

# कैरेबियन खिलाड़ी को उम्मीद रोहित और कोहली खेल सकते हैं टी-20 सीरिज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वर्ल्डकप के मुकाबले जून 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से खेल जाने हैं। पिछले दिनों वर्ल्ड कप में 2023 में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन कर लगातार 10 मैच जीते थे, लेकिन उस फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। इसके बाद सवाल उठ रहें कि क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज टी20 वर्ल्ड कप में खेलने वाले हैं या फिर नहीं।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत जो भी टीम चुनेगा, वह मजबूत होगी। लेकिन आप अनुभव की जगह नहीं ले सकते। कोहली और रोहित अपने साथ अनुभव लेकर आते हैं। वे कैरेबियन स्थितियों को जानते हैं, वे वहां खेल चुके हैं। मालूम हो कि कप्तान रोहित ने वर्ल्ड कप में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 597 रन बनाए थे।वहीं कोहली ने 3 शतक के सहारे 700 से अधिक रन बनाने में सफल रहे थे। विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था।

लारा ने कहा कि मुझे लगता है कि दोनों ही दिग्गज जिस तरह के खिलाड़ी, यकीन है कि उन्हें पता है वे क्या करना चाहते हैं, कितना करना चाहते हैं। इसके बाद उम्मीद है कि रोहित और विराट टी20 वर्ल्ड कप में उतर सकते हैं। मालूम हो कि टीम इंडिया ने अंतिम बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम को 2013 से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान से टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद आईपीएल 2024 है। टी20 लीग का प्रदर्शन भी टीम सेलेक्शन के लिए अहम होगा। 35 साल के कोहली ने टी20 इंटरनेशनल में एक शतक और 37 अर्धशतक के सहारे 4008 रन बनाए हैं। वे ओवरऑल टी20 में 8 शतक और 91 अर्धशतक के दम पर 11965 रन बना चुके हैं।

# आखिरी दो नॉकआउट मैच जीतने पर भारत होगा टी20 विश्व कप का दावेदार

मुंबई । पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि यदि दो नॉकआउट मैच जीतते हैं तो अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप का खिताब भारत के लिए तैयार है। उन्होंने भारत को बड़ा दावेदार करार देते हुए कहा कि चैम्पियन बनने के लिए इस टीम को आखिरी दो नॉकआउट मैचों में विजेता बनना होगा। बता दें कि भारतीय टीम को एकदिवसीय विश्व कप में शानदार अभियान के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा कि कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। यहां तक कि महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को भी विश्व कप जीतने के लिए छह विश्व कप का इंतजार करना पड़ा। रवि शास्त्री ने कहा कि आप विश्व कप आसानी से नहीं जीतते, एक विश्व कप जीतने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है। उस बड़े दिन फाइनल में टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने कहा, कि 'फाइनल में पहुंचने के बाद यह मायने नहीं रखता कि आपने टूर्नामेंट में पहले क्या किया है। उन्होंने कहा कि जब आप शुरुआती बाधा को पार कर लेते हैं तो सिर्फ शीर्ष चार टीम होती हैं और आपको आखिरी दो मैच में अच्छा करना होता है। उन दो मैचों में अगर आपका प्रदर्शन अच्छा रहा तो आप चैम्पियन बनते हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा ही किया, वे अपने शुरुआती दो मैच हार गये थे लेकिन उन्होंने जब अच्छे प्रदर्शन की जरूरत थी तब अच्छा किया। भारत के इस पूर्व हरफनमौला चैंपियन ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत के पास कई युवा खिलाड़ी हैं। बता दें कि टी20 विश्व कप का आयोजन चार जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होगा। उन्होंने कहा कि 'वनडे प्रारूप में शायद यह आसान नहीं होगा क्योंकि आपको फिर से टीम का गठन करना होगा। लेकिन टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारत गंभीर चुनौती पेश करेगा।

# भारतीय टीम के निशाने पर पाकिस्तान का नायाब रिकॉर्ड, इस मामले में भारत कर लेगा बराबरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज में भारतीय टीम पाकिस्तान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने की कगार पर है। दरअल, पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत ने 2-0 से जीत दर्ज कर बढ़त हासिल की है। इसी के साथ भारतीय टीम ने सर्वाधिक टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के मामले में पाकिस्तान की बराबरी कर ली है। भारतीय टीम अब एक मुकाबला जीतते ही इस बड़े रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेगी।

भारत ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में कुल 211 मैच खेले हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दर्ज की गई जीत, भारत की 135वीं जीत रही। वहीं पाकिस्तान ने अभी तक 226 टी20 मुकाबलों में 135 जीत अपने नाम दर्ज की हैं। भारतीय टीम पाकिस्तान के इस रिकॉर्ड को तोड़ देगी अगर वो तीसरे टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है।

वहीं गुवाहाटी में खेले जाने वाले मुकाबले में अगर भारत ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो वो सीरीज पर भी

अपना कब्जा जमा लेगा। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में टी20 में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले गेंदबाजी करने का न्योता दिया था। जिसमें भारत की तरफ से बेहतरीन बल्लेबाजी की गई। और भारत ने कंगारू टीम को हराकर सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

# आईपीएल 2024 के लिए एमएस धोनी ने शुरू की तैयारी, टेनिस खेलने का वीडियो वायरल

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के लिए सभी टीमों की तैयारियां जोरों शोरो पर है। वहीं इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, एमएस धोनी ने तैयारी शुरू कर दी है। चेन्नई सुपर किंग्स के रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट सामने आते ही साफ हो गया था कि एमएस धोनी आगामी सीजन में एक बार फिर बतौर कप्तान नजर आएंगे। हालांकि, सबसे बड़ी चिंता फैंस को उनके घुटने की चोट को लेकर है। धोनी पहले ही साफ कर चुके हैं कि वो आईपीएल का नया सीजन खेलेंगे। लेकिन वह कितने मैच खेलते हुए नजर आएंगे इस पर अभी भी सस्पेंस बरकरार है। धोनी की आईपीएल के पिछले सीजन के तुरंत बाद घुटने की सर्जरी हुई थी। जिस कारण वो पिछले काफी समय से रिहैब प्रोसेस में हैं। वह कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ अपने पैतृक गांव भी पहुंचे थे। जहां धोनी सीढ़ियों से उतरते समय घुटने की चोट से परेशान लग रहे थे। हालांकि, वर्तमान वीडियो के सामने आने से सीएसके फैंस खुश दिख रहे हैं।

फिलहाल, उनका वीडियो आया है, जिसमें वह अपने साथियों के साथ टेनिस खेलते हुए दिख रहे हैं। धोनी काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं और लग नहीं रहा है कि उनको घुटने में कोई परेशानी है।

# इंग्लैंड के खिलाफ मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेगी भारतीय महिला 'ए' टीम

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय महिला 'ए' टीम बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में मिले मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेगी। श्रृंखला यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेली जाएगी जिसका दूसरा मैच एक दिसंबर और तीसरा मैच तीन दिसंबर को होगा।

'ए' टीम के इन तीन मैचों के बाद भारत और इंग्लैंड की सीनियर महिला टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एक टेस्ट मैच खेलेंगी। सीनियर टीम के सभी मैच मुंबई में होंगे जिसकी शुरूआती छह दिसंबर को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी। भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए यह व्यस्त सत्र होने वाला है क्योंकि इंग्लैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया का भारत में एक लंबा दौरा होगा जिसमें एकमात्र टेस्ट के अलावा तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होंगे।

भारत की महिला सीनियर टीम की घोषणा अभी की जानी है। भारत ए टीम की अगुआई केरल की मीनू मणि करेंगी। ए टीम की खिलाड़ियों के लिए यह श्रृंखला प्रेरणा का

काम करेगी क्योंकि इसके प्रदर्शन से वे खुद को सीनियर टीम में चयन के लिए दावेदार बनाना चाहेंगी। मणि ने चार महीने पहले जुलाई में बांग्लादेश के दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था जिससे इस 24 साल की आल राउंडर के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी दी गयी है। वह महिला प्रीमियर लीग के शुरूआती चरण में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेली थीं।

इस 'ए' श्रृंखला में ध्यान भारत की संभावित खिलाड़ी कर्नाटक की श्रेयंका पाटिल पर भी लगा होगा जिन्होंने साल के शुरू में महिला प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया था और वह महिलाओं की कैरेबियाई प्रीमियर लीग से करार करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बनी थीं।

पंजाब की बल्लेबाज कनिका आहूजा के प्रदर्शन पर भी सभी की निगाहें होंगी जिन्होंने एसीसी महिला एमर्जिंग टीम्स कप के फाइनल में 30 रन बनाकर और दो विकेट झटककर हरफनमौका प्रदर्शन किया था। युवा ऑफ स्पिनर मन्नत कश्यप पर भी निगाहें लगी होंगी जबकि जी त्रिशा, दिनेश वृंदा और जी दिव्या से भी अच्छा प्रदर्शन करने की आस है। इंग्लैंड ए ने अभी अपनी टीम घोषित नहीं की है जो ओमान में ट्रेनिंग शिविर के बाद यहां आयी है।

**भारत महिला ए टीम :** मीनू मणि (कप्तान), कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, जी त्रिशा, वृंदा दिनेश, ज्ञानानंदा दिव्या, आरुशी गोयल, दिशा कसाट, राशि कनौजिया, मन्नत कश्यप, अनुषा बारेड्डी, मोनिका पटेल, काश्वी गौतम, जिन्तिमणि कलिता, प्रकाशिका नाइक।

# क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दिखाई खेल भावना

रियाद । अल नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खेल भावना का शानदार नजारा पेश करते हुए ईरान के पर्सेपोलिस क्लब के खिलाफ एशियाई चैम्पियंस लीग (एसीएल) के गोलरहित ड्रा मुकाबले में खुद को मिले पेनल्टी मौके को रद्द करने में मदद की। रोनाल्डो मैच के शुरूआत में ही बॉक्स के अंदर गिर गए और रैफरी ने तुरंत ही पेनल्टी प्रदान कर दी। लेकिन रोनाल्डो ईमानदारी दिखाकर पेनल्टी का विरोध कर रहे पर्सेपोलिस के खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गए। फिर रैफरी मा निंग ने पिच के पास लगे मॉनिटर पर इसकी जांच की और अपने फैसले को पलट दिया। अल नासर के डिफेंडर अली लाजिमी को मैच के 17 मिनट के अंदर ही लाल कार्ड दिखा दिया गया जिससे टीम 10 खिलाड़ियों के साथ मैदान पर थी। अल नासर ग्रुप ई विजेता के तौर पर पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुका है। इसी ग्रुप में कतर के अल दुहेल ने ताजिकिस्तान के इस्तिकलोल को 2-0 से हराकर पहली जीत हासिल की जिसमें कीनिया के स्ट्राइकर माइकल ओलुंगा ने दोनों गोल दागे। ग्रुप सी में सऊदी अरब चैम्पियन अल इतिहाद ने उज्बेकिस्तान के एजीएमके को 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में क्वालीफाई किया।

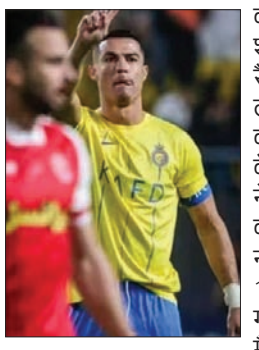

# आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाया पीसीबी का माखौल, चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने की पेशकश की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आइसलैंड क्रिकेट एसोसिएशन ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 आयोजन की मेजबानी को लेकर एक बार फिर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का मजाक उड़ाया है। बता दें कि, पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2017 का विजेता था और यही कारण था कि उसे मेजबानी का अधिकार दिया गया था। भारत टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जाना चाहता और वह इस पर कायम है। जिस कारण अब सवाल ये है कि क्या चैंपियंस ट्रॉफी 2025 एशिया कप की तरह ही हाइब्रिड मॉडल के अंदर खेला जाएगा। या ये पूरी तरह से पाकिस्तान से बाहर कराया जाएगा।

आइसलैंड ने इस आयोजन की पूरी मेजबानी करने की पेशकश करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। ट्वीट में, आइसलैंड ने आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले को लिखा और व्यंग्यपूर्वक इस कार्यक्रम की मेजबानी करने की पेशकश की। इस दौरान आइसलैंड बोर्ड ने लिखा, हम पीछे हटने वाले लोग नहीं हैं। हमने आज 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए अपनी बोली जारी की है। हम ये सुनने के लिए उत्सुक हैं कि आईसीसी के ग्रेग बार्कले इस बारे में क्या कहते हैं।

बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में फरवरी-मार्च के बीच खेली जाएगी। इसमें कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। वर्ल्ड कप 2023 की अंक तालिका में टॉप 8 टीमें इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। सबसे बड़ा सवाल इसके आयोजन स्थान को लेकर है। ये पाकिस्तान में होना है लेकिन भारत का रुख साफ है कि वह पाकिस्तान में टूर्नामेंट के लिए नहीं जाना चाहता। जिस कारण कयास लगाए जा रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। या फिर कुछ मैच पाकिस्तान में होंगे।

# हॉकी शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर ग्रुप घोषित

स्पोर्ट्स डेस्क। हॉकी इंडिया ने स्पेन में आगामी पांच देशों के टूर्नामेंट की तैयारी के मद्देनजर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए मंगलवार को 39 सदस्यीय कोर ग्रुप टीम की घोषणा की। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए नये दृष्टिकोण के साथ तैयारी करना चाहते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। अब टीम 15 दिसंबर से वालेंसिया में पांच देशों का टूर्नामेंट खेलेगी। विश्व चैम्पियन जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम और मेजबान स्पेन टूर्नामेंट की अन्य टीम हैं। पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर बुधवार से बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में शुरू होगा। फुल्टन ने कहा, ''हांगझोउ एशियाई खेलों के सफल अभियान के बाद लंबा ब्रेक रहा। टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों ने चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया और मुझे भी कुछ युवा और उभरते हुए खिलाड़ियों को करीब से खेलते हुए देखने का मौका मिला।'' उन्होंने कहा, ''हम अब पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों में नये दृष्टिकोण के साथ बेंगलुरु के साइ केंद्र में एकजुट होंगे।'' फुल्टन ने आगे कहा, ''जैसा कि मैंने कहा है कि यह एक प्रक्रिया है और हम एशियाई खेलों के अभियान पर गौर करेंगे और समझेंगे कि हम बतौर टीम कैसे बेहतर कर सकते हैं और इस दिशा में ही आगे काम करेंगे।'' राष्ट्रीय शिविर के कोर ग्रुप में वो सभी 18 खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले महीने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है।

टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''पिछले हफ्ते काफी अच्छे रहे क्योंकि हमने परिवार के साथ समय बिताया और चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अपने घरेलू राज्य के लिए भी खेले। अब हम राष्ट्रीय शिविर में टीम को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।''

कोर संभावित ग्रुप में खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश , सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत।

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फॉरवर्ड- एस कार्ति, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

# ईशान ने अपनी उम्र बताई 82 साल, फुटबॉल खेलने में हैं माहिर

**-बीसीसीआई के हर सवाल का दिया उल्टा जवाब, हरकोई वीडियो देख हैरान**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टीम इंडिया के विकेटकीपर, बैटर ईशान किशन का एक वीडियो देख हर कोई हैरान हो रहा है। दरअसल यह वीडियो खुद बीसीसीआई ने ही सोशल मीडिया में जारी किया है। इस वीडियो में पूछे जाने पर उन्होंने अपनी उम्र 82 साल बताई है। साथ ही हर सवाल का उलटा जवाब दिया है। गौरतलब है कि टीम इंडिया अभी ऑस्ट्रेलिया से टी20 सीरीज खेल रही है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 2-0 से आगे है। सीरीज का तीसरा मैच आज गुवाहाटी में होना है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। पहले दोनों मैच में विकेटकीपर बैटर ईशान किशन ने अर्धशतक जड़ा। इस बीच बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर ईशान का एक वीडियो पोस्ट किया है, इसमें वे सूर्यकुमार यादव को विकेटकीपर गेंदबाज बता रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बीसीसीआई ने ईशान किशन का वीडियो डालते हुए लिखा, सिर्फ गलत ऑन्सर देना ईशान किशन। इसके बाद ईशान पूछे जा रहे सवालों का जवाब देते हुए दिख रहे हैं। पहले उनसे पूछा गया, आपका नाम क्या है, इस पर ईशान ने कहा कि वीवीएस लक्ष्मण। आपकी उम्र कितनी हैं, 82 साल। आप कौन-सी भाषा बोलते हैं, स्पेनिश। आप कौन सा खेल खेलते हैं, फुटबॉल।

इस तरह से वीडियो में ईशान किशन हर सवाल के गलत जवाब देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब ईशान किशन से पूछा गया कि सूर्यकुमार यादव कौन हैं, इस पर उन्होंने कहा कि विकेटकीपर बॉलर। विराट कोहली और रोहित शर्मा कौन सा खेल खेलते हैं, खो-खो। आपके बालों का रंग क्या है, ऑरेंज। जब आप बैट से शॉट लगाते हैं, तो कैसी आवाज आती है, म्यॉऊं। वर्ल्ड कप 2023 कहां खेला गया, ब्राजील। इस तरह से उन्होंने हर सवाल के उलटे जवाब दिए। यहां गौरतलब है कि ईशान किशन वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल थे, लेकिन उन्हें सिर्फ 2 ही मैच में मौका मिला था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

# टाइगर 3 के लिए 6 महीने किया था वर्कआउट

**बॉलिवुड में सीरियल किसर का खिताब पाने वाले इमरान हाशमी कुछ समय से परफॉर्मेंस प्रधान भूमिकाओं पर ध्यान दे रहे हैं। हालिया रिलीज टाइगर 3 ने न केवल उन्हें बॉक्स ऑफिस की कामयाबी का स्वाद चखाया बल्कि उनकी भूमिका को सराहना भी मिली। विलन के रोल में इमरान दर्शकों को खूब पसंद आ रहे हैं।**

**आप एक लंबे अरसे तक सीरियल किसर के रूप में जाने जाते रहे, मगर अब लोग आपको समर्थ अभिनेता का दर्जा दे रहे हैं?**

सच कहूं, तो करियर में दस-बारह साल तक मुझे सीरियल किसर की छवि से काफी फायदा हुआ। मैं उस इमेज को लेकर कोई शिकायत नहीं करना चाहूंगा। मैंने ही उस इमेज को प्रमोट करके पीआर के रूप में उसका इस्तेमाल किया। मगर फिर एक पॉइंट के बाद मुझे लगा, बस हो गया, मुझे उस काम को करके खुशी भी नहीं मिल रही थी। मैं कोई फिल्म साइन करता, मुझे रोल मिलता और फिर वही चीजें रिपीट करता था मैं। फिर 2013 में मैंने एक बहुत ही सख्त फैसला लिया कि मैं परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिका करूंगा। ये बात बहुत लोगों को हजम नहीं हुई, जैसा कि इंडस्ट्री में दस्तूर होता है कि आपकी जो इमेज चल निकलती है, उसे ही भुनाया जाता है। लेकिन मुझे दर्शकों के सामने कुछ नया पेश करना था। आप अगर मेरी फिल्मोग्राफी पर निगाह डालें, तो पाएंगे कि मैंने 2013 के बाद अपनी पिछली फिल्मों से काफी अलग तरह की फिल्में की हैं, तो आज आप अगर टाइगर 3 में मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ सुन रहे हैं, तो वो मेरे बीते 8-10 सालों की मेहनत का नतीजा है।

**इंडस्ट्री में दो दशक बिताने के बावजूद सुना है कि आपने अपने किरदार के लिए ऑडिशन दिया?**

मुझे ऑडिशन देने में कोई परहेज नहीं है। मैं जब फिल्म के निर्देशक मनीष शर्मा से पहली मीटिंग में मिला, तो वे बोले, तुम्हारा चेहरा काफी छोटा है, ये एक खलनायक की भूमिका है, तो तुम्हे ऐतराज न हो, तो लुक टेस्ट या एक सीन कर सकते हैं? मैंने कहा, मनीष बोल दे न कि ऑडिशन चाहिए। मैंने मनीष से साफ-साफ कहा कि उनकी क्लैरिटी के लिए उन्हें जो कुछ भी चाहिए, मैं करने को तैयार हूं। उन्होंने अगली दो-तीन मीटिंग में मुझे स्क्रिप्ट सुनाई। हमने एक -दूसरे को समझा और अंतत: उन्होंने मुझसे कहा, मुझे ऑडिशन नहीं चाहिए।

**सलमान खान जैसे एक्शन स्टार के सामने आपने एक्शन के लिए क्या तैयारी की?**

तैयारी तो बहुत की। हां, टी शर्ट नहीं उतारी। मनीष ऐसा निर्देशक है भी नहीं जो अचानक क्लाइमैक्स में टी शर्ट उतारने को कहे। सलमान बहुत बड़े एक्शन स्टार हैं और सालों से अपनी फिजीक पर काम करते आए हैं और जब मैं मनीष से मिला, तो मैं काफी पतला था। मनीष ने मुझे 6 महीने का समय दिया। मैं सलमान के साथ फ्रेम में फिट लगना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि मैं ऐसा लगूं कि सलमान मुझे फूंक मारे, तो मैं उड़ जाऊं। मैंने 6 महीने वर्कआउट करके अपनी बॉडी बनाई। जहां तक सलमान के साथ काम करने की बात है, तो हमारे बीच एक इक्वेशन है, जो काम में भी साकार हुई है।

**आपकी फिल्म पर आपके बेटे अयान की क्या प्रतिक्रिया थी?**

मेरे बेटे ने फिल्म बहुत इंजॉय की। आम तौर पर वो मेरी फिल्में एक बार देखता है, मगर ये फिल्म उसने दो बार देखी। पहली बार उसने फिल्म यशराज में देखी, मगर उसने कहा कि वो एक बार और आईमैक्स में देखना चाहता है। उसने मुझसे कहा कि जिस तरह से हम हॉलिवुड की फिल्मों के मजे लेते हैं, उसी तरह उसने ये फिल्म इंजॉय की।

**बेटे अयान को लेकर आप कैंसर जैसे मुश्किल वक्त से भी गुजरे, उस आज आपका करियर काफी चमक रहा है, मगर आपके लिए मुश्किल दौर कौन-सा था?**

जब आपकी फिल्में नहीं चलती, तब आप खुद से सवाल करने लगते हैं। अपनी चॉइसेज पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। मुझे लगता है हर एक्टर के करियर में ऐसा दौर आता है, जब वो नाकामियों से गुजरता है। हर शुक्रवार को समीकरण बदल जाते हैं। फिल्म हिट होती है, तो लोग तारीफों के पुल बांध देते हैं। लेकिन जब फिल्म नहीं चलती, तो एक्टर को अकेलेपन से गुजरना पड़ता है। वो इम्तिहान होता है। मगर फिर ऐसे समय में दिमाग में एक ही बात रखनी पड़ती है कि भले आपकी फिल्म नहीं चली, मगर आपको खुद को री इवेंट करना पड़ेगा।

# मुझे फेमिनिस्ट होने पर गर्व है, बोले करण जौहर, फिल्म ऐ वतन मेरे वतन को लेकर कही यह बात

गोवा में चल रहे 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में तमाम दूसरे स्टार्स के साथ जाने-माने फिल्ममेकर करण जौहर और एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी हिस्सा लिया। यहां उन्होंने सीधे हअअ पर रिलीज होने वाली अपनी फिल्म ऐ वतन मेरे वतन को लेकर बातचीत की। करण जौहर ने बताया कि यह साल 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान घटी सत्य घटना से प्रेरित फिल्म है। इस फिल्म में सारा अली खान ने ऐसी लड़की का रोल निभाया है, जिसने देशभक्ति की भावना से प्रभावित होकर देश के स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया।

**फीमेल लीड वाली फिल्मों पर करण जौहर को कितना विश्वास?**

जब करण जौहर से पूछा गया कि वह महिलाओं को लीड रोल में लेकर फिल्में बनाने में कितना विश्वास रखते हैं, तो उन्होंने कहा, मैं किसी किरदार को उसके जेंडर से नहीं देखता। हालंकि मुझे फेमिनिस्ट होने पर गर्व है। मुझे एक मजबूत मां ने पाला है। मुझे जब इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया, तो इसकी कहानी सुनकर मैंने तुरंत इसे बनाने का फैसला कर लिया। मैं इससे पहले भी देशभक्ति के विषय पर आधारित फीमेल लीड वाली राजी और गुंजन सक्सेना जैसी फिल्में बना चुका हूं। इन फिल्मों में आलिया भट्ट और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी और इन्हें काफी पसंद भी किया गया था। मुझे उम्मीद है कि ऐ वतन मेरे वतन को भी दर्शकों से उतना ही प्यार मिलेगा।

**सारा को ही ऐ वतन मेरे वतन के लिए क्यों चुना?**

जब करण से पूछा गया कि उन्होंने इस रोल के लिए सारा को ही क्यों चुना, तो वह बोले, मैं सारा को बचपन से जानता हूं। वह मुझे इस रोल के लिए परफेक्ट चॉइस लगीं। जो लोग कहते हैं कि उन्हें फिल्मी फैमिली से होने का फायदा मिला है, मैं उनको बताना चाहता हूं कि सारा आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। मैं अक्सर हंसमुख चेहरे वाली सारा से कहता हूं कि तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो, क्या गम है जो तुम छिपा रहे हो।

# विक्रांत मैसी ने किया खुलासा- ऑस्कर के लिए भेजी गई 12वीं फेल

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त प्रदर्शन के साथ शानदार हिट बन गई है। फिल्म को दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की भूमिका निभाने वाले विक्रांत मैसी ने पुष्टि की है कि 12वीं फेल ने स्वतंत्र नामांकन के रूप में ऑस्कर के लिए आवेदन किया है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान विक्रांत ने फिल्म उद्योग में अपनी यात्रा के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि जब वे सिर्फ 15 साल के थे तो कैसे उन्हें काम की तलाश में मजबूर होना पड़ा, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनकी कॉलेज की फीस उनके पिता पर बोझ बने। मनोरंजन की दुनिया में विक्रांत का सफर टेलीविजन से शुरू हुआ। उन्हें लोकप्रिय टेलीविजन शो कुबूल है में अयान अहमद खान की भूमिका से पहचान मिली, जो 2012 से 2013 तक प्रसारित हुआ। वहीं अब उन्होंने अपने जिंदगी का खास पड़ाव भी पार कर लिया है। उन्होंने बताया है कि उनकी फिल्म 12वीं फेल को स्वतंत्र नामांकन के रूप में ऑस्कर के लिए भेजा गया है। टीवी से अपना करियर शुरू करने वाले अभिनेता ने यह भी बताया कि वह एक डांसर हैं और उन्होंने श्यामक डावर से प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने स्टेज पर जमकर डांस भी किया। विक्रांत ने बॉलीवुड सिनेमा में भी एक सफल बदलाव किया है। वह उन फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने अपनी कहानी और प्रदर्शन के लिए आलोचकों की प्रशंसा हासिल की है।

# वेब सीरीज अक्का में राधिका आप्टे से भिड़ेंगी कीर्ति सुरेश

यशराज फिल्म्स ने पिछले हफ्ते अपनी पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन के प्रीमियर के साथ ओटीटी क्षेत्र में आधिकारिक प्रवेश किया। के के मेनन, आर. माधवन, दिव्येंदु शर्मा और बाबिल खान स्टारर शो, जो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के इर्द-गिर्द घूमता है, बेहद हिट रहा है और इसे दुनिया भर में व्यापक प्रशंसा मिली है। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट, आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व वाले बैनर की स्ट्रीमिंग प्रोडक्शन शाखा, इस सफलता के बाद एक मल्टी-सीजन क्राइम थ्रिलर सीरीज मंडाला मर्डर्स के साथ आई है, जिसमें वाणी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। अब, रिपोर्ट्स हैं कि कंपनी ने अपने तीसरे शो को भी हरी झंडी दे दी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वाईआरएफ एंटरटेनमेंट अब एक आकर्षक रिवेंज थ्रिलर सीरीज का निर्माण कर रहा है, जिसमें साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश और बॉलीवुड डीवा राधिका आप्टे मुख्य भूमिका में हैं। अक्का नामक प्रोजेक्ट में इन दो सबसे प्रशंसित भारतीय महिला कलाकारों को स्क्रीन पर एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा देखा जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि यह एक पीरियड थ्रिलर है। साथ ही छह महीने की भारी तैयारी के बाद इस शो पर इसी सप्ताह काम शुरू हुआ है। इस सीरीज के इर्द-गिर्द उत्साह पैदा करने के लिए वाईआरएफ द्वारा जानबूझकर परियोजना के विवरण को गुप्त रखा जा रहा है।
अक्का कीर्ति सुरेश की ओटीटी क्षेत्र में पहली फिल्म है, और वरुण धवन के साथ अंडर-प्रोडक्शन थेरी रीमेक के बाद उनकी दूसरी हिंदी परियोजना है। पिछले दशक में तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में एक के बाद एक अविश्वसनीय प्रदर्शन के साथ खुद को ऑन-स्क्रीन एक सशक्त कलाकार के रूप में स्थापित करने के बाद, अभिनेत्री की नजर अब बॉलीवुड पर है, और वाईआरएफ शो इसका एक प्रमाण है।

# बड़ी बेसब्री से फाइटर का इंतजार कर रहे अनिल कपूर

अभिनेता ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर जैसे सितारों से सजी फिल्म फाइटर का दर्शक बड़ी बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 2024 की सबसे बड़ी फिल्म बताया जा रहा है। जिस बेसब्री से दर्शक इस फिल्म के इंतजार में हैं, अभिनेता अनिल कपूर भी वैसे ही दिन गिन-गिनकर इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें फाइटर की रिलीज को आज से ठीक एक महीना बाकी है। अनिल कपूर ने फिल्म की रिलीज के लिए काउंटडाउन शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्टर जारी किया है। इसमें लिखा है, दो महीने बाकी हैं।
वहीं कैप्शन में लिखा है, एक फाइटर कभी आराम नहीं करता। आपको बता दें कि फाइटर की रिलीज डेट 25 जनवरी 2024 है।

# एक बार फिर एक्शन करती दिखेंगी रानी मुखर्जी! 2024 में शुरू होगी मर्दानी 3 की शूटिंग

रानी मुखर्जी बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपहिट फिल्में दी हैं। हाल ही में, अभिनेत्री मिसेज चटर्जी में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को लोगों ने खूब पसंद किया था। पिछले कुछ समय से रानी की फिल्म मर्दानी- 3 को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच अब इस फिल्म से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रानी मुखर्जी मर्दानी 3 में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रानी मुखर्जी मर्दानी 3 में काम करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस फिल्म की स्क्रिप्ट के लिए निर्देशक गोपी पुथरन और निर्माता आदित्य चोपड़ा से भी मंजूरी मिल गई है। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इन दिनों फिल्म के बाकी कलाकारों के चयन को लेकर चर्चा चल रही है। रानी मुखर्जी की इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 में शुरू होगी। बता दें कि रानी मुखर्जी ने भी एक इंटरव्यू में मर्दानी 3 में काम करने की इच्छा जताई थी। मर्दानी 3 में काम करने को लेकर अभिनेत्री ने कहा था, इस किरदार को मैं फिर से निभाना चाहती हूं, लेकिन सबकुछ स्क्रिप्ट पर निर्भर करता है। अगर कहानी अच्छी मिलती है तो मैं जरूर इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहूंगी। मर्दानी और मर्दानी 2 में रानी मुखर्जी ने शिवानी शिवाजी राव नाम की पुलिस अफसर का किरदार निभाया था। दर्शकों को उनका यह किरदार काफी पसंद आया था। मर्दानी को साल 2014 में रिलीज हुई। साल 2019 में आई मर्दानी 2 में रानी मुखर्जी के अलावा विशाल जेठवा, विक्रम सिंह चौहान, श्रुति बापना, राजेश शर्मा, दीपिका अमीन जैसे कलाकार नजर आए थे।

# जख्म का रीमेक बनाना चाहती हैं पूजा भट्ट, दिल है कि मानता नहीं को दोबारा बनाने से किया इनकार

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट ने हाल ही में अपनी फिल्म जख्म को दोबारा देखने और उसे फिर से रिलीज करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि जख्म आज भी प्रासंगिक है, जो इसे दर्शकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है। पूजा भट्ट ने फिल्म के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा कि शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उसे सरकार से राष्ट्रीय एकता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में बात करते हुए पूजा भट्ट ने दिल है के मानता नहीं के रीमेक के बारे में भी बात की। इस फिल्म में पूजा भट्ट ने आमिर खान के साथ अभिनय किया था। उन्होंने फिल्म के रीमेक बनने की बात का खंडन कर दिया। उन्होंने कहा कि आप दिल है के मानता नहीं का रीमेक नहीं बना सकते, क्योंकि आप महेश भट्ट की जगह नहीं ले सकते और यह उनके बिना नहीं बन सकता।

**आलिया और रणबीर को करेंगी निर्देशित?**

पूजा भट्ट अपनी फिल्म सना की स्क्रीनिंग के लिए आईएफएफआई में आई थीं उन्होंने ने सेट पर रहने, संवाद सीखने और दूसरों द्वारा निर्देशित होने का आनंद व्यक्त किया। जब पूजा से उनके सुपरस्टार परिवार के सदस्यों आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को निर्देशित करने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने वर्तमान में जीने और एक अभिनेता के रूप में अपने समय का आनंद लेते हुए निश्चित योजनाएं न बनाने पर जोर दिया।